@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 14 अक्टूबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 339 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राहुल गांधी ने अग्निपथ योजना पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। नासिक में प्रशिक्षण के दौरान दो अग्निवीरों की मौत के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सवाल किा कि एक सैनिक का जीवन दूसरे से अधिक कीमती क्यों है। उन्होंने कहा कि जिन दो अग्निवीरों की मौत हुई, उनके परिवारों को अन्य शहीद सैनिकों के परिजनों के समान पेंशन और लाभ क्यों नहीं मिल रहे। कांग्रेस नेता ने कहा कि वह इस अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ते रहेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, नासिक में प्रशिक्षण के दौरान अग्निवीर गोहिल विश्वराज सिंह और सैफद की मौत बहुत दुखद है। मैं उनके परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने आगे कहा, यह घटना एक बार फिर अग्निवीर योजना पर गंभीर सवाल उठाती है, जिसका भाजपा सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया। क्या गोहिल और सैफत के परिवारों को शहीद सैनिकों के बराबर मुआवजा मिलेगा? राहुल गांधी ने यह भी पूछा, अग्निवीरों के परिवारों को पेंशन और अन्य सरकारी सुविधाएं क्यों नहीं मिलेंगी? जब दोनों सैनिकों की जिम्मेदारियां और बलिदान समान हैं, तो उनके शहीद होने के बाद यह भेदभाव क्यों? उन्होने कहा कि अग्निपथ योजना सेना के साथ अन्याय है और हमारे वीर सैनिकों की शहादत का अपमान है। गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री को जवाब देना चाहिए कि एक सैनिक की जिंदगी दूसरे से ज्यादा कीमती क्यों है? उन्होंने सभी से आग्रह किया कि इस अन्याय के खिलाफ एकजुट हों। आज ही हमारे जय जवान आंदोलन में शामिल हों, ताकि भाजपा सरकार की अग्निवीर योजना को समाप्त किया जा सके और देश के युवाओं व सेना का भविष्य सुरक्षित किया जा सके।

भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल: पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव लाने की एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभरी है, जो विभिन्न क्षेत्रों में तेजी और दक्षता के साथ विकास को आगे बढ़ा रही है। पीएम मोदी ने भारत मंडपम में पीएम गति शक्ति अनुभव केंद्र का दौरा किया। यह केंद्र पीएमजीएस-एनएमपी की खासियतों, उपलब्धियों को दर्शाता है। पीएम गति शक्ति पहल का मकसद आर्थिक और सतत विकास है, जिसमें रेल, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, सार्वजनिक परिवहन और लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचे जैसे सात इंजन शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान ने देश के बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में काम किया है। इसने मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को बढ़ावा दिया है, जिससे विकास की गति और दक्षता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि विभिन्न हितधारकों का

समन्वय लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने, देरी को कम करने और लोगों के लिए नए अवसर पैदा करने में मदद कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, गति शक्ति के कारण भारत अपने विकसित भारत के दृष्टिकोण को पूरा करने में तेजी ला रहा है और इससे प्रगति, उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। मोदी ने केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के उस पोस्ट को भी टैग किया, जिसमें उन्होंने गति शक्ति पहल की तारीफ की है। गोयल ने लिखा है, आज पीएम मोदी द्वारा मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के शुभारंभ का तीसरा साल है। यह पहल लॉजिस्टिक्स को सुगम बनाकर और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देकर परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी ला रही है। उन्होंने कहा कि यह एक आधुनिक और आपस में जुड़े बुनियादी ढांचे के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जो विकसित भारत के निर्माण के दृष्टिकोण को मजबूत कर रहा है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या का राजनीतिकरण न करें: अजित पवार

मुंबई, 13 अक्टूबर। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या ने पूरे महाराष्ट्र को हिला दिया है। कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। इसी बीच महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या का राजनीतिकरण न किया जाए और राज्य सरकार दोषियों को सजा मिलने तक चैन से नहीं बैठेगी। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सिद्दीकी को मुंबई में बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके विधायक पुत्र जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर शनिवार रात को तीन लोगों ने गोली मार दी थी। उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस चौंकाने वाली घटना के बाद विपक्ष ने महाराष्ट्र सरकार पर निशाना सधा और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाया। राज्य में अगले महीने विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। अजित पवार ने कहा कि राकांपा बाबा सिद्दीकी की मौत से बहुत दुखी है जो ऐसे नेता थे जिन्हें काफी लोग बहुत प्यार करते थे और व्यक्तिगत रूप से उन्होंने एक प्रिय मित्र को खो दिया है जिसे वह वर्षों से जानते थे। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि, हमारा दिल टूट गया है और इस घटना की क्रूरता से उबरने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह सिर्फ एक राजनीतिक क्षति नहीं है, यह एक गहरी व्यक्तिगत त्रासदी है जिसने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है। अजित पवार ने कहा, मैं सभी से दृढ़तापूर्वक आग्रह करता हूं कि वे इस भयावह घटना का राजनीतिकरण न करें। यह विभाजन का या राजनीतिक लाभ के लिए दूसरों की पीड़ा का फायदा उठाने का समय नहीं है। फिलहाल, हमारा ध्यान न्याय सुनिश्चित करने पर होना चाहिए।

पहले महायुति को मुख्यमंत्री चेहरे का एलान करने दीजिए: उद्धव ठाकरे

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 13 अक्टूबर। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही हफ्तों का समय बचा है। ऐसे में सभी राजनीतिक पार्टियां चुनाव की तैयारियों में जुटी हैं। सीएम चेहरे के उम्मीदवारों की भी चर्चा है। इस बीच शिवसेना यूबीटी नेता उद्धव ठाकरे से जब महाविकास अघाड़ी गठबंधन की तरफ से सीएम चेहरे को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि पहले सत्ताधारी महायुति गठबंधन को सीएम उम्मीदवार का एलान करने दीजिए, उसके बाद उनका गठबंधन भी अपने उम्मीदवार का एलान कर देगा। महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक दलों के नेताओं ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान शिवसेना यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे से एमवीए (महाविकास अघाड़ी) के मुख्यमंत्री पद के चेहरे पर सवाल किया गया। इसके जवाब में ठाकरे ने कहा कि महायुति को अपना सीएम चेहरा घोषित करने दें, एमवीए भी उसका अनुसरण करेगा। सरकार में होने के नाते महायुति गठबंधन को पहले अपने सीएम चेहरे का एलान करना चाहिए। महायुति में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भाजपा और अजित पवार की एनसीपी शामिल हैं। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि हाल ही में हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और भाजपा के वोट शेयर में केवल 0.6 प्रतिशत का अंतर है, फिर भी भाजपा को अधिक सीटें मिलीं। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर चुनाव

परिणाम पर चर्चा क्यों नहीं की जाती? अनुच्छेद 370 (जिसने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा दिया था) को निरस्त करने के बाद, पार्टी (भाजपा) को चुनावों में जीत हासिल करनी चाहिए थी। ठाकरे ने कहा कि राज्य सरकार के हर कदम को संदेह की नजर से देखा जा रहा है, जैसे एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में की गई दो गिरफ्तारियां और यहां तक कि बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी अक्षय शिंदे की पुलिस मुठभेड़ में हत्या। ठाकरे ने दावा किया कि मुंबई में दो पुलिस आयुक्त हैं, लेकिन फिर भी शहर में अपराध की घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। जब एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार से सीएम चेहरे को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने उद्धव ठाकरे के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि जो भी उद्धव ठाकरे ने सीएम चेहरे को लेकर कहा, वह साफ है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार की मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना एक धोखा है, जिसके लिए बजट में कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। अगर वे योजना के लिए अलग से वित्तीय प्रावधान करते तो योजना का विरोध नहीं होता। शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र के लोग राजनीतिक बदलाव के लिए उत्सुक हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी राज्य विधानसभा चुनाव के परिणाम में उनकी भावना झलकेगी।

सुपुर्द-ए-खाक हुए राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी

मुंबई, 13 अक्टूबर। महाराष्ट्र में अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुंबई पुलिस के मुताबिक, अज्ञात बंदूकधारियों ने हमला किया। आनन-फानन में बाबा सिद्दीकी को लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचाने में कामयाब नहीं हो सके। पुलिस ने तीन हमलावरों को गिरफ्तार किया है। जानिए पल-पल की अपडेट्स राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी के सुपुर्द-ए-खाक के दौरान प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल और अजित पवार सहित राकांका नेता बड़ा कब्रिस्तान में मौजूद हैं। मुबंई पुलिस के मुताबिक, अपराध शाखा ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में तीसरी गिरफ्तारी की है। तीसरे आरोपी की पहचान प्रवीण लोनकर के रूप में हुई है। तीन आरोपी अभी भी फरार हैं। बाबा सिद्दीकी के पार्थिव शरीर को बांद्रा स्थित उनके

आवास से ले जाया जा रहा है। उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ मुंबई लाइन के बड़ा कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। बांद्रा में बाबा सिद्दीकी के आवास के बाहर नमाज अदा की गई। उनके पार्थिव शरीर को सुपुर्द-ए-खाक के लिए ले जाया जा रहा है, जिसे पूरे राजकीय सम्मान के साथ मुंबई लाइन के कब्रिस्तान में किया जाएगा। मरीन लाइंस कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक होंगे बाबा सिद्दीकी, थोड़ी देर में शुरू होगी अंतिम यात्रा बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के आरोपियों गुरमेल सिंह और धर्मराज कश्यप को एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी गुरमेल सिंह को 21 अक्तूबर तक मुंबई अपराध शाखा की हिरासत में भेज दिया है। वहीं, धर्मराज कश्यप को पुलिस हिरासत में नहीं भेजा गया। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि धर्मराज कश्यप को उसकी हड्डियों की जांच के बाद फिर से पेश किया जाए। मुंबई पुलिस ने दावा किया कि बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में चौथे आरोपी की पहचान हो गई है। चौथे आरोपी का नाम मोहम्मद जीशान अख्तर है।

द्रोणाचार्य भूपेंद्र धवन के शिष्य रितेश डोगरा ने एक बार फिर इतिहास रच दिया

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। द्रोणाचार्य भूपेंद्र धवन के शिष्य रितेश डोगरा ने लास वेगास, (यूएसए) 2024 में आयोजित मिस्टर ओलंपिया प्रो पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 2 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीतकर एक बार फिर इतिहास रच दिया। ये पदक हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा खेलो इंडिया और फिट इंडिया आंदोलन को समर्पित हैं। रितेश ने 90 किग्रा वर्ग में कुल 745 किग्रा उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। बेंच प्रेस में उनका कड़ा मुकाबला था जिसमें यूएसए

के मार्क हेनिंग्स (शरीर का वजन 90 किग्रा) ने स्वर्ण और रितेश डोगरा ने बेंच प्रेस स्पर्धा में रजत पदक जीता। 90 किग्रा वर्ग ओपन रॉ डेडलिफ्ट में रितेश डोगरा ने अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए (305 किग्रा के साथ) स्वर्ण पदक जीता । 90 किग्रा वर्ग ओपन रॉ डेडलिफ्ट में रितेश डोगरा ने अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए (305 किग्रा के साथ) स्वर्ण पदक जीता और रजत पदक मैक्सिको के रोजर पाज़ ने जीता (जिन्होंने 303 किग्रा उठाया) यह एक बहुत ही करीबी मुकाबला था।

10 साल में नहीं निभा पाए नेता प्रतिपक्ष की भूमिका: गुरनाम चढूनी

कुरुक्षेत्र (हरियाणा), 13 अक्टूबर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा को इस बार कांग्रेस पार्टी की ओर से नेता प्रतिपक्ष नहीं बनाया जाना चाहिए, क्योंकि वे पिछले 10 साल के दौरान यह भूमिका सही रूप से नहीं निभा पाए। ये आरोप भाकियू अध्यक्ष एवं संयुक्त संघर्ष पार्टी के प्रमुख गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने लगाए। एक एजेंसी से बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इस चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा पर पूरी जिम्मेदारी छोड़ दी थी, लेकिन प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल नहीं बन पाया। कांग्रेस के पक्ष में जो माहौल बना वह किसानों ने ही बनाया था। इसके बावजूद हुड्डा ने किसानों को कोई तव्वजो नहीं दी। उन्हें ही नहीं किसी अन्य किसान को भी कहीं से टिकट नहीं दी। जबकि भाजपा किसानों के विरोध में पहले से ही रही है। ऐसे में किसान कहां जाए। यही कारण रहा कि वे चुनाव में उतरे तो वहीं हर्ष छिक्कारा व रमेश दलाल भी उतरे। चढ़ूनी ने आरोप लगाए कि हुड्डा ने किसी से समझौता नहीं होने दिया और ऐसी मनमानी के परिणाम सामने है।

डॉक्टरों की हड़ताल को एफएआईएमए ने दिया समर्थन

कोलकाता, 13 अक्टूबर। अखिल भारतीय चिकित्सा महासंघ (एफएआईएमए) ने रविवार को पश्चिम बंगाल के डॉक्टरों की हड़ताल के साथ एकजुटता दिखाई और सोमवार को देशभर के अस्पतालों में वैकल्पिक सेवाओं को बंद करने का आह्वान किया। एफएआईएमए देशभर के रेजीडेंट डॉक्टरों के संघों (आरडीए) का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था है। संगठन के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह फैसला एफएआईएमए की शनिवार को हुई बैठक के बाद लिया गया। हालांकि, इस संगठन ने सभी रेजीडेंट डॉक्टरों के संघों से अनुरोध किया है कि वे आपातकाली सेवाओं को चौबीस घंटे चालू रखें। एफएआईएमए ने कहा कि वे पश्चिम बंगाल के जूनियर डॉक्टरों के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़े हैं। एफएआईएमए ने एक खुले पत्र में कहा, विस्तृत चर्चा के बाद हमने सर्वसम्मति से फैसला लिया है कि अब राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट होना जरूरी है। हमने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को पहले पत्र में अल्टीमेटम दिया था। लेकिन संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई है। जिससे हमें यह अनुरोध करना पड़ा कि सभी रेजीडेंट डॉक्टरों के संघ और चिकित्सा संघ इस हड़ताल में हमारे साथ शामिल हों। यह खुला पत्र राष्ट्रीय चिकित्सा संघों, राज्य के रेजीडेंट डॉक्टरों के संघों और विभिन्न महाविद्यालयों तथा राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के रेजीडेंट डॉक्टरों को संबोधित है। पत्र में कहा गया, हालांकि हम सभी रेजीडेंट डॉक्टरों के संघों और संघों से अनुरोध करते हैं कि वे आपातकाली सुविधाओं को 24×7 चालू रखें, ताकि जिन्हें हमारी तत्काल सेवा की जरूरत है, वे परेशान न हों।

मुझे लगता है कि ईवीएम का दुरुपयोग होता है, चुनाव आयोग जवाब दे: कपिल सिब्बल

सौरभ र्मा

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने रविवार को कहा कि चुनाव आयोग को हाल ही में संपन्न हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों में ईवीएम को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए गए सवालों पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। सिब्बल ने कहा कि उनका मानना है कि चुनावों में ईवीएम का दुरुपयोग होता है। कांग्रेस ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना के दौरान ईवीएम में सामने आई विसंगतियों को लेकर कई शिकायतें सौंपी थीं। 20 विधानसभा क्षेत्रों के कांग्रेस उम्मीदवारों ने चुनाव आयोग को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाए हैं कि आठ अक्टूबर को मतगणना के दौरान कुछ ईवीएम की बैटरी 99 प्रतिशत चार्ज थीं। कांग्रेस के आरोपों को लेकर पूछे गए सवाल पर सिब्बल ने कहा, कांग्रेस ने ईवीएम के बारे में जो सवाल उठाए हैं, वह निर्वाचन आयोग को इसके सबूत दे रही है। मुझे इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन निर्वाचन आयोग को इस पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। मुझे लगता है कि ईवीएम का दुरुपयोग होता है, यह किस हद तक होता है, मुझे नहीं पता। कांग्रेस के पूर्व नेता ने कहा, मैं शुरू से ही इसके (ईवीएम के)

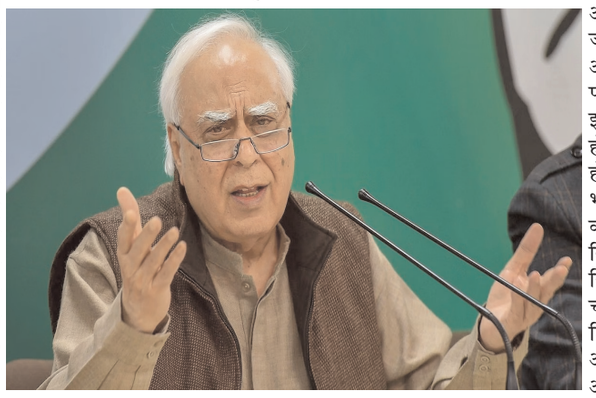

खिलाफ हूं। मैंने पहले भी कई बयान दिए हैं। जो अस्पष्ट है, उसे स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम को अप्रत्याशित बताते हुए कुछ सीट पर ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। वहीं कपिल सिब्बल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के विजयादशमी पर संबोधन पर भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भागवत के बयान और भारतीय जनता पार्टी की सरकार के जमीनी स्तर पर किये जा रहे कार्यों में बड़ा अंतर है। मोहन भागवत ने विजयादशमी पर अच्छा बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस देश में देवता बंटे हुए हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए, संत बंटे हुए हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए। यह विभिन्न धर्मों और भाषाओं का देश है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 के बाद समाज में कई विभाजन हुए हैं और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया तथा उन पर बुलडोजर चलाए गए। सिब्बल ने कहा कि लव जिहाद और फ्लड जिहाद की अवधारणाओं पर बात हो रही है।मैं आरएसएस से पूछना चाहता हूं कि जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो वह सवाल क्यों नहीं उठाता? लोग दूसरों की नागरिकता पर संदेह करते हैं। कई विवादास्पद बयान दिए जाते हैं, आरएसएस सवाल क्यों नहीं उठाता।

प्रधानमंत्री मोदी ने की सुक्खू सरकार की मदद, झूठे आरोपों पर माफी मांगे मुख्यमंत्री: जयराम ठाकुर

तेजिन्दर कौर बब्बर

शिमला, 13 अक्टूबर। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार हिमाचल की हर प्रकार मदद कर रही है। इसके बाद भी सरकार के मुख्यमंत्री और सभी छोटे-बड़े नेता मुक्त कंठ से केंद्र सरकार और केंद्रीय नेतृत्व को कोसने से बाज नहीं आ रहे हैं। हिमाचल सरकार दो बार समय से वेतन और पेंशन देने में नाकाम हुई। तीसरी बार भी ऐसे ही स्थिति आती लेकिन केंद्र सरकार द्वारा स्टेट टैक्स शेयर के 1479 करोड़ रुपए का एडवांस भुगतान हिमाचल प्रदेश के लिए किया गया जिसके चलते मुख्यमंत्री आज यह कहने की स्थिति में है कि वह दिवाली के पहले प्रदेश में कर्मचारियों को वेतन दे सकते हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार के इतने बड़े सहयोग के बाद भी मुख्यमंत्री सुक्खू और उनके मंत्रियों ने केंद्र सरकार के बारे में एक भी अच्छा शब्द नहीं कहा। इसलिए मुख्यमंत्री को शिष्टाचार दिखाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का आभार जताना चाहिए। इसके साथ ही केंद्र सरकार पर बार-बार सहयोग न करने का आरोप लगाने के लिए माफी भी मांगनी चाहिए। जयराम ठाकुर ने कहा कि सत्ता में आने के बाद से ही कांग्रेस द्वारा हर दिन किसी न किसी प्रकार का झूठ बोला जाता है। इस सरकार को कांग्रेस और सुख की सरकार के बजाय झूठ की सरकार कहना ही सही होगा। सुक्खू सरकार अपनी हर नाकामी को केंद्र के ऊपर थोपना चाहती है। हर दिन केंद्र सरकार द्वारा सहयोग न किए जाने का आरोप लगाती है। भाजपा नेताओं द्वारा हिमाचल का फंड रोकने का झूठ बोलती है। जबकि सच यह है कि हिमाचल प्रदेश को अधिक से अधिक सहयोग करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेता हमेशा केंद्र सरकार से आग्रह करते रहते हैं। जब भी जहां भी मौका मिलता हैं हिमाचल की भौगोलिक चुनौतियों का हवाला देकर हिमाचल के लिए अधिक से अधिक सहयोग करने की बात करते हैं। जिसका लाभ हिमाचल प्रदेश को मिलता रहता है। जयराम ठाकुर ने कहा कि पिछले महीने केंद्र सरकार से 92000 प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास हिमाचल प्रदेश को मिला है। आबादी के अनुपात में यह संख्या देश के बाकी राज्यों के मुकाबले कई- कई गुना ज्यादा है।

चाहे सीआईआरएफ के तहत मिलने वाला फंड हो या एनडीआरएफ के तहत मिलने वाला फंड हिमाचल प्रदेश के साथ किसी प्रकार का भेदभाव कभी नहीं हुआ। इसके पीछे भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा हिमाचल के हित में आवाज उठाना ही है। हमारे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा हिमाचल के हितों के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। प्रदेश में जो भी स्वास्थ्य का इंफ्रास्ट्रक्चर है उसमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का बहुत बड़ा योगदान है। इसके बारे में मुख्यमंत्री के मुंह से एक शब्द भी न फूटना शर्मनाक है। जयराम ठाकुर ने कहा कि पूरे देश में हिमाचल की छवि को कांग्रेस ने धूमिल करने का प्रयास किया है। मेहनतकश लोगों, शांतिप्रियता और विकासपरक पहचान के लिए जाना जाने वाला हिमाचल टॉयलेट टैक्स, खेल टैक्स, कर्मचारियों का वेतन पेंशन और इलाज का धन न मिलने के लिए सुर्खियों में है। कांग्रेस के वित्तीय कुप्रबंधन के कारण प्रदेश की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए प्रदेश के लोग कांग्रेस और मुख्यमंत्री को कभी माफ नहीं करेंगे। कांग्रेस द्वारा हिमाचल के विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने के लिए बोले गए हर एक झूठ, दी गई हर एक गारंटी का करारा जवाब हरियाणा के लोग कांग्रेस को दे चुके हैं। जब भी हिमाचल को मौका मिलेगा तो हिमाचल के लोग कांग्रेस की इस ठगी का ऐसा जवाब देंगे कि हिमाचल में कांग्रेस खोजने से भी नहीं मिलेगी। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर अपने विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर हैं।

अमेरिका में विश्वविद्यालय के निकट गोलीबारी, एक व्यक्ति की मौत, नौ घायल

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में टेनेसी स्टेट यूनिवर्सिटी के पास हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। पुलिस का हवाला देते हुए अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। पहले बताया गया था कि गोलीबारी में कई लोग घायल हुए हैं, लेकिन पीड़ितों या शूटरों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। पुलिस के अनुसार, यह संभवतः एक गोलीबारी थी, जिसमें कम से कम कई पीड़ित शामिल थे। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

ब्राज़ील में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में 6 लोगों की मौत

रियो डी जनेरियो। ब्राजील के दक्षिणपूर्वी राज्य मिनस गेरैस में एक अग्निशमन हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से छह लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट हेनरिक बार्सेलोस के अनुसार, हेलीकॉप्टर, जो से लापता था, सुबह ओरो प्रेटो शहर के पास पाया गया। जहाज पर चार अग्निशामक, एक नर्स और एक डॉक्टर सवार थे। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, चालक दल को एक छोटे विमान की खोज में सहायता के लिए भेजा गया था, जो ओरो प्रेटो के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

रूस के चेचन्या में गैस टैंक विस्फोट में चार की मौत

मॉस्को। रूस के चेचन्या के ग्रोज़्नी शहर में एक गैस स्टेशन पर गैस टैंक विस्फोट में दो बच्चों सहित चार लोगों की मौत हो गई। रूसी आपातकालीन मंत्रालय के स्थानीय कार्यालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है, रूसी आपातकालीन मंत्रालय के कर्मचारियों ने ग्रोज़्नी में आग बुझा दी है। दुर्भाग्य से, दो बच्चों सहित चार लोग मारे गए। संरचनाओं पर पानी डाला जा रहा है और उन्हें खोला जा रहा है।

स्पेसएक्स को पांचवीं स्टारशिप परीक्षण उड़ान के लिए संघीय मंजूरी मिलने की उम्मीद

वाशिंगटन। स्पेसएक्स ने कहा कि उसे इस सप्ताह के अंत में टेक्सास में अपने पांचवें स्टारशिप सुपर हेवी रॉकेट को प्रक्षेपित करने के लिए संघीय नियामक मंजूरी मिलने की उम्मीद है। यह परीक्षण उड़ान महत्वपूर्ण होगा क्योंकि यह बोका चिका, टेक्सास के लॉन्च पैड पर वापस लौटने पर स्टारशिप के पहले चरण के बूस्टर रॉकेट को रोकने का कंपनी का पहला प्रयास होगा। लॉन्च टावर में रोकने योग्य उपकरण हैं जिनका उपयोग रॉकेट को लॉन्च पैड पर उतरते ही रोकने के लिए किया जाएगा। कंपनी ने कहा, स्टारशिप अपने पांचवें उड़ान परीक्षण से पहले तैयार हो चुकी है। हमें उड़ान भरने के लिए नियामक मंजूरी की उम्मीद है। स्पेसएक्स द्वारा स्टारशिप अंतरिक्ष यान और इसके सुपर हेवी बूस्टर रॉकेट को चंद्रमा और मंगल ग्रह के बहु-ग्रहीय मिशनों के लिए पुनः उपयोग योग्य बनाने के लिए डिजाइन किया जा रहा है। कंपनी ने पहले कहा था कि रोकने की कोशिश तभी संभव होगी जब स्थितियां सही होंगी। अगर स्पेसएक्स लॉन्च टॉवर पर रोकने की कोशिश रद्द कर देता है, तो सुपर हेवी बूस्टर मैक्सिको की खाड़ी में लैंडिंग के प्रयास का अनुकरण करेगा अमेरिकी संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) ने मंगलवार को स्पुतनिक से कहा था कि कंपनी ने अपनी प्रस्तावित पांचवीं परीक्षण उड़ान के लिए अगस्त के मध्य में नई जानकारियां प्रस्तुत की है। प्रवक्ता ने कहा कि एफएए इन जानकारियों की समीक्षा कर रहा है और स्पेसएक्स द्वारा सभी लाइसेंस की आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद लाइसेंस निर्धारण किया जाएगा।

ईरान पर बड़ा साइबर अटैक, परमाणु संयंत्रों और तीनों सरकारी शाखाएं प्रभावित

नई दिल्ली। ईरान और इजराइल के मध्य चल रहे तनाव और जंग के बीच साइबर अटैक का बड़ा मामला सामने आया है। ईरान के परमाणु संयंत्रों और तीनों सरकारी शाखाओं पर एक बड़ा साइबर हमला हुआ है। ईरान इंटरनेशनल ने हुए इस हमले के बाबत ईरान के साइबरस्पेस की सर्वोच्च परिषद के पूर्व सचिव का हवाला देते हुए रिपोर्ट जारी किया है। हालांकि इस हमले के पीछे इजराइल का हाथ है कि नहीं यह स्पष्ट नहीं है लेकिन एक अक्टूबर के मिसाइल अटैक के बाद इसे जवाबी कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है। रिपोर्ट में ईरान की सुप्रीम काउंसिल ऑफ साइबरस्पेस के पूर्व सचिव फिरोजाबादी के हवाले से कहा गया है कि ईरान सरकार की लगभग हर शाखाएं विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका इस साइबर हमले से प्रभावित हुई हैं। इस घटना के बाद ईरान की कई महत्वपूर्ण जानकारियां चोरी हुई हैं।

ब्रिक्स की सैन्य संगठन बनने की कोई योजना नहीं : रूस

एजेंसी

मास्को। रूस ने कहा है कि ब्रिक्स कभी भी सैन्य संगठन नहीं रहा है और न ही बनने की योजना बना रहा है, भले ही इसके विपरीत कोई आरोप क्यों न लगाया गया हो। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा, ब्रिक्स सैन्य संगठन नहीं है, कभी नहीं रहा है और न ही बनने जा रहा है। ब्रिक्स एक अंतरराष्ट्रीय संगठन या एकीकरण संरचना भी नहीं है, बल्कि समान विचार वाले सदस्यों वाला एक बहुराष्ट्रीय संगठन है। द टाइम्स में सितंबर में प्रकाशित एक लेख (जिसमें सुझाव दिया गया था कि ब्रिक्स के विस्तार से नाटो को चिंतित होना चाहिए।) पर टिप्पणी करते हुए मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स एक बहु-विषयक रणनीतिक साझेदारी है, जो तीन स्तंभों (राजनीति और सुरक्षा, अर्थशास्त्र एवं वित्त और संस्कृति एवं मानवीय संबंध) पर टिकी हुई है। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है, ब्रिक्स भागीदारों के बीच संबंध समानता, आपसी सम्मान, खुलेपन, व्यावहारिकता, एकजुटता और सबसे महत्वपूर्ण बात किसी के विरोध न करने पर आधारित हैं। मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स का एक मुख्य उद्देश्य निष्पक्ष और बहुपक्षीय विश्व आर्थिक प्रणाली बनाना है। इसके साथ ही मंत्रालय ने कहा कि अपनी स्थापना के बाद से

ही इस ब्लॉक ने अंतरराष्ट्रीय कानून और सभी देशों की संप्रभुता के सम्मान के आधार पर अंतरराष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स का विस्तार विश्व अर्थव्यवस्था में बदलावों को दर्शाता है और अंतरराष्ट्रीय मामलों में विकासशील राज्यों की भूमिका को मजबूत करने में योगदान देता है। ब्रिक्स एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसकी स्थापना 2006 में की गई थी। रूस ने 01 जनवरी, 2024 को ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली। इस वर्ष की शुरुआत रूस, ब्राज़ील, भारत, चीन और दक्षिण अफ़्रीका के अलावा अब इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब शामिल हैं।

रूस की ब्रिक्स अध्यक्षता निष्पक्ष वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मज़बूत करने पर केंद्रित है। अपनी अध्यक्षता के हिस्से के रूप में रूस 200 से अधिक राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

दक्षिणी लेबनान में हिज़बुल्लाह के 50 लड़ाकों को मार गिराया गया : इज़रायली सेना

एजेंसी

यरुशलम। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा है कि उसने पिछले 24 घंटों में दक्षिणी लेबनान में आमने-सामने की मुठभेड़ों में हिजबुल्लाह के 50 आतंकवादियों को मार गिराया और वायु सेना के हमलों का निर्देशन दिया है। आईडीएफ ने कहा कि उसने उत्तरी इजरायल के इलाकों और सेना बलों को निशाना बनाकर भूमिगत सुरंग शाफ्ट, कई हथियार भंडारण बुनियादी ढांचे, रॉकेट लांचर, मोर्टार बम और एंटी-टैंक मिसाइलों सहित 200 से अधिक हिजबुल्लाह के लक्ष्यों को निशाना बनाया। बयान में कहा गया है कि इजरायली वायु सेना ने सीरिया-लेबनान सीमा पर भूमिगत सुविधाओं को निशाना बनाकर एक अभियान भी चलाया, जहां हिजबुल्लाह के हथियार संग्रहीत थे। इस बीच, इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में अपना अभियान जारी रखा, सैन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया और टैंक फायर, शॉर्ट-रेंज फायर तथा वायु सेना के हमलों के माध्यम से कई आतंकवादियों को मार गिराया।

लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हमले के विरोध में भारत, 34 देशों के संयुक्त बयान को दिया समर्थन

बेरुत। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) में अपने सैनिक भेजने वाले 34 देशों ने शांति सैनिकों पर इजरायली हमलों की निंदा करते हुए संयुक्त बयान जारी किया। भारत ने इस संयुक्त बयान को पूरा समर्थन देते हुए कहा है कि वह पूरी तरह इसके साथ है। भारत के 903 सैनिक यूएनआईएफआईएल के तहत लेबनान में तैनात हैं। इसराइल-लेबनान सीमा पर बिगड़ते हालात को लेकर भारत ने चिंता जाहिर करते हुए इसराइली कार्रवाई के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के बयान पर अपनी सहमति जताई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने एक्स पोस्ट में लिखा कि एक प्रमुख सैनिक योगदान देने वाले देश के तौर पर भारत, 34 सैन्य योगदान देने वाले देशों की तरफ से जारी संयुक्त बयान से पूरी तरह से सहमत है। शांति सैनिकों की सुरक्षा को सबसे अहम मानते हुए भारत ने कहा है कि इसे मौजूदा यूएनएससी प्रस्तावों के हिसाब से सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि दक्षिणी लेबनान में इजरायल-हिजबुल्लाह बीच चल रही जमीनी संघर्ष में नकौरा स्थित यूएनआईएफआईएल मुख्यालय पर भी हमले हुए।

लेबनान में इज़रायली हवाई हमलों में 13 की मौत, 36 घायल

एजेंसी

बेरूत। लेबनान के विभिन्न इलाकों में इजरायल की ओर से किये गये हवाई हमलों में 13 लोग मारे गए और 36 अन्य घायल हो गए। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी (एनएनए) ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि माउंट लेबनान के चौफ जिले के बारजा शहर में एक तीन मंजिला आवासीय इमारत को निशाना बनाकर किये गये इजरायली हवाई हमले में चार लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। इमारत नष्ट हो गई, जबकि पड़ोसी इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा।

एनएनए ने कहा कि हताहतों को सिबलिन सरकारी अस्पताल ले जाया गया। एनएनए के अनुसार इजरायल ने माउंट लेबनान के मैसरा गांव में एक और एक इमारत को निशाना बना कर हवाई हमला किया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए।

एनएनए ने कहा कि इजरायली वायु सेना ने उत्तरी गवर्नरेट के

बटरून जिले में एक नगरपालिका डेयर बिल्ला पर भी हमला किया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

इस बीच, लेबनानी सैन्य और नागरिक सुरक्षा सूत्रों ने नाम न बताने की शर्त पर चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने शाम दक्षिणी नबातिह शहर के वाणिज्यिक बाजार के केंद्र पर हमला किया, जिसमें पांच लोग घायल हो गए और 30 से अधिक दुकानें नष्ट हो गईं।

सैन्य सूत्रों ने कहा कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने पूर्वी लेबनान के बालबेक क्षेत्र के कई कस्बों और गांवों पर हवाई हमलों की एक श्रृंखला को अंजाम दिया, जिससे बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा।

वहीं, हिजबुल्लाह ने अलग-अलग बयानों में कहा कि उन्होंने रॉकेटों के साथ इजरायली स्थलों को निशाना बनाया, जिसमें कब्जे वाले सीरियाई गोलान हाइट्स में होमा बेस, माले गोलानी बैरक और करेन नफ्ताली में इजरायली सैनिकों का जमावड़ा शामिल है।

गौरतलब है कि इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह के साथ बढ़ते तनाव में 23 सितंबर से लेबनान में हवाई हमले तेज कर दिये हैं। लेबनान के मंत्रिपरिषद में आपदा जोखिम प्रबंधन इकाई द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि देश में इजरायली हमलों की शुरुआत के बाद से लेबनान में मारे गए लोगों की कुल संख्या 2,255 तक पहुंच गई, जबकि 10,524 अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 12 लाख लोग सुरक्षा की तलाश में विस्थापित हुए हैं।

जलवायु परिवर्तन : दो दिन में ऐसी बारिश, बंजर रेगिस्तान भी बना झीलों का घर; मोरक्को में 50 साल बाद भरी इरिकी झील

एजेंसी

यरुशलम। दुनिया के सबसे सूखे और बंजर क्षेत्र माने जाने वाले अफ्रीका के सहारा रेगिस्तान में 50 साल बाद ऐसी भारी बारिश हुई कि यह जगह हरियाली से भर उठी है। महज दो दिन की बारिश में आमतौर पर बंजर रेत के टीले अब पानी की चादरों के नीचे डूबे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार जलवायु परिवर्तन और असामान्य मौसम परिस्थितियों के चलते ऐसी स्थिति बनी है। नासा ने सैटेलाइट के जरिये सहारा की रेत, आसपास के प्राचीन महलों और रेगिस्तानी वनस्पतियों से बहते पानी की शानदार तस्वीरें कैद की हैं। ताड़ के वृक्षों और रेत के टीलों के बीच अब यह नीले लैगून सा नजर आ रहा है। मोरक्को की इरिकी झील भी 50 साल बाद पानी से पूरी तरह लबालब है। इससे पहले सहारा रेगिस्तान में 1974 में 6 साल के सूखे के बाद बारिश हुई थी जो बाद में बाढ़ में बदल गई थी। दक्षिण-पूर्वी मोरक्को में पूरे साल औसतन 250 मिमी से भी कम बारिश होती है। मगर, सितंबर में ही कई इलाकों में पिछले दो दिनों में असामान्य बारिश हुई है। सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक टाटा में बारिश के बाद अद्भुत नजारा दिख रहा है। वहीं, राजधानी रबात से करीब 450 किमी दूर दक्षिण स्थित तगौनिट गांव में 24 घंटों में 100 मिमी बारिश हो चुकी है।

यूक्रेन ने कुर्स्क क्षेत्र में 400 सैनिक खोय: रूस

कीव/मास्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटों के दौरान यूक्रेनी सशस्त्र बलों के 400 से अधिक सैनिक मारे गए हैं और उनके 18 बख्तरबंद वाहन नष्ट हो गए हैं, जिसमें छह टैंक, दो पैदल सेना के लड़ाकू वाहन और 10 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन शामिल हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 24 घंटों के दौरान एएफयू के नुकसान में 400 से अधिक सैनिक, 18 बख्तरबंद वाहन शामिल हैं, जिनमें छह टैंक, दो पैदल सेना के लड़ाकू वाहन, 10 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, साथ ही चार आर्टिलरी गन, दो मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर (अमेरिका निर्मित एचआईएमएआरएस एमएलआरएस और चेक गणराज्य-निर्मित वैम्पायर एमएलआरएस लॉन्चर), चार मोर्टार, एक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध स्टेशन और 14 मोटर वाहन शामिल हैं। सात एएफयू सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया। रूस के विमानन और तोपों ने कुर्स्क क्षेत्र के 19 जिलों में 11 यूक्रेनी ब्रिगेड से संबंधित जनशक्ति और उपकरणों के समूहों के साथ-साथ सुमी क्षेत्र के 13 जिलों में सात ब्रिगेड के साथ तैनात यूक्रेनी रिजर्व बलों के समूहों को भी निशाना बनाया।

बयान में कहा गया है,सेना के विमानन और तोपों की गोलाबारी ने 21वीं, 22वीं, 47वीं और 61वीं मशीनीकृत ब्रिगेड, 17वीं टैंक ब्रिगेड, 82वीं और 95वीं के ब्रिगेड, प्रथम राष्ट्रीय गार्ड ब्रिगेड के साथ ही यूक्रेन के सशस्त्र बलों की 103वीं, 112वीं और 129वीं प्रादेशिक रक्षा ब्रिगेड के जनशक्ति और हार्डवेयर के समूहों को निशाना बनाया, जो व्लादिमीरोव्का, डारिनो, कोलमाकोव, कोझाच्या लोकन्या, ल्यूबिमोव्का, लेबेदेवका, मलाया लोकन्या, मार्टीनोव्का, मखनोव्का, निकोलायेवो-डारिनो, नोवी पुट, नोवोइवानोव्का, ओरलोव्का, प्लेखोवो, स्वेर्दलिकोवो, सुदझा, टॉल्स्टी लुग और चेरकास्कोए पोरेचनोये के करीब हैं।

श्रीलंका में दोबारा खोले जाएंगे पुराने हाई-प्रोफाइल मामले, दिसानायके सरकार ने जारी किया फरमान

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका की नई सरकार अब कुछ पुराने हाई-प्रोफाइल मामलों को लेकर सख्त होती हुई दिख रही है। दिसानायके सरकार ने पुलिस को एक बार फिर इन मामलों की जांच करने के आदेश दिए है। इन मामलों में सबसे प्रमुख रूप से 2019 ईस्टर संडे आतंकी हमले और 2005 में तमिल अल्पसंख्यक समुदाय के पत्रकार की हत्या शामिल है। बता दें कि पिछले महीने राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाली सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पावर ने पिछले मामलों की फिर से जांच करने का वादा किया था।

पुलिस प्रवक्ता ने दी जानकारी

श्रीलंकाई सरकार के इस आदेश के बाद पुलिस प्रवक्ता निहाल थलदुवा ने जानकारी देते हुए कहा कि मंत्रालय ने कार्यवाहक पुलिस प्रमुख से कहा है कि इन मामलों की फिर से जांच की जानी चाहिए। जिन मामलों की फिर से जांच की जानी है, उनमें 2015 में सेंट्रल बैंक बॉन्ड जारी करने में कथित घोटाला शामिल है, जिसके लिए तत्कालीन राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की सरकार को दोषी ठहराया गया था, और 2019 ईस्टर संडे आतंकी हमले जिसमें 11 भारतीयों सहित 270 से अधिक लोग मारे गए थे।

इन मामलों के मिलेगी प्राथमिकता

इसके साथ ही पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि कैथोलिक चर्च ने उन हमलों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है, जिनका आरोप है कि पिछली सरकारों ने राजनीतिक रूप से प्रेरित कवर-अप किया था। जिन अन्य मामलों की जांच की जानी है।

इसमें 2005 में तमिल अल्पसंख्यक समुदाय के पत्रकार डी शिवराम की हत्या और 2006 में एक तमिल अल्पसंख्यक शिक्षाविद का अपहरण और लापता होना शामिल है, जो उस समय पूर्वी विश्वविद्यालय का प्रमुख था। उत्तरी राजधानी जाफना में 2011 में दो राजनीतिक पार्टी कार्यकर्ताओं का लापता होना भी सूची में है।

ईरान ने इजरायल पर हमास के हमले से ईरान को जोड़ने के दावों को किया खारिज

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने हमास की ओर से सात अक्टूबर 2023 की इजरायल की सीमा में घुसकर और गाजा पट्टी से बड़े पैमान पर रॉकेट दागकर किये गये हमले से ईरान को जोड़ने के दावे को खारिज किया है। ईरान की आधिकारिक न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी मिशन ने हमास द्वारा गत वर्ष 07 अक्टूबर को इजरायल पर किए गए हमले से ईरान को जोड़ने के दावों को खारिज कर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक बयान में, ईरानी मिशन ने हमास की गुप्त बैठकों के मिनटों तक पहुंच के इजरायल के दावे के बारे में द न्यूयॉर्क टाइम्स और द वॉल स्ट्रीट जर्नल के सवालों का जवाब दिया, जिसमें कथित तौर पर संकेत दिया गया था कि ईरान को गत वर्ष 07 अक्टूबर के हमले के लिए समूह की योजना के बारे में सूचित किया गया

था। मिशन ने कहा, ÷जबकि (कतर की राजधानी) दोहा में स्थित हमास के अधिकारियों ने घोषणा की है कि उन्हें अभियान के बारे में कोई जानकारी नहीं थी और केवल गाजा में स्थित हमास की सैन्य शाखा ही अभियान की योजना बनाने, निर्णय लेने और निर्देशन के लिए जिम्मेदार थी, ऐसे में अभियान को आंशिक रूप से या पूरी तरह से ईरान या हिजबुल्लाह से जोड़ने का कोई भी दावा अमान्य है और यह फर्जी दस्तावेजों पर आधारित है।

गौरतलब है कि न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में दावा था कि 07 अक्टूबर 2023 के हमले की साजिश दो साल तक रची गई। इसे 2022 में ही अंजाम देना था, लेकिन इस हमले में साथ देने के लिए हमास को ईरान और हिजबुल्लाह को मनाने में लगा रहा, जिस कारण देरी हुई है। इजरायली मिलिट्री की ओर से जनवरी में गाजा से जब्त किए गए एक कंप्यूटर में इसकी डिटेल आई है। उल्लेखनीय है कि हमास ने 07 अक्टूबर, 2023 को इजरायल की सीमा में घुस कर और गाजा पट्टी से बड़े पैमाने पर रॉकेट दागकर हमला किया था, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे। इस दौरान हमास के लड़ाकों ने लगभग 250 बंधक बना लिया था। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में इज़राइली सेना गाजा में बड़े पैमाने पर हमला कर रही है।

इजराइल से तनाव के बीच ईरान के राष्ट्रपति की रूसी समकक्ष पुतिन से मुलाकात

एजेंसी

अश्गाबात (तुर्कमेनिस्तान)। इजराइल से तनाव से बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने आज यहां रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात की। दोनों राष्ट्राध्यक्ष तुर्कमेनिस्तान में 18वीं सदी के कवि मखतुमघोली फरागी की 300वीं जयंती पर आयोजित समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। ईरान की सरकारी संवाद समिति इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी के अनुसार राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इस सांस्कृतिक मंच से कहा कि एकता का आह्वान मुस्लिम समुदाय तक ही सीमित नहीं है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को तत्काल एकजुट होना चाहिए, क्योंकि वैश्विक एकपक्षवाद के घटक विश्व समुदाय के बीच सह अस्तित्व के लिए खतरा बने हुए हैं। उन्होंने ईरान और तुर्कमेनिस्तान के बीच लंबी सीमाओं का जिक्र किया। पेजेशकियन ने दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण और भाईचारे वाले संबंधों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ईरानी इतिहास, साहित्य और

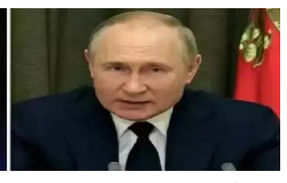

संस्कृति के महत्वपूर्ण हिस्से मध्य एशियाई सभ्यता से अत्यधिक जुड़े हुए हैं। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान और मध्य एशिया में इस्लाम की उपस्थिति और इस्लामी प्रथाओं के प्रसार के साथ-साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मध्य एशिया में ईरानी लोगों और जातीय समूहों के बीच भाषाई समानता ने हमारी साझा सभ्यता को समृद्ध किया है। रूस की सरकारी समाजार एजेंसी तास ने कहा है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तुर्कमेनिस्तान के चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में फरागी की जयंती पर आयोजित समारोह में हिस्सा लेंगे। वह इस मौके पर शांति और विकास का आधार पर व्याख्यान देंगे। पुतिन अपनी ऑरस कार से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। उनकी अगवानी तुर्कमेनिस्तान समकक्ष सर्दार बर्दिमुहामेदोव ने की। पुतिन जयंती समारोह के समापन सत्र को संबोधित करेंगे। समारोह में आर्मेनिया, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, मंगोलिया, पाकिस्तान, रूस, उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति और तुर्किये संसद के अध्यक्ष भी संबोधित करेंगे।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

ब्रिटेन के पूर्व पीएम बोरिस जॉनसन हुए प्रधानमंत्री मोदी के मुरीद, कहा- उनमें विचित्र तरह की सूक्ष्म ऊर्जा

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अपनी किताब अनलीशेल्ड में पीएम मोदी की तारीफ की है। पीएम नरेंद्र मोदी से पहली मुलाकात का जिक्र करते हुए उन्होंने लिखा है कि पीएम मोदी में विचित्र तरह की सूक्ष्म ऊर्जा है। उन्होंने भारत-ब्रिटेन के संबंधों को लेकर लिखे एक अध्याय में जिक्र किया कि भारत के साथ ब्रिटेन के मुक्त व्यापार समझौते के लिए मोदी सरीखे मित्र की जरूरत थी। जोकि उन्हें पहली मुलाकात के दौरान महसूस हुआ। अपनी किताब में ब्रिटेन और भारत नामक अध्याय में जॉनसन ने लिखा कि 201 2 में जब वह लंदन के मेयर थे तो भारत में महापौर व्यापार प्रतिनिधिमंडल सम्मेलन में आए। इस दौरान ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने उनको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से न मिलने के लिए कहा था, क्योंकि वे हिंदू राष्ट्रवादी नेता थे। इसके कुछ साल बाद जब वह मोदी से सिटी हॉल कार्यालय के बाहर मिले तो कुछ अजीब का महसूस हुआ।

जॉनसन ने किताब में लिखा है कि पीएम मोदी ने मेरा हाथ उठाया और हिंदी में कुछ बोला, मगर मुझे वह समझ न आया। उनसे हाथ मिलाने के दौरान मुझे विचित्र सूक्ष्म ऊर्जा का अहसास हुआ। मुझे लगता है कि वह परिवर्तन-निर्माता हैं जिनकी हमारे रिश्ते को ज़रूरत है।

बोरिस जॉनसन ने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद जब वह 2022 में प्रधानमंत्री के तौर पर भारत आए थे तो उनका स्वागत बेहद यादगार था। वह लिखते हैं कि मैं सारा इतिहास और संवेदनशीलता जानता था। मैं युद्ध के बाद भारत के पश्चिम के साथ गुटनिरपेक्षता के कारण और मास्को के साथ अटूट रिश्ते के बारे में जानता था। मैं रूसी हाइड्रोकार्बन पर चीन की तरह भारतीय निर्भरता को भी समझता हूं। रूस-चीन को लेकर उन्होंने लिखा कि मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या यह बदलाव, पुर्नविचार का समय नहीं था। क्या भारत इस निरंकुश जोड़ी के साथ जुड़ना चाहता था। पुस्तक के एक अन्य खंड में उन्होंने इतिहास और इतिहास-निर्माताओं के बारे में अपने गहन व्यक्तिगत ज्ञान के लिए दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की भरपूर प्रशंसा की।

मैक्रों ने इजरायल के खिलाफ हथियार प्रतिबंध को मध्य पूर्व में लड़ाई रोकने का एकमात्र उपाय कहा

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि मध्य पूर्व में लड़ाई रोकने का एकमात्र उपाय इजरायल को हथियार आपूर्ति से वंचित करना है, जिसका उपयोग वह गाजा पट्टी और लेबनान में लड़ाई जारी रखने के लिए करता है। मैक्रों ने साइप्रस में यूरोपीय संघ के भूमध्यसागरीय सदस्य-देशों के एक एमईडी9 शिखर सम्मेलन में कहा कि फ़्रांस ने इन युद्ध क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले हथियारों के निर्यात को रोकने का आह्वान किया है। यहां के अन्य नेताओं ने भी ऐसा ही किया है। हम सभी जानते हैं कि यही एकमात्र उपाय है जो आज इस लड़ाई को रोक सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका मतलब इजरायल के पूर्ण निरस्त्रीकरण से नहीं है, क्योंकि वह अभी भी सुरक्षा जोखिमों के अंतर्गत है। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को, गाजा पट्टी को नियंत्रित करने वाले हमास आंदोलन ने इज़रायल पर हमला किया, जिसका जवाब इजरायल ने जमीनी घुसपैठ के साथ जवाबी कार्रवाई के साथ दिया और यह संघर्ष दशकों में फिलिस्तीनी क्षेत्र में सबसे बड़े सशस्त्र संघर्ष में परिवर्तित हो गया। लेबनान स्थित हिजबुल्लाह आंदोलन गाजा पट्टी के खिलाफ आक्रामकता रोकने की मांग करते हुए सीमा पार से इजरायल में रॉकेट से हमला कर रहा है।

‘आप’ सरकार केवल प्रचार, प्रसार और भ्रष्टाचार में लिप्त : बांसुरी स्वराज

एजेंसी
नई दिल्ली। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने दिल्ली की खराब आर्थिक हालत के लिए आप सरकार और नेताओं पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि दिल्ली की अर्थव्यवस्था के विध्वंस के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार, पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और वर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी पूरी तरह जिम्मेदार है। उन्होंने इस पूरे मामले की कैग से जांच करवाने की भी मांग की है। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए बांसुरी स्वराज ने कहा कि दिल्ली फाइनेंस डिपार्टमेंट की जो रिपोर्ट आई है, उससे यह स्पष्ट हो गया है कि दिल्ली की अर्थव्यवस्था के विध्वंस के लिए अरविंद केजरीवाल, आम आदमी पार्टी की सरकार और मुख्यमंत्री आतिशी पूरी तरह जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि आतिशी दिल्ली की मुख्यमंत्री होने के साथ ही वित्त मंत्री भी हैं।भाजपा सांसद ने आगे कहा कि ये बहुत ही अचंभे की बात है कि 31 साल में पहली बार दिल्ली का बजट घाटे में है और यह घाटा भी छोटा-मोटा नहीं है बल्कि दिल्ली 7 हजार करोड़ रुपए के घाटे में है।इसका अर्थ यह हुआ कि दिल्ली में खर्च, दिल्ली की आय से ज्यादा हो रहा है। ये घाटा जानबूझकर किया गया है। बजट पेश करते समय आतिशी ने यह दावा किया था कि दिल्ली के पास सरप्लस यानी फालतू पैसा है लेकिन आवश्यक कार्यों से जुड़े जरूरी खर्चों का बजट में प्रावधान ही नहीं किया गया क्योंकि आप सरकार झूठ बोलकर यह भ्रम फैलाना चाहती थी कि दिल्ली सरकार के पास सरप्लस पैसा है।

दिवाली और छठ पूजा के लिए दस रूटो पर चलेंगी अतिरिक्त रोडवेज बस

गुरुग्राम। गुरुग्राम में दिवाली पर घर जाने वाले रोडवेज यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। दिवाली से तीन दिन पहले यानी 29 अक्टूबर से रोडवेज भीड़ वाले दस से अधिक रूटों पर अतिरिक्त बसों का संचालन करने जा रहा है। रोडवेज अधिकारियों का कहना है कि त्योहारी सीजन में बसों में भीड़ बढ़ती जा रही है और दिवाली के बाद भैयादूज भी है। जिससे यात्रा करने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस बार दिवाली एक नवंबर को है और त्योहार की तैयारी में यात्रियों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है। रोडवेज ने अतिरिक्त बसें चलाने की योजना बनाई है, ताकि सभी यात्रियों को उनके गंतव्यों तक पहुंचने में कोई कठिनाई न हो। महाप्रबंधक ने रोडवेज के सभी कर्मचारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। गुरुग्राम डिपो से आगरा, मुरादाबाद, चंडीगढ़, भिवानी, सिरसा और जींद जैसे रूटों पर यात्रियों की संख्या ज्यादा होने पर अतिरिक्त बसें भेजी जाएंगी। जानकारी के अनुसार, गुरुग्राम डिपो में लगभग 170 बसों का संचालन किया जा रहा है। दिवाली और छठ पूजा के लिए अतिरिक्त बसों को भी तैयार किया गया है।दिवाली पर अपने परिवारों के साथ त्योहार मनाने के लिए लोग दूसरे प्रदेशों से आ रहे हैं, लेकिन कंफर्म टिकट नहीं मिलने की वजह से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में रोडवेज का यह कदम उन्हें राहत देगा। ट्रेन टिकटों में वेटिंग के कारण कई लोग तत्काल टिकट बुक करने की योजना बना रहे हैं।

यति नरसिंहानंद समर्थक महापंचायत पर आमादा, पुलिस ने शामिल होने वालों पर दर्ज होगा मुकदमा

गाजियाबाद। हिंदू संगठन और डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद के समर्थक आज महापंचायत करने पर अड़े हैं और प्रशासन ने पंचायत की परमिशन नहीं दी है। जिले में धारा-163 (पहले की धारा-144) लागू है। यति समर्थक लगातार सोशल मीडिया के जरिए पंचायत में पहुंचने का आह्वान कर रहे हैं। दूसरी ओर पुलिस सख्त कार्रवाई की बात कह रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सिर्फ आयोजकों पर नहीं बल्कि पंचायत में पहुंचने वाले सभी लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। लोनी के भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने आधी रात को डासना मंदिर पहुंचकर देवी की दर्शन करते हुए एक वीडियो एक्स पर जारी किया है। उन्होंने इस वीडियों के साथ लिखा है कि डासना देवी मंदिर पहुंचकर मां का आशीर्वाद लिया। मां से प्रार्थना की कि सभी में एकता हो, लोग भाषा, जाति, क्षेत्र से ऊपर उठकर सनातन के मजबूत सिपाही बनें।

शेयर बाजार में मोटा मुनाफा दिलाने के नाम पर ठग लिए 94 लाख रुपये

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-44 निवासी एक युवक से ठगों ने शेयर बाजार में निवेश कराने के नाम पर लगभग 94 लाख रुपये की ठगी कर ली। निवेश के बाद पीडित ने अपने रुपये निकालने चाहे तो आरोपियों ने उन्हे विभिन्न टैक्स और अन्ख खर्चों के नाम पर ओर रुपयों की मांग की। इस पर पीडित ने रुपये देने से इंकार किया तो आरोपियों ने उनकी रुपये फ्रिज कर दिए। जिसके बाद पीडित को ठगी का अहसास हुआ। इस मामले में पीडित ने नोएडा साइबर थाने में ठगी की शिकायत की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार नोएडा सेक्टर- 44 में रहने वाले सुनील खांडेकर ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत करते हुए बताया कि उन्हें शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर 94 लाख 76 हजार रुपये ठग लिए गए। यह घटना तब शुरू हुई जब सुनील को व्हाट्सऐप पर एक संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें उन्हें मोटा मुनाफा दिलाने का आश्वासन दिया गया। ठगों ने खुद को स्काईरिम कैपिटल स्टॉक ट्रेडिंग कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए सुनील से संपर्क किया।

हरियाणा सरकार में 25 हजार नौकरियों के परिणाम जल्द घोषित होंगे : नायब सिंह सैनी

एजेंसी
नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहाकि हमारी सरकार युवाओं के कल्याण के लिए सदैव अग्रणी रही है और इसी कड़ी में 25 हजार पदों की भर्ती के परिणाम बहुत जल्दी घोषित किए जा रहे हैं और जल्द ही ज्वाइनिंग लेटर भी जारी कर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हमने पिछले 10 वर्षों में बिना पर्ची व खर्ची की सरकार को चलाया है और युवाओं व उनके अभिभावकों ने हम पर तीसरी बार विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि पिछले कार्यकाल के दौरान जबसे मुझे मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेवारी मिली तब मैंने 50 हजार युवाओं को नई नौकरी देने की बात कही थी और इन 50 हजार में

से 15 हजार युवाओं को पिछले कार्यकाल में ज्वाइनिंग लेटर दे दिए गए थे। उन्होंने कहा कि जब हम 25 हजार युवाओं को ज्वाइनिंग लेटर देने के लिए तैयार थे तब विपक्ष कोर्ट में चला गया और चुनाव आयोग को भी पत्र लिखा कि अभी चुनाव के दौरान यह परिणाम नहीं निकल सकते। इस संबंध में चुनाव आयोग ने पत्र जारी किया कि जब तक चुनाव नहीं हो तब तक परिणाम घोषित नहीं किये जाएं। उन्होंने कहा कि तब मैंने घोषणा की थी कि मैं शपथ बाद में लूंगा और युवाओं के नौकरी के ज्वाइनिंग लेटर पहले जारी होंगें। उन्होंने कहा कि यह परिणाम आज रात या कल तक जारी कर दिए जाएंगें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं की हितैषी सरकार है और हम युवाओं के कल्याण के लिए लगातार कार्य करते रहे है और उन्हें आगे बढ़ाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पार्टी पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने युवाओं के सपनों को चूर-चूर करने का काम किया और परिणाम घोषित करने में पाबंदी लगवाई। उन्होंने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह में हम इन सभी युवाओं और उनके परिवारों को आमंत्रित करेंगें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश और प्रदेश को विकास के पथ पर लगातार गति देने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी दिशा में युवाओं को हमारी सरकार रोजगार देने का काम करेंगी।

हरियाणा का युवा नौकरी देने वाला बनें:
सीएम ने कहा कि हरियाणा में डबल इंजन की सरकार काम कर रही है, जिसके अंतर्गत स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया व प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसे कई कार्यक्रम के तहत युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने का काम लगातार जारी है ताकि वे अपना व अपने परिवार को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि हम चाहते है कि हरियाणा का युवा नौकरी देने वाला बनें और इस संबंध में हम नीतियां निर्धारित करते रहेंगें।

पंजाब-हरियाणा में पराली जलने से रोकने को तैनात की गईं 26 केंद्रीय टीम, सख्त कार्रवाई के आदेश

नई दिल्ली। हरियाणा और पंजाब में पराली को जलाए जाने से रोकने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) विशेष प्रयास कर रहा है। उसने 26 केंद्रीय टीमों को दोनों राज्यों के हॉटस्पॉट वाले जिलों में तैनात किए हैं। ये टीमें जिला प्रशासन के संपर्क में रहेंगी। ताकि धान की कटाई के बाद बगैर पराली जलाए उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से बेहतर निस्तारण किया जा सके।
सीएक्यूएम के अनुसार, पराली का खेत में ही निस्तारण या किसी दूसरी जगह ले जाकर प्रबंधन करना होगा। इसके अलावा पराली जलाने की घटनाओं की रोकथाम की निगरानी व समन्वय के लिए चंडीगढ़ में एक धान पराली प्रबंधन प्रकोष्ठ का गठन होगा।

कांग्रेस ने बाबा सिद्दीकी की हत्या पर जताया शोक

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल तथा संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजित गुट के नेता तथा राज्य के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि यह वारदात महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करती है।

गौरतलब है कि हमलावरों ने कल देर रात श्री सिद्धिकी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इनमें दो हमलावरों को पकड़ लिया गया है। श्री खरगे ने कहा, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी का दुखद निधन शब्दों से परे स्तब्ध करने वाला है। दुख की इस घड़ी में मैं उनके परिवार, दोस्तों और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए और महाराष्ट्र सरकार को गहन और पारदर्शी जांच का आदेश देना चाहिए। दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिले और जवाबदेही सर्वोपरि है। श्री वेणुगोपाल ने कहा, बाबा सिद्दीकी की हत्या से स्तब्ध और

आक्रोशित हूँ। सिद्दीकी ने समर्पण के साथ लोगों की सेवा की और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत की। उनका निधन मुंबई और महाराष्ट्र के लोगों के लिए एक बड़ी क्षति है। यह घटना महाराष्ट्र की चरमराती कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। सिद्दीकी ने कई मौकों पर अधिकारियों को अपने जीवन के खतरों के बारे में सूचित किया था और वाई प्लस सुरक्षा के बावजूद उनकी हत्या की गई। यह गोलीबारी भीड़भाड़ वाले बाजारों के बीच सड़क पर हुई और इससे पता चलता है कि महाराष्ट्र में अपराधियों को अब कानून का डर नहीं रहा। यहां तक ??कि सत्तारूढ़ गठबंधन के नेता भी अब राजधानी में सुरक्षित नहीं हैं। सत्तारूढ़ शासन को जवाब देना होगा-जब सार्वजनिक हस्तियां सुरक्षित नहीं हैं तो आम नागरिक कैसे सुरक्षित महसूस करेंगे। श्री खेड़ा ने कहा, ÷बाबा सिद्दीकी की हत्या के बारे में सुनकर स्तब्ध हूं, शब्दों से परे। श्री सुनील दत्त के साथ मेरी उनसे पहली मुलाकात 1999 में हुई थी। उनका यूं चले जाना व्यक्तिगत क्षति है।

रोजगार के लिये विनिर्माण के काम को लघु स्तर पर फैलाया जाये: हुकुमदेव नारायण

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री हुकुमदेव नारायण यादव ने कहा कि रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिये देश में विनिर्माण उद्योग को लघु स्तर पर फैलाने की जरूरत पर बल दिया। श्री हुकुमदेव नारायण ने इसी संदर्भ में देश में भारत में डिजिलट क्रांति की सफलता में जनभागीदारी का उल्लेख किया। पद्मभूषण से सम्मानित छह बार के सांसद और दो बार के मंत्री रहे श्री हुकुमदेव नारायण ने डिजिटल क्रांति की सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में घर-घर पहुंची बिजली पहुंचाने के कार्यक्रम की सफलता को दिया। उन्होंने कहा कि ‘गांव-गांव, घर-घर, हर झोपड़ी तक बिजली की सुविधा पहुंचाने के उनके अभियान से आज गांव-गांव में लोग डिजिटल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल का लाभ उठा रहे हैं। वह यहां एक स्टार्टअप अर्थब्वॉय इकोफ्रेंडली आरओ सिस्टम्स प्रा.लि. द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के लिये बिना बिजली से चलने वाले एक आरओ यंत्र के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने भारत में विनिर्माण का काम बड़ी संख्या में लोगों द्वारा किये जाने की जरूरत पर बल देते हुये

समाजवादी चिंतक दिवंगत डॉ राममनोहर लोहिया के उस समय के इस आग्रह का उल्लेख किया कि विदेश से बड़ी-बड़ी मशीनें मंगानी हों तो मगायी जायें, पर उसके साथ- साथ तकनीक भी मंगायी जायें। विदेश से मंगायी गयी मशीन का रुपांतर कर छोटी-छोटी मशीनें बनायी जायें, ताकि उन रुपांतरित मशीनों को बड़ी संख्या में लोगों के हाथ में पहुंचा कर बड़ा उत्पादन किया जा सके। उन्होंने कहा, लोहियाजी का यह विचार गांधीजी के ग्राम स्वराज और चरखा आंदोलन का समय के अनुसार आधुनिकीकरण है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी विकास को विरासत से जोड़ने पर बल देते हैं, जो पुरातन को नित नूतन बनाते रहने की हमारी सनातन परंपरा के अनुरूप है। प्रधानमंत्री का रिफार्म (निरंतर सुधार), परफॉर्म (क्रियान्वयन) और ट्रांसफार्म (जो सुधारने लायक न हो उसे नष्ट कर नव निर्माण) सनातन के दर्शन से मेल खाता है। लोहियाजी की आज पुण्यतिथि है, जिनका निधन 12 अक्टूबर 1967 को विजयादशमी के दिन हुआ था। अर्थब्वॉय आरओ के प्रमुख शैलेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि स्वच्छ जल ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का भी हक है । कार्यक्रम को वरिष्ठ पत्रकार एवं संसद टीवी के संवाददाता मनोज वर्मा, पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले ग्रीनमैन के नाम से विख्यात पर्यावरणविद ट्री ट्रस्ट ऑफ इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष विजयपाल बघेल, गैर सरकारी संगठन वाटर डाइजेस्ट की उपाध्यक्ष नेहा और उद्यमी तेजवीर सिंह भाटी ने संबोधित किया।

रामराज्य की अवधारणा से प्रेरणा लेकर हम दिल्ली में चला रहे हैं सरकार : अरविंद केजरीवाल

एजेंसी
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने भगवान वाल्मिकी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और स्थानीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने गदा देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने रावण दहन का मंत्रमुग्ध कर देने वाला मंचन देखा। उन्होंने कहा कि भगवान राम के रामराज्य की अवधारणा पर चलकर हम दिल्ली में अपनी सरकार चला रहे हैं। रामराज्य से प्रेरणा लेकर आज हम दिल्ली में अमीर-गरीब हर तबके को मुफ्त बिजली, अच्छी शिक्षा, इलाज, महिलाओं को बस यात्रा, बुजुर्गों को तीर्थयात्रा की सुविधा दे रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भगवान श्रीराम के जीवन से हम सब लोगों को प्रेरणा लेनी है। रामायण, रामचरितमानस हमारी हिंदू संस्कृति और हमारी भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। मुझे याद है कि जब मैं छोटा बच्चा था तो हर साल रामलीला होती थी और मेरे मम्मी-पापा हर रोज हमें रामलीला दिखाने लेकर जाते थे। हम रोज पूरी रामलीला देखकर आते थे। इसलिए एक तरह से हमें पूरी रामायण अच्छे से याद थी। आप सब लोग भी अपने-अपने बच्चों को रामलीला देखने जरूर लाया करें और पूरी रामलीला दिखाया करें। यह हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भगवान श्रीराम के जीवन से हमें बहुत प्रेरणा मिलती है। भगवान श्रीराम ने अपने पिता के कहने पर सारा राजपाट छोड़ दिया, जबकि अगली सुबह उनका राज्याभिषेक होने वाला था। रात को उनके पिता दशरथ और माता कैकई ने बुलाया और माता कैकई ने कहा कि कल सवेरे आप 14 वर्ष के लिए वनवास चले जाओ। कोई और होता तो कहता कि मैं नहीं जाता लेकिन भगवान श्रीराम ने दो मिनट नहीं लगाए और अगले दिन उन्होंने हंसते-मुस्कुराते हुए वनवास के लिए प्रस्थान कर दिया। भगवान राम के जीवन के कई ऐसे प्रसंग हैं जिससे हमें प्रेरणा मिलती है।

केजरीवाल ने आगे कहा कि रामराज्य की अवधारणा से प्रेरणा लेकर और भगवान श्रीराम के आशीर्वाद से हम दिल्ली की अपनी सरकार चलाने की कोशिश करते हैं। दिल्ली में हर गरीब से गरीब बच्चे को भी अच्छी शिक्षा मिले और चाहे कोई अमीर हो या गरीब हो, सभी को अच्छा इलाज मिले। दिल्ली में सभी को बिजली मुहैया हो। चाहे कोई गरीब हो उसे भी फ्री बिजली मिल रही है। पहले लंबे-लंबे पावर कट लगते थे, आज 24 घंटे बिजली मिलती है। महिलाओं के लिए बसों में फ्री यात्रा कर दी। अब तक एक लाख बुजुर्गों को तीर्थयात्रा कराई है। उन्हें रामेश्वरम, अयोध्या, हरिद्वार, ऋषिकेश, शिरडी बाबा, जगन्नाथ पुरी समेत कई स्थानों पर तीर्थयात्रा करवाने के लिए लेकर गए। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने सभी दिल्लीवासियों को दशहरे, नवरात्रि, दुर्गापूजा, दिवाली और छठपूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान आप लोगों को खुश रखे। आपके परिवार में सबको स्वस्थ रखे और आपके परिवार को खूब तरक्की दे।

आरोपित को बचा रहे एलजी : संजय सिंह

एजेंसी
नई दिल्ली। । आम आदमी पार्टी (आआपा) ने दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आआपा के नेता संजय सिंह ने प्रेस वार्ता कर कहा कि दिल्ली के एक सरकारी अस्पताल में काम करने वाली महिला डॉक्टर के साथ यौन उत्पीड़न हो रहा है और आरोपित मेडिकल सुपरिटेंडेंट है। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले की शिकायत मिलने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और एलजी इस मामले पर कोई कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। संजय सिंह ने एलजी पर आरोप लगाते हुए कहा, दिल्ली के एलजी के संरक्षण में महिला डॉक्टर का शोषण चल रहा है, जिसकी शिकायत बार-बार हो रही है, लेकिन एलजी आरोपित को बचाने में लगे हैं। संजय सिंह ने कहा, शिकायतकर्ता महिला डॉक्टर के खिलाफ ही जांच करवाई जा रही है। संजय सिंह ने शिकायतकर्ता महिला का जिक्र करते हुए कहा, मेडिकल सुपरिटेंडेंट की शिकायत करने के लिए महिला ने स्वास्थ्य सचिव दीपक कुमार से दर्जनों बार मिलने की कोशिश की। इसी के बाद अक्टूबर 2023 में महिला ने इस मामले की शिकायत की थी। सिंह ने आगे कहा कि दिल्ली के स्वास्थ्य सचिव उस महिला डॉक्टर से नहीं मिलते हैं। मेडिकल सुपरिटेंडेंट के खिलाफ कोई एक्शन नहीं ले रहा है। चार महीने की लगातार कोशिश के बाद आंतरिक जांच कमेटी बनाई गई और मार्च में ही महिला डॉक्टर के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई। संजय सिंह ने कहा कि किसी पुराने मामले में उस महिला के खिलाफ जांच शुरू कर उसका शोषण कर रहे हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर साईबाबा का निधन

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा की यहां एक सरकारी अस्पताल में मृत्यु हो गई। माओवादियों के साथ कथित संबंधों के एक मामले में 10 साल जेल में रहने के बाद सात महीने पहले उन्हें बरी किया गया था। 50 वर्षीय जीएन साईबाबा दिल्ली विश्वविद्यालय के राम लाल आनंद कालेज में अंग्रेजी के प्रोफेसर थे। एक अधिकारी ने बताया कि साईबाबा ने रात लगभग नौ बजे अंतिम सांस ली।

वह पित्ताशय में संक्रमण और अन्य जटिलताओं से पीड़ित थे। महाराष्ट्र पुलिस द्वारा संदिग्ध माओवादी संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के बाद उन्हें वर्ष 2014 में कालेज ने निलंबित कर दिया था। लेकिन, अभियोजन उनके खिलाफ मामला साबित करने में विफल रहा और गत मार्च में बांबे हाई कोर्ट ने उनको बरी कर दिया था। एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि करीब नौ बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

फाइनल और प्री-फाइलन ईयर के छात्र अब पहले से कहीं ज्यादा रोजगार के काबिल: केंद्र

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत दुनिया की कौशल राजधानी बनने की दिशा में अपनी यात्रा शुरू कर चुका है। फाइनल ईयर और प्री-फाइनल ईयर के छात्रों का रोजगार योग्य प्रतिशत 2014 में 33.9 था जो बढ़कर 2024 में 51.3 प्रतिशत हो गया। केंद्र सरकार ने इसकी जानकारी दी। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अनुसार, विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक भारत, अपनी युवा आबादी का लाभ ऐसे कार्यबल के माध्यम से उठा सकता है, जो ‘रोजगार योग्य’ कौशल में प्रशिक्षित हों तथा उद्योग के लिए तैयार हों।बता दें कि युवाओं को कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई मुख्य पहलों में से एक प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना है। इस योजना का लक्ष्य पांच वर्षों में देश की शीर्ष 500 कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को व्यापक इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है। केंद्रीय बजट 2024-25 में घोषित इस पहल के तहत युवाओं को वास्तविक जीवन के कारोबारी माहौल में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में मदद करने के लिए 12 महीने की इंटर्नशिप की पेशकश की जाएगी, जिससे अकादमिक शिक्षा और उद्योग की

जरूरतों के बीच की खाई को पाटा जा सकेगा। गत 3 अक्टूबर को शुरू की गई पायलट परियोजना का लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1.25 लाख इंटर्नशिप प्रदान करना है, जिसमें शीर्ष कंपनियों की पहचान उनके सीएसआर व्यय के आधार पर की जाएगी। यह योजना मौजूदा कौशल विकास कार्यक्रमों से स्वतंत्र रूप से संचालित होती है और व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से रोजगार क्षमता बढ़ाने पर जोर देती है। योजना का पोर्टल 12 अक्टूबर को उम्मीदवारों के लिए खुलेगा। इंटर्नशिप योजना 12 महीने का इंटर्नशिप प्रदान करती है जिसका उद्देश्य युवा व्यक्तियों को वास्तविक दुनिया की नौकरी का अनुभव प्रदान करना है। इंटर्न को 12 महीने के लिए पांच हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं। इसमें से 500 रुपये कंपनी अपने सीएसआर फंड से देती है और 4,500 रुपये सरकार इंटर्न के आधार से जुड़े बैंक खाते में ट्रांसफर करती है। इंटर्नशिप स्थान पर इंटर्न के शामिल होने पर सरकार द्वारा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से प्रत्येक इंटर्न को 6,000 रुपये का एकमुश्त अनुदान वितरित किया जाएगा। योजना के तहत इंटर्न के प्रशिक्षण से जुड़े व्यय को मौजूदा नियमों के अनुसार कंपनी द्वारा अपने सीएसआर फंड से वहन किया जाएगा। सरकार की बीमा योजनाओं के तहत प्रत्येक व्यक्तिगत प्रशिक्षु को बीमा कवरेज भी प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी प्रशिक्षुओं को अतिरिक्त दुर्घटना बीमा कवरेज भी प्रदान कर सकती है।

पीएम गतिशक्ति के तीन वर्ष, अवधारणा को अब जिला स्तर पर ले जाने की तैयारी

एजेंसी
नई दिल्ली। सड़क, रेल और बंदरगाह जैसी यातायात एवं परिवहन क्षेत्र की बड़ी मल्टी-मोडल परियोजनाओं के नियोजन एवं क्रियान्वय के लिये लागू पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय वृहद योजना (गति शक्ति एनएमपी) की अवधारणा को अब जिला स्तर पर ले जाने के साथ ही पड़ोसी देश नेपाल और श्रीलंका को भी इस अवधारणा का लाभ पहुंचाने की तैयारी है।

सरकार निजी क्षेत्र को भी अपनी योजनाओं के निर्धारण में पीएम गतिशक्ति के विभिन्न एप्लिकेशन का, एक सीमा तक उपयोग की छूट देने पर विचार कर रही है। पीएम गतिशक्ति के तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यहां एक संवाददाता सम्मेलन में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, गति शक्ति एनएमपी के तहत नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप के माध्यम से अब तक 15.39 लाख करोड़ की 208 परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी है, और सरकारी विभागों के बीच योजना को लागू किये जाने की घोषणा की थी। पीएम गतिशक्ति ने 44 केंद्रीय मंत्रालयों और 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 1600 से अधिक डेटा परतों के साथ इस प्राप्त करने के लिये राज्यों के साथ काम कर रही है। उन्होंने बताया कि जिला-स्तरीय पायलट परियोजना के साथ, सरकार का लक्ष्य

अपने हितों को ऊपर देश हित को नीचे रखते हैं : कमलजीत

एजेंसी
नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा में कांग्रेस को मिली हार को लेकर कांग्रेस में चिंतन मंथन का दौर जारी है। इस बीच खबर है कि सांसद राहुल गांधी दिग्गजों से नाराज हैं। अब उनकी इसी नाराजगी पर भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने तंज कसा है। उन्होंने बातचीत में दिल्ली सरकार की मंशा समेत कई अहम मुद्दों पर राय रखी। भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा, राहुल गांधी अपना हित आगे रखते हैं और देश हित को पीछे रखते हैं। वह विदेश में जाकर देश के खिलाफ टिप्पणी करते हैं। कांग्रेस पार्टी की सिर्फ एक ही विचारधारा है, भारत सरकार को कैसे नीचा दिखाया जाए। आज चुनाव परिणाम देखकर आपको तकलीफ हो रही है, लेकिन जब आप विदेश में भारत के खिलाफ बोलते हैं

NAME CHANGE
I, SUNIL KUMAR S/o MUNNA LAL residing at House No. - 1235, Pana Paposian, Narela, North West Delhi, Delhi - 110040 have change the name of my minor Son PRATYUSH aged 11 Years and he shall hereafter be known as PRATYUSH ARYA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAKESH alias RAKESH KAUSHIK S/O SHIV KUMAR KAUSHIK employed as Subs WG CRD at Govt. of India, DES-AHQ (RKP), New Delhi-110003, R/O G-227, PALAM VIHAR, CARTARPURI Alias DAULATPUR NASIRABAD (63), GURGAON, HARYANA-122017 have changed my name and shall hereafter be known as RAKESH KAUSHIK.

NAME CHANGE
No. 21001776L, L/NK, VINOTHKUMAR R, r/o HQ NSG, MEHRAM NAGAR, PALAM, NEW DELHI-110037 state that my wife's name PAVITHRA V has wrongly been mentioned in my service documents. The correct name of my wife is PAVITHRA S. Henceworth, my wife shall be known as PAVITHRA S.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MANISH KUMAR GUPTA S/O BALARAM DAS GUPTA R/O H NO-A-604, PARK VIEW ANANDA, BESTECH, SECTOR-81, BESIDE DLF ULTIMA, GURGAON, HARYANA-122001 have changed my name and shall hereafter be known as MANISH GUPTAA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MUNNI DEVI W/O KUNWAR PAL R/O HOUSE NO-244, GROUND FLOOR, HARSH GARDEN, SAINIK ENCLAVE, MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR, D.K MOHAN GARDEN, WEST DELHI-110059 have changed my name and shall hereafter be known as SEEMA.

NAME CHANGE
I, ANISH KUMAR S/o MUNNA LAL residing at House No. - 1235, Pana Paposian, Narela, North West Delhi, Delhi - 110040 have change the name of my minor Daughter's ADVIKA aged 5 Years and she shall hereafter be known as ADVIKA ARYA.

NAME CHANGE
I, SUNIL KUMAR S/o MUNNA LAL residing at House No. - 1235, Pana Paposian, Narela, North West Delhi, Delhi - 110040 have change the name of my minor Daughter's AVIKA alias AVIKA ARYA aged 14 Years and she shall hereafter be known as AVIKA ARYA.

NAME CHANGE
I, OMVATI RANI Mother of JC-473031W Rank-NB/SUB Name-SANJAY Presently residing at H NO-487, WARD NO-10, NEAR SHIV TEMPLE, BAHARI, BAHRI(65), PO-BAHARI, DIST-KARNAL, HARYANA-132039 have changed my name from OMWATI DEVI to OMVATI RANI for all future purposes vide Affidavit dated 12/10/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Bajarang Agarwal S/O Amrit Lal, R/O 3066/224, CHANDRA NAGAR, TRI NAGAR, DIST: North West Delhi, Delhi - 110035 declare that name of mine has been wrongly written as Bajrang Agarwal in my minor son Ashish Agarwal aged 14 years in his school records The actual name of mine is BAJARANG AGARWAL, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHALINI SHUKLA alias SHALINI PANDEY D/o S N SHUKLA W/o UPENDER PANDEY residing at E -1020, Saraswati Vihar, North West Delhi, Delhi - 110034 have changed my name and shall hereafter be known as SHALINI PANDEY.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Naveen Kumar S/O DHARAMVIR R/O H.No-122, T-Huts, Camp No-1,Bhim Nagar, Nangloi , DIST West Delhi Delhi-110041, declare that name of my father has been wrongly written DHARM VIR in my 10th class educational document and in Driving licence NO .DL-0420150369709, The actual name of my father is DHARAMVIR,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Amba Srikoti W/O Sanjay Srikoti, Gali no.6 Shyampur ,Rishikesh,Garhimay chak ,S n Temple, Dehradun Uttarkhand-249204 Have Changed My Name Amba To Amba Srikoti for All Future Purposes

NAME CHANGE
I DAYAL RAJESHWAR KHEMCHAND S/O-KHEM CHAND DAYAL R/O-03112 ATS GREEN PARADISO GREATER NOIDA UTTAR PRADESH-201310 HAVE CHANGED MY NAME TO RAJESHWAR DAYAL

NAME CHANGE
I PRATIBHA RAJESHWAR DAYAL W/O-RAJESHWAR DAYAL R/O-03112 ATS GREEN PARADISO SECTOR CHI-4 GREATER NOIDA UTTAR PRADESH-201308 HAVE CHANGED MY NAME TO PRATIBHA DAYAL.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Bhawar Lal Parihar S/ O Mottram R/O T-241-A-1-T/f, Baljeet Nagar, Patel Nagar West, Patel Nagar, Central Delhi, Delhi- 110008,declare that the name of mine has been wrongly written as Bhawar Lal in my minor son Sahil aged 15 years in his school record ,The actual name of mine is Bhawar Lal Parihar ,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Naveen Kumar S/O DHARAMVIR R/O H.No-122, T-Huts, Camp No-1,Bhim Nagar, Nangloi , DIST West Delhi Delhi-110041, declare that name of my father has been wrongly written DHARM VIR in my 10th class educational document and in Driving licence NO .DL-0420150369709, The actual name of my father is DHARAMVIR,which may be amended accordingly.

सोनीपत के युवक से 16.93 लाख की साइबर ठगी

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में साइबर ठगों ने एक युवक को फोटो लाइक करने का टास्क देकर 16 लाख 93 हजार रुपए की ठगी कर ली। ठगों ने युवक को शुरुआत में 123, फिर 140 और एक बार 1300 रुपए भेजकर अपने जाल में फंसाया। युवक लगातार अपने फंसे पैसे वापस पाने के लिए ठगों के खाते में रुपए जमा करता रहा। साइबर थाना पुलिस ने अज्ञात ठगों पर केसदर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। गांव जांटी कलां के निवासी गौरव ने बताया कि 30 सितंबर को उसे इंस्टाग्राम पर एक लिंक मिला। लिंक क्लिक करने पर वह एक व्हाट्सएप ग्रुप में चला गया, जहां उसे फोटो लाइक करने का टास्क दिया गया। शुरू में उसे 123 रुपए भेजे गए, फिर 140 रुपए और 1300 रुपए ट्रांसफर किए गए। इसके बाद उसे टेलीग्राम पर एक ग्रुप में जोड़ा गया और 14 टास्क पूरे करने पर 140 रुपए दिए गए। 1 अक्टूबर को उसके खाते में 1000 से 1300 रुपए ट्रांसफर किए गए, जिससे उसे 1200 रुपए का मुनाफा हुआ। ठगों ने उसे 3900 रुपए देने का वादा करके 3000 रुपए जमा कराने को कहा। धीरे-धीरे, गौरव ने 32,500 रुपए तक जमा कराए। इस तरह उससे कुल 16 लाख 93 हजार 976 रुपए ठगे गए।

हरियाणा दिव्यांग क्रिकेट टीम में खेलेगा कुलेरी गांव का अमीन

हिसार। अतंरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर खिलाड़ी अमीन कुलेरी का एक बार फिर हरियाणा की टीम में चयन हुआ। उसके चयन से ग्रामीणों में खुशी का माहोल है। नारायण सेवा संस्थान द्वारा राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट चैंपियनशिप 2024 का चौथा संस्करण का आयोजन 15 अक्टूबर से लेकर 25 अक्टूबर तक राजस्थान के उदयपुर में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में हरियाणा की टीम शामिल होगी जिसमें हिसार जिले के गांव कुलेरी से अमीन का चयन हुआ है। बचपन से ही गली में क्रिकेट खेलते हुए आमीन ने कड़ी मेहनत और साथ मजदूरी करते हुए इस सत्र को हासिल किया है। बता दे कि अमीन के माता-पिता इस दुनिया में नहीं है। उनके भाई और परिवार सरपंच व अन्य गांव के लोगों के सहयोग से लगातार मेहनत करके आगे बढ़ता जा रहा है। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न 24 प्रांतों के 400 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। इस दौरान 63 मैच उदयपुर के 4 ग्राउंड में खेले जाएंगे। सभी मैच 20-20 ओवर के होंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन तथा समापन मैच फील्ड क्लब के मैदान में खोला जाएगा। इस चैम्पियनशिप के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हरभजन सिंह को ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है।

मसाला की राष्ट्रीय कार्यशाला में एचएयू आएंगे देशभर के 40 वैज्ञानिक

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 35वीं अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक 15 से 17 अक्तूबर तक आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्-केंद्रीय मसाला अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड, कालीकट, केरल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही इस बैठक में देश के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद परियोजना के 40 केंद्रों से वैज्ञानिक भाग लेंगे। सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं बैठक के आयोजक सचिव डॉ. एसके तेहलान ने बताया कि इस बैठक के उद्घाटन समारोह में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के उप-महानिदेशक (बागवानी) डॉ. एसके सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व उप-महानिदेशक (बागवानी), डॉ. एन. कृष्णा कुमार, डॉ. वीए पार्थासारथी व एडीजी डॉ. सुधाकर पांडे उपस्थित रहेंगे। परियोजना समन्वयक डॉ डी. प्रासथ के अनुसार इस बैठक में वैज्ञानिकों द्वारा बीते वर्षों में किए गए अनुसंधान कार्यों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही आगामी वर्ष में किए जाने वाले कार्यों की योजना का प्रारूप भी तैयार किया जाएगा।

जींद में हरियाणा के मुख्यमंत्री को धमकी देने वाला काबू

जींद। जुलाना के देवरड़ गांव निवासी एक व्यक्ति ने सोमबीर राठी हलका जुलाना नाम से बनाए वाट्सएप पर बनाए गए ग्रुप में लिखा कि जो भी मुख्यमंत्री बनेगा, उसे मैं गोली मार दूंगा, जिस तरह से महात्मा गांधी को गोडसे ने मारी थी। जुलाना थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। जुलाना थाना पुलिस को दी शिकायत में रामकली गांव निवासी महताब सैनी ने बताया कि आठ अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के परिणाम आए थे। शाम चार बजे के करीब सोमबीर राठी हलका जुलाना के नाम से वाट्सएप ग्रुप बनाया गया था, उसमें एक अजमेर नामक व्यक्ति ने पोस्ट की और लिखा कि अगर हरियाणा में भाजपा तीसरी बार आ गई, तो जो भी मुख्यमंत्री बनेगा, उसको गोली मैं मारूंगा। वही बात होगी, जिस तरह से महात्मा गांधी को गोडसे ने मारी थी। जुलाना थाना पुलिस ने महताब की शिकायत पर मामला दर्ज कर देवरड़ गांव निवासी अजमेर को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी देते हुए जांच अधिकारी अनिल ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोपित का कोई आपराधिक रिकार्ड नहीं है और उसका जुलाना से प्रत्याशी के पति सोमबीर राठी के साथ भी किसी तरह का कोई संपर्क नहीं है।

प्रधान सचिव ने किया कालांवाली अनाज मंडी का निरीक्षण

एजेंसी

सिरसा। प्रधान सचिव विजयेंद्र कुमार ने कालांवाली अनाज मंडी में मार्केट कमेटी कार्यालय में अधिकारियों की बैठक ली और जिला की सभी मंडियों में फसल की आवक, उठान कार्य, सुविधाओं की बारीकी से समीक्षा की। इसके उपरांत उन्होंने अनाजमंडी का निरीक्षण किया और लोड गाड़ी की बोरियों को खुलवा कर माइश्चर चैक करवाया। अबतक जिला की अनाजमंडियों में 5023 मीट्रिक टन धान की आवक हो चुकी है। इस दौरान उन्होंने आढ़तियों, किसानों व मंडी में काम करने वाले मजदूरों से भी बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनी तथा मौके पर ही अधिकारियों को तत्परता से निवारण के निर्देश दिए। प्रधान सचिव विजयेंद्र कुमार के साथ उपायुक्त शांतनु शर्मा, एसडीएम कालांवाली सुरेश रावीश, डीएम हैफड, मार्केट कमेटी के अधिकारी, फसल उठान एजेंसियों के अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि धान का उठान जल्द से जल्द सुनिश्चित करें

ताकि मंडियों में जाम जैसी स्थिति न बनें। उन्होंने ट्रांसपोर्टर ठेकेदार व लेबर ठेकेदार को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि उठान कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा डालने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। ट्रांसपोर्ट ठेकेदार गाड़ियां बढाकर मंडियों से धान के उठान में तेजी लाएं और अतिरिक्त लेबर की भी जल्द से जल्द व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा में किसानों की फसल का भुगतान भी सुनिश्चित किया जाए। नोडल अधिकारी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का सही निर्वहन करें और खरीद प्रक्रिया की मोनिटरिंग निरंतर करते रहे। उन्होंने मंडी में सफाई व्यवस्था व अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने आढ़तियों को कहा कि वे धान खरीद प्रक्रिया में अपना पूरा सहयोग दे ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामाना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ऐसी व्यवस्था की जाए, ताकि किसानों को ज्यादा देर तक लाइन में नहीं खड़ा होना पड़े। उन्होंने गेट पास, पेयजल, शौचालय, स्वच्छता आदि की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मंडी में आने वाले किसानों को किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा बरसात आने की स्थिति में फसल के खराब से बचाव के पुख्ता प्रबंध किए जाएं। मंडियों में पर्याप्त मात्रा में बारदाना की व्यवस्था की जाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि किसानों की फसल का भुगतान निर्धारित समय पर करना सुनिश्चित करें।

धान का दाना-दाना खरीदा जायेगा: शीशपाल कंबोज

एजेंसी

सिरसा। रानियां विधानसभा क्षेत्र से भाजपा टिकट पर चुनाव लड़े शीशपाल कंबोज ने कहा कि सरकारी मापदंडो पर खरा उतरने वाले धान का दाना-दाना सरकार खरीदेगी। कोताही बरतने वाले किसी भी अधिकारी व कर्मचारी को बक्शा नहीं जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष शीशपाल कंबोज ने रानियां अनाज मंडी का निरीक्षण किया। किसान विश्राम गृह में किसानों व आढ़तियों की समस्याएं भी सुनी। मंडी व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन शीशपाल कंबोज ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेश पर आज पूरे हरियाणा की अनाज मंडियों का भाजपा पदाधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है और प्रांत के आला अधिकारी भी मंडियों के दौरे पर हैं। कंबोज ने कहा कि भाजपा सरकार किसान हितैषी है। किसानों को फसल बेचने में किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत परेशानी नहीं आने दी जायेगी। उन्होंने किसानों व आढ़तियों से स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को रिश्वत या कमीशन न दें, अगर कोई परेशान करें तो तत्काल उन्हें सूचित करें। अधिकारियों को भी चेतावनी देते हुए कहा कि रिश्वतखोरी की मंशा रखने वाले अधिकारी अपनी आदतें सुधार लें।

परिवार, समाज, धर्म की एकता में ही ताकत : शशि भूषण

एजेंसी

सोनीपत। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा दशहरा पर्व पर शहर के थाना कलां मार्ग स्थित जागृति स्थल में शस्त्र पूजन करके पथ संचलन किया गया। संघ के प्रांत सद्भावना प्रमुख शशि भूषण द्वारा बौद्धिक विकास को लेकर कहा कि किसी भी परिवार, समाज, धर्म की एकता में ही ताकत होती है। लोगों ने संघ की ओर से निकाली जा रही इस पद यात्राका फूल बरसा कर स्वागत किया। सामाजिक सद्भावना जिला प्रमुख अनिल ने बताया कि संघ का यह

वार्षिक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम को पूरे जोश के साथ मनाते हुए खरखौदा क्षेत्र में अपना पथ संचलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज अब जाग रहा है और अपनी दिशा पहचानरहा है, इससे समाज में एक संदेश गया है कि अब हिंदू जागृति की और अग्रसर है। जब तकहिंदू संगठित होकर समाज में

फैली कुरीतियों को दूर नहीं करता है। तब तक वह अपने समाज व देश में अपने कर्तव्य का परिचय नहीं दे पाएगा। इसलिए प्रत्येक हिंदू को संगठित होकर समाज व देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। इस मौके पर संघ के खंड कार्यवाहक सतीश, सह खंड कार्यवाहक रवींद्र, सुरेंद्र दहिया, खंड सद्भावना प्रमुख दीपक, खंड प्रचारक प्रमुख सतपाल रोहणा, गोसेवा प्रमुख संदीप व जयकरण सैदपुर मौजूद रहे।

उचाना विधायक ने अलेवा अनाज मंडी में शुरू करवाई खरीद

एजेंसी

जींद। उचाना कलां के नव निर्वाचित भाजपा विधायक देवेंद्र अत्री ने अलेवा अनाज मंडी का दौरा कर किसानों की समस्याएं सुनी। इस दौरान विधायक ने फूड सप्लाई के डायरेक्टर मुकुल तथा वेयर हाऊस के डीएम रोहताश दहिया से बात कर अलेवा अनाज मंडी में बंद पड़ी धान की खरीद को शुरू करवाने के साथ-साथ उठान करने के आदेश भी दिए। किसानों ने विधायक के सामने समस्या रखते हुए कहा कि पीआर धान न्यूनतम समर्थन मुल्य पर नहीं बिक रहा है। अभी तक जो भी धान एजेंसी ने खरीदा है। उसका उठान नहीं हुआ है। जब तक उठान नहीं होगा तो पेमेंट किसानों के खातों में कैसे आएगी। विधायक ने किसानों की समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि किसान के दाने-दाने की एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित होनी चाहिए। मंडी आने वाले किसानों को किसी भी तरह की कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। हरियाणा में उगने वाली हर फ सल को एमएसपी पर खरीदने का संकल्प हर हाल में पूरा हो।

किसान-कल्याण हमारी सरकार की प्राथमिकताओं में सर्वोच्च है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की हरियाणा सरकार उचाना को विकास के पथ पर लेकर जाएगी। जो-जो वायदा किया हैं हर उस वायदे को पूरा करने का काम करूंगा। विकसित उचाना की सोच के तहत उचाना में विकास की रफ्तार बढ़ेगी। साधारण परिवार के बेटे को जो जीत देने का काम किया हैं उसका अहसान वो सारी उम्र नहीं उतार पाएंगे। भाजपा ने जो कहा है उसे करती है हरियाणा में बिना पर्ची बिना खर्ची नौकरी देकर नया इतिहास बनाने का काम किया है। आज गरीब परिवार का बेटा पढ़ लिखकर बड़ा अफ सर लग सकता है। आज का युवा जागरुक हो चुका है उसने साबित किया गया है कि वह किसी के बहकावे में नहीं आएगा। भाजपा को पूर्ण बहुमत देकर जो काम भाजपा कर रही है उस पर मोहर लगाने का काम मतदाताओं ने किया है।

जीत की तरह ऐतिहासिक होगा मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह :बड़ौली

एजेंसी

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा है कि जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी ने इस चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है उसी तरह से मुख्यमंत्री नायब सैनी का शपथ ग्रहण समारोह भी ऐतिहासिक होगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल और सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को निमंत्रण भेजा जाएगा। बड़ौली ने सेक्टर-15 स्थित अपने कार्यालय में आयोजित

पत्रकार वार्ता के दौरान यह जानकारी दी। प्रदेशाध्यक्ष बड़ौली ने हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार बनने के लिए प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि सरकार जनता की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए हर वर्ग के उत्थान के लिए काम करेगी। उन्होंने प्रदेशवासियों को विजयदशमी

की शुभकामनाएं देते हुए समाज के उत्थान के लिए धर्म और सच्चाई के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 2014 और 2019 के चुनावी संकल्प पत्र में किए गए सभी वादों को पूरा किया है। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त नीतियों से सभी योजनाओं को पात्र व्यक्तियों तक पहुँचाया और योग्यता के आधार पर दो लाख से अधिक

युवाओं को रोजगार प्रदान किया। वर्ष 2024 के चुनावी संकल्प पत्र को भी लक्ष्य बनाकर पूरा किया जाएगा। बड़ौली ने भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत की सराहना की और हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाने का श्रेय उन्हें दिया। तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने पर प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने जताया प्रदेश की जनता का आभार जताया है। इस मौके पर सोनीपत से विधायक निखिल मदान, खरखौदा से विधायक पवन खरखौदा, भाजपा जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा, माईराम कौशिक, जिला महामंत्री नवीन मंगला, निशांत छौक्कर, आजाद नेहरा आदि मौजूद रहे।

कोल्ड ड्रिंक समझ बच्चे ने पिया तेजाब, हुई मौत

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के सफियाबाद गांव में एक 6 वर्षीय बच्चे ने कोल्ड ड्रिंक समझकर गलती से तेजाब पी लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। यह हादसा अष्टमी पर्व के दौरान हुआ, जब बच्चा अपने पड़ोसी के घर खाना खाने गया था। बच्चे के माता-पिता उसे नरेला के सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बारोटा पुलिस चौकी में पुलिस ने इस मामले में पड़ोस में रहने वाले महेंद्र और उनकी पत्नी नीलम के खिलाफ लापरवाही के आरोप में केस दर्ज किया है। शिकायतकर्ता, यूपी के लखीमपुर खीरी के निवासी हरिपाल ने बताया कि उनके बेटे प्रिंस ने महेंद्र और नीलम के कमरे में कोल्ड ड्रिंक की बोतल में रखा तेजाब गलती से पी लिया था। हरिपाल और उनकी पत्नी दोनों ही प्राइवेट फैक्ट्री में कामकरते हैं और घटना के समय काम पर थे। उन्हें सूचना मिली कि उनके बेटे की तबीयत बिगड़गई है।

बारोटा पुलिस चौकी के जांच अधिकारी रविंद्र ने बताया कि पुलिस ने हरिपाल की शिकायत पर महेंद्र व नीलम के खिलाफ थाना कुंडली में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अब आगे की छानबीन कर रही है।

समन्वय बैठक में नशे के विरुद्ध पुलिस ने जनता से मांगा सहयोग

गुरुग्राम। पुलिस-पब्लिक के बीच आपसी तालमेल बढ़ाने, समन्वय स्थापित करने के लिए पुलिस पब्लिक कॉर्डिनेशन कमेटी की बैठक सेक्टर-37 थाना में आयोजित की गई। इस बैठक में अपराधों की रोकथाम व अपराधों का मूल्यांकन करके उनके निवारण, अपराधियों की पहचान, शहर में यातायात संचालन, कानून व्यवस्था एवं शान्ति बनाए रखने, नशे के विरुद्ध पुलिस का सहयोग करने के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

हुई इस मीटिंग के माध्यम से मौजिज व्यक्तियों को नशे की रोकथाम के लिए पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई। अवैध रूप से नशा रखने/बेचने वालों के संबंध में पुलिस को शिकायत/सूचना देने का आग्रह किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वाहन चोरी, चोरी व किसी भी प्रकार के अपराध घटित होने पर सूचना अविलम्ब पुलिस को दें, ताकि अपराधी को काबू करने के आसानी हो और पीड़ित को न्याय मिलें। मौजिज व्यक्तियों व पुलिसकर्मियों के लिए बनाए गए ग्रुप में नियमित रूप से जानकारी व सूचनाएं आदान-प्रदान करने के बारे में भी बताया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों को

साईबर अपराधों की रोकथाम करने के उपायों के बारे में बताया। सभी से अनुरोध किया कि वे सभी लोगों को साईबर अपराधों की जानकारी देकर उन्हें इन अपराधों से बचने के उपाय बताकर अवश्य जागरूक करें। इस दौरान उपस्थित आए सभी मोजिज व्यक्तियों व पुलिसकर्मियों के लिए बनाए गए ग्रुप में नियमित रूप से जानकारी व सूचनाएं आदान-प्रदान करने के बारे में भी बताया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों को आसपास की गतिविधियों पर नजर रखने, किसी संदिग्ध व्यक्ति/वस्तु की जानकरी तुरन्त पुलिस को देने की हिदायत दी गई। मीटिंग में उपस्थित आए सभी मौजिज व्यक्तियों/सदस्यों व लोगों द्वारा दिए गए सुझावों पर संज्ञान लेते हुए आपसी सहयोग से पूर्ण करने का निर्णय लिया गया। इस मीटिंग में गुरुग्राम पुलिस के अधिकारी/कर्मचारी सहित मौजिज व्यक्ति/सदस्य शामिल हुए।

हरियाणा सरकार का बड़ा फैसला: प्रोविजनल नियुक्ति में मेडिकल और चरित्र सत्यापन की छूट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सरकारी नौकरी पाने वाले उम्मीदवारों के लिए एक बड़ा और राहत भरा फैसला लिया है। अब हरियाणा लोक सेवा आयोग और हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ग्रुप-ए, बी, सी और डी के विभिन्न सरकारी पदों पर चयनित उम्मीदवारों को मेडिकल सर्टिफिकेट और चरित्र सत्यापन की प्रक्रिया से तुरंत नहीं गुजरना पड़ेगा। सरकार ने उन्हें प्रोविजनल आधार पर नियुक्ति पत्र जारी करने का निर्णय लिया है, जिससे नियुक्तियों की प्रक्रिया में तेजी आएगी और उम्मीदवार जल्द से जल्द अपने पदों पर योगदान कर सकेंगे। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से सभी प्रशासनिक सचिवों और विभागाध्यक्षों को इस फैसले के संबंध में एक पत्र जारी किया गया है। इस पत्र में स्पष्ट किया गया है कि प्रोविजनल नियुक्ति की तिथि से तीन महीने के भीतर चयनित उम्मीदवारों के चरित्र और पूर्ववृत्त का सत्यापन अनिवार्य रूप से इसलिए लिया है क्योंकि चरित्र और पूर्व जीवन का सत्यापन करने में अक्सर काफी समय लगता है, जिससे नियुक्ति प्रक्रिया में देरी हो जाती है। अब उम्मीदवार बिना इस सत्यापन के भी नौकरी में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, यह नियुक्ति पूरी तरह से प्रोविजनल होगी और सत्यापन पूरा होने के बाद ही स्थायी नियुक्ति मानी जाएगी। प्रवक्ता ने बताया कि चयनित उम्मीदवारों को प्रोविजनल नियुक्ति के बाद दो महीने के अंदर मेडिकल सर्टिफिकेट जमा करना होगा। इसके अलावा, हरियाणा लोक सेवा आयोग या हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा भेजे गए उम्मीदवारों का बायोमेट्रिक और फेशियल सत्यापन प्रोविजनल नियुक्ति की तिथि से दो सप्ताह के भीतर पूरा करना होगा। यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि सत्यापन प्रक्रिया के बाद उम्मीदवार के खिलाफ किसी तरह की प्रतिकूल रिपोर्ट सामने आती है, तो उस स्थिति में उनकी सेवा बिना किसी नोटिस के तुरंत समाप्त कर दी जाएगी।

मंडियों से धान का धीमा उठान किसानों के लिए बना मुसीबत

एजेंसी

यमुनानगर। राइस मिलर्स का सरकार से अनुबंध न होने के चलते अनाज मंडियों में किसानों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। सरकार द्वारा लाई गई नई पॉलिसी में लगाई गई शर्तों का राइस मिलर्स विरोध कर रहे हैं और हड़ताल पर है। राइस मिलर्स की सरकार के साथ सोमवार तक बातचीत होने की उम्मीद है। जिससे मंडियों में अटकी पडे जीरी के लगभग 10 लाख बैग के उठान में तेजी आएगी। फिलहाल सरकारी एजेंसियों के द्वारा जीरे का उठान शुरू कर दिया गया है। लेकिन आवक ज्यादा होने के कारण उठान धीमी गति से हो रहा है।

हालांकि नवनिर्वाचित भाजपा विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने भी मंडी का दौरा कर आढ़तियों व राइस मिलर्स की समस्याओं को सुना और आश्वासन दिया कि वह तीन दिन बाद दोबारा मंडी का निरीक्षण करेंगे और आढ़तियों को मंडी में आ रही सभी समस्याओं का समाधान करने के अधिकारियों को निर्देश भी दिए

पा रहा है। इस समय बिलासपुर, छछरौली और रादौर की मंडियों में जीरी की आवक में तेजी है और मंडियों में जीरी रखने की कहीं भी जगह नजर नहीं आती। उन्होंने बताया कि लगभग 10 लाख से अधिक के जिला प्रधान मनीष कंबोज ने बताया कि अनाज मंडी जगाधरी में सीवरेज की व्यवस्था पूरी तरह से ठप्प पड़ी है। जगह-जगह कचरे के ढेर पड़े हैं, लेकिन कोई उठान नहीं हो रहा है। इस समय बिलासपुर, छछरौली और रादौर की मंडियों में जीरी की आवक में तेजी है और मंडियों में जीरी रखने की कहीं भी जगह नजर नहीं आती। उन्होंने बताया कि लगभग 10 लाख से अधिक जीरी के बैग मंडियों में पड़े हैं। और उठान में देरी हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी एजेंसियां हैफेड और भारतीय खाद्य निगम के द्वारा मंडियों से जीरी का उठान शुरू कर दिया गया है, लेकिन राइस मिलर्स द्वारा नई शर्तों को लेकर विरोध किए जाने का समाधान अभी सरकार के पास लंबित पड़ा है और उम्मीद है कि सोमवार तक सरकार के साथ होने वाली बातचीत में समाधान निकाल लिया जाएगा।

विधानसभा चुनाव में हार पर पूर्व प्रदेश प्रवक्ता ने जड़े गंभीर

एजेंसी

हिसार। प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की तीसरी बार करारी हार के साथ ही रार शुरू हो गई है। हरियाणा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता व हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा वर्ग उपाध्यक्ष एडवोकेट मुकेश सैनी ने आरोप लगाया कि इस विधानसभा चुनाव में पार्टी की बागडोर ऐसे प्रदेश अध्यक्ष के हाथों में थी, जो लगातार दो बार से अपने खुद के हलके से चुनाव हार रहा हो। अब भी विधानसभा चुनाव में मिली हार दर्शाती है कि इस नेता की अपने हलके में कितनी पकड़ है। एडवोकेट मुकेश सैनी ने कहा कि ऐसे नेता कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री रही किरण चौधरी के बारे में कहते हैं कि क्या है किरण चौधरी? जबकि किरण चौधरी ने दूसरी पार्टी में जाकर भी अपनी पुत्री सहित अन्य कई सीटों पर चुनाव जिताने का काम किया। इसके बावजूद पार्टी के आला नेताओं ने कोई कार्रवाई नहीं की जिसका परिणाम आज पार्टी को विधानसभा चुनाव में शिकस्त के रूप में भुगतना पड़ रहा है। कुमारी सैलजा सहित अन्य सभी वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार करते हुए केवल एक नेता विशेष को टिकट वितरण में अहमियत देते हुए मजबूत प्रत्याशियों की लगातार अनदेखी की गई। कांग्रेस नेता एडवोकेट मुकेश सैनी ने कहा कि कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों को हराने के लिए ही चुनाव मैदान में उतरे निर्दलीय बागी कांग्रेसियों को समझा-बुझाकर बैठाने का प्रयास तक नहीं किया गया। उन्होंने उल्लेख किया कि अंबाला कैंट से कांग्रेस प्रत्याशी परविंदर परी के सामने चुनाव मैदान में उतरी बागी कांग्रेसी चित्रा सरवारा, उचाना में कांग्रेस प्रत्याशी बृजेंद्र सिंह के सामने बागी कांग्रेसी वीरेंद्र घोघड़िया को मनाकर नहीं बैठाया गया।

नलवा से कांग्रेस प्रत्याशी अनिल मान के खिलाफ पर्चा भरने वाले संपत सिंह को व हांसी से कांग्रेस प्रत्याशी राहुल मक्कड़ के सामने उतरे प्रेम सिंह मलिक व सुमन

NAME CHANGE

I hitherto known as VINAY alias VINAY GILL S/O VIVEK GILL R/O 1- Hospital Area Ward No.-1, Nilokheri Karnal Haryana-132117, have changed my name and shall hereafter be known as VINAY.

NAME CHANGE

I hitherto known as KUSUM LATA alias KUSUM MEHTA w/o RAMAN MEHTA R/o House No.-606/17 Near Mehta Clinic Camp Chowk Hisar, Hisar Haryana-1250001, have changed my name and shall hereafter be known as KUSUM LATA.

हुंडई के आईपीओ से प्राइमरी मार्केट में बढ़ेगी हलचल, पूरे सप्ताह में सिर्फ 3 आईपीओ की लॉन्चिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार से शुरू होने वाला अगला कारोबारी सप्ताह प्राइमरी मार्केट के लिए एक बार फिर जोरदार हलचल वाला सप्ताह बनने जा रहा है। हालांकि इस सप्ताह सिर्फ 3 कंपनियों के ही आईपीओ आ रहे हैं। इसी तरह लिस्टिंग के मोर्चे पर भी इस सप्ताह सिर्फ 3 कंपनियां ही शेयर बाजार में दस्तक देने वाली हैं। इसके बावजूद सिर्फ एक कंपनी हुंडई मोटर इंडिया ही अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च करके प्राइमरी मार्केट में हलचल मचाने जा रही है। इस सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन यानी 15 अक्टूबर को हुंडई मोटर इंडिया अपना आईपीओ लॉन्च कर रही है। ये आईपीओ देश का अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। इसके पहले मई 2022 में देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एलआईसी) ने 21,008.48 करोड़ रुपये का आईपीओ लॉन्च किया था लेकिन अब ढाई साल बाद हुंडई मोटर इंडिया 27,870.16 करोड़ रुपये का आईपीओ लॉन्च कर एलआईसी के रिकॉर्ड को तोड़ने जा रही है। हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 15 से 17 अक्टूबर तक खुला रहेगा।

खाद्य तेलों में टिकाव

नई दिल्ली। विजयदशमी के कारण स्थानीय स्तर पर मांग सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव स्थिर रहे। अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहेः-

चना 7800-7900, दाल चना 8800-8900, मसूर काली 7450-7550, मूंग दाल 9500-9600, उड़द दाल 10600-10700, अरहर दाल 10400-10500 रुपये प्रति क्विंटल रहे। (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2700-2800 रुपये और चावल :2900-3000 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 3740-3840, चीनी एम. 4200-4300, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4600-4700 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 15495 रुपये, मूंगफली तेल 18332 रुपये, सूरजमुखी तेल 14286 रुपये, सोया रिफाइंड 14871 रुपये, पाम ऑयल 12088 रुपये और वनस्पति तेल 15495 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.47 प्रतिशत की गिरावट लेकर 75.49 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.32 प्रतिशत लुढ़ककर 78.79 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

10 अक्टूबर तक प्रत्यक्ष कर संग्रह 22.30 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में 10 अक्टूबर तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 1357111 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में संग्रहित 1109695 करोड़ रुपये की तुलना में 22.30 प्रतिशत अधिक है। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की वेबसाइट पर जारी आकंड़ों के अनुसार 10 अक्टूबर तक 2024 तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 1125961 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 951408 करोड़ रुपये के संग्रह की तुलना में 18.35 प्रतिशत अधिक है।

इस अवधि में 231150 करोड़ रुपये का रिफंड किया गया है जो पिछले वित्त वर्ष के 158287 करोड़ रुपये के रिफंड की तुलना में 46.03 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में कार्पोरेट कर संग्रह 611161 करोड़ रुपये, व्यक्तिगत आयकर 713142 करोड़ रुपये और प्रतिभूति लेनदेन कर 30630 करोड़ रुपये रहा है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का पोर्टल उम्मीदवारों के पंजीकरण के लिए खुला

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। पंजीकरण के लिए समर्पित पोर्टल अब लाइव हो गया है। इस योजना के तहत 21-24 वर्ष की आयु के उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र हैं। इस योजना के तहत भारत की टॉप 500 कंपनियों में 12 महीने तक इंटर्नशिप करने का अवसर मिलेगा।

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने 'एक्स' पर जारी एक बयान में बताया कि यह योजना युवाओं के कौशल को सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार की एक परिवर्तनकारी पहल है, जो उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाएगी। मंत्रालय के मुताबिक लगभग 800 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली ये योजना पायलट परियोजना के तहत इंटर्नशिप के लिए दो दिसंबर से शुरू होगी। इसकी घोषणा केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला

सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024-25 में की थी। इसे कॉर्पोरेट मंत्रालय के द्वारा विकसित https://pminternship.mca.gov.in/login/ पोर्टल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू. पीएमइंटर्नशि. एमसीए. जीओवी.आईएन के जरिए लागू किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि यह योजना पोर्टल पर आधारित पंजीकरण और बायोडाटा निर्माण जैसे उपकरणों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में इंटर्नशिप तक कुशल पहुंच सुनिश्चित करता है। यह पोर्टल उम्मीदवारों के पंजीकरण के लिए खुल गया है। मंत्रालय के अनुसार पिछले सप्ताह पोर्टल पर तेल, गैस एवं ऊर्जा, यात्रा एवं होटल तथा वाहन सहित 24 क्षेत्रों में 80 हजार से अधिक अवसर जोड़े गए हैं। इसके तहत 193 कंपनियों ने 90,849 इंटर्नशिप के अवसरों की पेशकश की है। उम्मीदवार https://pminternship.mca.gov.in के माध्यम से पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। इस योजना के तहत प्रशिक्षु को 12 महीने तक 5 हजार रुपये मासिक वित्तीय सहायता और 6,000 रुपये का एकमुश्त अनुदान मिलेगा। पीएम इंटर्नशिप योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा युवाओं के कौशल को सुनिश्चित करने के लिए एक परिवर्तनकारी पहल है, जिससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़ेगी। यह योजना यह 12 महीनों के लिए भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में इंटर्नशिप करने और सर्वश्रेष्ठ से सीखने का अवसर प्रदान करेगी।

त्योहारी सीजन में सर्राफा बाजार में तेजी की संभावना, एक्सपर्ट्स को वेडिंग सीजन तक तेजी जारी रहने का अनुमान

एजेंसी

नई दिल्ली। नवरात्रि की कमजोरी के बाद सर्राफा बाजार में आई तेजी ने निवेशकों का चेहरा खिला दिया है। विजयादशमी के दिन सोने की खरीदारी करना पारंपरिक तौर पर शुभ माना जाता है। आज की तेजी के बाद सर्राफा बाजार के एक्सपर्ट्स बाजार में आमतौर पर तेजी का रुख बनने की संभावना जता रहे हैं। माना जा रहा है कि सर्राफा बाजार की ये तेजी आने वाले वेडिंग सीजन तक जारी रह सकती है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि त्योहारी सीजन में आमतौर पर सोने और चांदी की मांग काफी बढ़ जाती है। इस साल नवरात्रि का त्यौहार अपवाद जरूर रहा है, लेकिन आने वाले दिनों में सर्राफा बाजार में तेजी आने की पूरी संभावना बनी हुई है। दशहरा के बाद करवा चौथ, धनतेरस और दीपावली जैसे त्यौहार आने वाले हैं, जब पारंपरिक तौर पर सोने और चांदी की खरीदारी की जाती है। यही वजह है कि फेस्टिवल सीजन में सोने और चांदी की मांग बढ़ जाती है, जिससे इन चमकीली धातुओं के भाव में भी तेजी आ जाती है। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना ऑल टाइम हाई लेवल के करीब पहुंच कर कारोबार कर रहा है। इसी तरह चांदी भी सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा हुआ है। दिल्ली में चांदी 96 हजार रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार करके कारोबार कर रहा है, जबकि चेन्नई में इसकी कीमत पूरे देश में सबसे अधिक 1,02,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंची हुई है। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के अनुसार दिवाली के बाद देश में शादी का सीजन शुरू हो जाएगा। ऐसे में घरेलू बाजार में सोने और चांदी की खपत तुलनात्मक तौर पर ज्यादा बढ़ जाएगी। इससे स्वाभाविक रूप से उनकी मांग में इजाफा होगा।

मल्टीबैगर रिटर्न देने वाली कंपनी पर सेबी की सख्ती, शेयर मार्केट में बैन किया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने पिछले 5 सालों के दौरान शेयर बाजार के निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा देने वाली कंपनी क्रेसेंडा रेलवे सॉल्यूशंस और उसके कई डायरेक्टर्स के खिलाफ सख्त एक्शन लेते हुए उन्हें शेयर बाजार से बैन कर दिया है। कंपनी और उसके डायरेक्टर्स पर वित्तीय अनियमितता का आरोप लगा है। क्रेसेंडा रेलवे सॉल्यूशंस के शेयर ने पिछले कुछ सालों के दौरान जबरदस्त धूम मचाई थी। पिछले 5 सालों की अवधि में इस कंपनी के शेयर ने निवेशकों को कई गुना मल्टीबैगर रिटर्न दिया है, लेकिन अब ये कंपनी गंभीर वित्तीय अनियमितता के आरोपों की वजह से बड़े विवाद में फंस गई है। मार्केट रेगुलेटर सेबी के अनुसार कंपनी ने फर्जी बिक्री और खरीद के जरिए अपने अकाउंट्स और बैलेंस शीट में गलत आंकड़े दिखाए। आरोप है कि निवेशकों को धोखे में रखने के लिए ऐसा किया गया। सेबी के आदेश में बताया गया है कि क्रेसेंडा ने उत्पादों की नकली बिक्री और खरीद का सहारा लिया और फर्जी रेवेन्यू दिखाकर अपने खातों में आंकड़ों को

बढ़ाया?। ये गड़बड़ियां वित्त वर्ष 2022-23 की तो हैं ही, 2023-24 में भी ये गड़बड़ियां जारी रहीं। जांच के दौरान सेबी को इस बात का भी पता चला कि कंपनी ने प्रेफरेंशियल एलॉटमेंट के जरिए जुटाए गए पैसे को गलत तरीके से डायवर्ट किया। इसके अलावा जिन 28 लोगों को शेयर अलॉट किए गए, उनकी ओर से किए गए पेमेंट की भी सेबी द्वारा जांच की जा रही है। सेबी ने कहा है कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि कुछ नोटिस धारकों को आंशिक या बिना किसी भुगतान के ही शेयर अलॉट कर दिए गए। सेबी की जांच में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि फिर क्रेसेंडा के पास 2015 से 2022 तक कोई खास ऑपरेशनल रेवेन्यू नहीं था, लेकिन 2023 में अचानक उसकी बिक्री में जबरदस्त इजाफा हो गया। इस साल कंपनी ने 75.15 करोड़ रुपये की बिक्री दिखाई, लेकिन ये बिक्री फर्जी ट्रांजैक्शन के आधार पर दिखाई गई थी। कंपनी का ये वास्तविक ग्रोथ नहीं था, बल्कि इसका उद्देश्य केवल निवेशकों को पैसा लगाने के लिए आकर्षित करना था। इन फर्जी आंकड़ों की कारण ही पिछले 3 साल में कंपनी के शेयर होल्डर्स की संख्या 2,700 से बढ़ कर 56,556 हो गई। मार्केट रेगुलेटर सेबी के आदेश में साफ किया गया है कि कंपनी द्वारा की गई अनियमितताओं के कारण शेयर होल्डर्स और इन्वेस्टर्स के हितों पर असर पड़ सकता है। इस बात की काफी संभावना है कि जैसे ही आदेश जारी होगा वैसे ही नोटिस पाने वाले कई आरोपी तत्काल ही अपना पूरा शेयर बेचकर कंपनी से बाहर निकल सकते हैं।

एचएएल बनी देश की 14वीं महारत्न कंपनी, हाईलेवल कमेटियों की अनुशंसा के बाद मिला दर्जा

एजेंसी

नई दिल्ली। डिफेंस सेक्टर की कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) अब देश की महारत्न कंपनियों की सूची में शामिल हो गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मंजूरी मिलने के बाद डिपार्मेंट आफ पब्लिक एंटरप्राइजेज ने इस बात का ऐलान किया है। डिपार्टमेंट की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी गई है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को अपग्रेड करने के लिए दो हाई लेवल कमेटियों- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अगुवाई में बनी इंटर मिनिस्टीरियल कमेटी और कैबिनेट सेक्रेटरी की अगुवाई में बनी एपेक्स कमेटी ने अपनी ओर से सिफारिश की थी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड देश की 14वीं ऐसी कंपनी है जिसे महारत्न का दर्जा मिला है। इससे पहले पिछले साल अगस्त 2023 में क्रूड ऑयल प्रोडक्शन करने वाली कंपनी ऑल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल)को महारत्न का दर्जा मिला था। महारत्न की इस सूची में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और इंडियन ऑयल के अलावा भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), बीएचईएल, कोल इंडिया, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल), एनटीपीसी, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, ओएनजीसी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल), आरईसी और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) शामिल हैं। किसी भी सरकारी कंपनी को महारत्न का दर्जा हासिल करने के लिए कड़े वित्तीय मापदंडों को पूरा करना पड़ता है। इन मापदंडों में लगातार 3 वित्त वर्ष में उनका औसत सालाना कारोबार 25,000 करोड़ रुपये से अधिक होना चाहिए। इसी तरह उनका एवरेज इयरली नेटवर्थ 15,000 करोड़ रुपये से अधिक होना चाहिए। इसके साथ ही कंपनियों का एवरेज इयरली नेट प्रॉफिट 5,000 करोड़ रुपये से अधिक होना चाहिए। इन सबके अलावा इसमें एक सबसे अहम शर्त ये भी होती है कि इन कंपनियों को बिना सरकारी गारंटी के या बिना सरकारी सहयोग के अपने काम का संचालन करना होता है। इन मापदंडों पर खरा उतरने के बाद ही वित्त मंत्री की अगुवाई वाली कमेटी और कैबिनेट सेक्रेटरी की अगुवाई वाली कमेटी की अनुशंसा के बाद किसी सरकारी कंपनी को महारत्न का दर्जा दिया जाता है। महारत्न का दर्जा मिलने के बाद सरकारी कंपनियों को कार्य संचालन और नीति निर्धारण से संबंधित फैसला लेने में तुलनात्मक तौर पर अधिक आजादी मिल जाती है। ये कंपनियां सरकार की मंजूरी लिए बिना अपने किसी प्रोजेक्ट में 1,000 करोड़ रुपये तक या अपने नेटवर्थ का 15 प्रतिशत तक निवेश कर सकती हैं। साफ है की महारत्न का दर्जा मिलने के बाद कंपनी के विस्तार की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं।

पीएम गति शक्ति ने बदली देश की तस्वीर, 15.39 लाख करोड़ रुपये के 208 प्रोजेक्ट्स की सिफारिश

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम गति शक्ति ने भारत के बुनियादी ढांचे की तस्वीर बदलने और कनेक्टिविटी को बढ़ाने में अहम रोल निभाया है। इस पहल के तहत अबतक सड़क और रेलवे सहित विभिन्न मंत्रालयों की 15.39 लाख करोड़ रुपये की कुल 208 बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को मंजूरी देने की सिफारिश की गई है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि इन परियोजनाओं की अनुशंसा 13 अक्टूबर, 2021 को शुरू की गई पीएम गतिशक्ति पहल के तहत गठित नेटवर्क प्लानिंग समूह (एनपीजी) द्वारा की गई है। इस समूह के अनुशंसित परियोजनाओं में अधिकतम संख्या सड़क 101, रेलवे 73, शहरी विकास 12 और तेल एवं गैस मंत्रालय से

संबंधित चार परियोजनाएं हैं। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह ने कहा कि पीएम गति शक्ति पहल के तहत अबतक 15.39 लाख करोड़ रुपये की लागत की 208 परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली के उपयोग से कई लाभ हैं, जिसमें इन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की योजना बनाने में लगने वाले समय और लागत में महत्वपूर्ण कटौती शामिल है। इसके तहत 8 बुनियादी ढांचा मंत्रालयों और 15 सामाजिक क्षेत्र मंत्रालयों के लिए एसओपी अधिसूचित किए गए हैं, जबकि अन्य मंत्रालयों और राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के लिए विकास जारी है। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म रेलवे और रोडवेज सहित विभिन्न मंत्रालयों को एकीकृत योजना और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के समन्वित निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका उद्देश्य परिवहन के विभिन्न साधनों में लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध और कुशल कनेक्टिविटी प्रदान करना है, जिससे अंतिम-मील कनेक्टिविटी बढ़े और यात्रा का समय कम हो। पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) में भारतमाला, सागरमाला, अंतर्देशीय जलमार्ग, शुष्क या भूमि बंदरगाह और उड़ान जैसी विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों की बुनियादी ढांचा योजनाओं को शामिल किया गया है। इसमें 44 केंद्रीय मंत्रालय और 36 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं और कुल 1,614 डेटा लेयर भी एकीकृत किए गए हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर घटकर 701.2 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई । विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में कमी होने से 04 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 701.2 अरब डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12.6 अरब डॉलर की बढ़त लेकर 704.9 अरब डॉलर के सार्वकालिक उच्चतम स्तर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 04 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.51 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 612.6 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार चार करोड़ डॉलर घटकर 65.7 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य

सप्ताह एसडीआर में 12.3 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह कम होकर 18.42 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 3.5 करोड़ डॉलर की गिरावट रही और यह 4.4 अरब डॉलर से घटकर 4.3 अरब डॉलर पर आ गया।

पिछले दस दिनों में हुआ 50 हजार करोड़ रुपये का व्यापार, दीवाली पर बंपर होगा कारोबार: कैट

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में पिछले दस दिनों में 50 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार हो चुका है। इस त्योहारी सीजन में लाखों लोगों को रोजगार भी मिला है। अब दीपावली पर बंपर व्यापार होने की संभावना है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़ा उछाल आ सकता है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक सीट से भाजपा के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने जारी एक बयान में यह बात कही। कैट महामंत्री ने बताया कि राजधानी नई दिल्ली सहित देशभर में अगले एक महीने तक त्योहारों की धूम रहेगी। उन्होंने कहा कि पिछले दस दिनों के नवरात्र, दुर्गा पूजा, रामलीला, डांडिया एवं गरबा उत्सवों के आयोजनों एवं विभिन्न वस्तुओं की खरीदारी से अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। इन कार्यक्रमों के आयोजन से भारत की संस्कृति एवं सभ्यता को बढ़ावा मिला है। देश में व्यापार, सर्विस सेक्टर तथा अर्थव्यवस्था भी तेज़ी से मज़बूत हुई है तथा बड़े पैमाने पर कारीगरों, शिल्पकारों एवं श्रमिकों को भी बड़ा रोज़गार मिला है। सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि देशभर में बड़े पैमाने पर लाखों छोटे-बड़े उत्सवों के माध्यम से पंडाल निर्माण से लेकर मूर्ति निर्माण, सजावट, भोजन, कपड़े, बिजली व्यवस्था, पूजा सामग्री, फल-फूल और सेवाओं से जुड़े कई व्यवसायों को बड़े पैमाने पर काम मिला है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि कैट के एक अनुमान के अनुसार पिछले दस दिनों में दिल्ली सहित देशभर में इन उत्सवों के कारण लगभग 50 हज़ार करोड़ रुपये का व्यापार हुआ है। अब कल से अगले एक महीने तक देशभर में दीपावली त्योहार की खरीदारी को लेकर बाजारों में काफी चहल-पहल रहेगी।

कारीगरों और श्रमिकों को मिला रोजगार का बड़ा अवसर-

कैट महामंत्री ने कहा कि देशभर में दुर्गा पूजा, रामलीला तथा नवरात्रि के पंडालों की भव्य सजावट और मूर्ति निर्माण में बड़ी संख्या में स्थानीय कारीगरों ने भाग लिया। पंडालों के निर्माण, बिजली व्यवस्था, सजावट और अन्य सहायक सेवाओं के लिए कारीगरों को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिले हैं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से मूर्ति निर्माण में लगे कलाकारों और कारीगरों के लिए यह समय विशेष लाभकारी साबित हुआ है, जिनकी मेहनत और कला ने इन आयोजनों को भव्य रूप प्रदान किया।

बाजारों में आई तेजी और विभिन्न उद्योगों को मिला लाभ-

खंडेलवाल ने कहा कि दुर्गा पूजा, नवरात्रि और रामलीला के दौरान देशभर के बाजारों में उपभोक्ता गतिविधियों में बड़ी तेजी आई है। कपड़े, आभूषण, सजावटी वस्तुएं, पूजा सामग्री, बिजली के सामान, साउंड और लाइटिंग तथा खाद्य वस्तुओं से जुड़े कारोबारों ने भारी मुनाफा कमाया है। इन त्योहारी सीजन में विशेष रूप से पारंपरिक और आधुनिक वस्त्रों, आभूषणों, और घरेलू सजावट के सामानों की खरीदारी में उछाल देखा गया है। देशभर में हजारों पंडालों और रामलीलाओं के मंचन से छोटे और मंझोले उद्योगों को महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

स्थानीय और शिल्प कारीगरों का विशेष महत्व-

उन्होंने कहा कि रामलीला, दुर्गा पूजा और नवरात्रि के दौरान विभिन्न प्रकार की मूर्तियों और पंडालों की सजावट के लिए स्थानीय शिल्प कारीगरों और हस्तशिल्प कलाकारों का विशेष योगदान रहा। वहीं, उनकी कला और कौशल ने इन कार्यक्रमों को और अधिक आकर्षक और मनमोहक बनाया। इन कारीगरों को इस अवसर पर विशेष रोजगार मिला, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।खंडेलवाल ने बताया कि रामलीला के भव्य मंचनों ने देशभर के छोटे और बड़े शहरों में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा दिया। रामलीला के आयोजन स्थलों के आसपास के होटल, रेस्टोरेंट, परिवहन सेवाएं और अन्य पर्यटन सेवाएं भी फलफूल रही हैं।

अक्टूबर में सेलर बने विदेशी निवेशक, सिर्फ 9 दिन में की 58,394 करोड़ की बिकवाली

एजेंसी

नई दिल्ली। अक्टूबर के महीने में विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अभी तक भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के दौरान विदेशी निवेशकों ने 27,674 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की। सिर्फ शुक्रवार को ही विदेशी निवेशकों ने दिन भर में 4,163 करोड़ रुपये की बिकवाली की। अक्टूबर के महीने में अब तक कुल 9 दिन कारोबार हुआ है। इन 9 दिनों में विदेशी निवेशक एकतरफा बिकवाली करते रहे हैं। इस दौरान उन्होंने भारतीय शेयर बाजार में 58,394.56 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की।

स्टॉक एक्सचेंज के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर के महीने में विदेशी संस्थागत निवेशक जहां अंधाधुंध बिकवाली करते रहे, वहीं घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) खरीदारी करके लगातार शेयर बाजार को सपोर्ट देने की कोशिश करते रहे। सिर्फ शुक्रवार को ही घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 3,731 करोड़ रुपये की खरीदारी की। अक्टूबर के महीने में अभी तक घरेलू संस्थागत निवेशक

करीब 57,792.20 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी कर चुके हैं।

स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों को देखें तो इस साल विदेशी संस्थागत निवेशक कुल 1.97 लाख करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली कर चुके हैं। दूसरी ओर घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस अवधि में 4.76 लाख करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की है। इस आंकड़े से साफ है कि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने विदेशी निवेशकों की बिकवाली की तुलना में दो गुना से अधिक खरीदारी करके घरेलू शेयर बाजार को लगातार सपोर्ट देने की कोशिश की है। घरेलू निवेशकों की इस खरीदारी के कारण शेयर बाजार न केवल बड़ी गिरावट से बच गया, बल्कि बाजार में लगातार तेजी का रुख भी बना रहा। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि पिछले कुछ सालों के दौरान घरेलू शेयर बाजार के कारोबार के तरीके में बदलाव आया है। पहले विदेशी संस्थागत निवेशकों की मर्जी के हिसाब से शेयर बाजार में कारोबार होता था। विदेशी निवेशक कभी भी जोरदार खरीदारी करके बाजार की चाल को तेज कर देते थे, वहीं कभी भी बाजार में जबरदस्त बिकवाली करके शेयर बाजार को ध्वस्त कर देते थे। ऐसा होने से छोटे और खुदरा निवेशकों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ता था धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि पिछले कुछ सालों के केंद्र सरकार ने घरेलू संस्थागत निवेशकों को प्रोत्साहन देने की नीति अपना ली है, जिसकी वजह से शेयर बाजार की स्थिति में बदलाव हुआ है। केंद्र से मिले प्रोत्साहन के कारण घरेलू संस्थागत निवेशक मजबूती के साथ बाजार में पोजीशन बनाने लगे हैं। अब जितने आक्रामक तरीके से विदेशी निवेशक शेयर बाजार में बिकवाली करते हैं, उतनी ही तेजी से घरेलू संस्थागत निवेशक खरीदारी करने लगते हैं। इसी तरह जब विदेशी निवेशक आक्रामक अंदाज में खरीदारी करते हैं, तो घरेलू संस्थागत निवेशक बिकवाली करके न केवल मुनाफा कमाते हैं, बल्कि बाजार का बैलेंस बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। धामी का कहना है कि घरेलू संस्थागत निवेशकों की इसी भूमिका की वजह से भारतीय बाजार में पिछले कुछ सालों से अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव होना लगभग बंद हो गया है। काफी विपरीत परिस्थिति बनने पर भी शेयर बाजार में अधिकतम डेढ़ से दो प्रतिशत का उतार चढ़ाव ही होता है। हालांकि इतना उतार-चढ़ाव भी यदा कदा ही होता है। साफ है कि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के तहत घरेलू संस्थागत निवेशकों को मिल रहे प्रोत्साहन के कारण अब घरेलू शेयर बाजार की स्थिति में काफी परिवर्तन हुआ है। इसकी वजह से विदेशी संस्थागत निवेशक अपनी मर्जी से भारतीय शेयर बाजार को चलाने की स्थिति में नहीं रह गए हैं। ऐसा होने से विशेष रूप से छोटे और खुदरा निवेशकों का हित भी सुरक्षित हुआ है।

त्योहारी सीजन शुरू होते ही सजने लगा ड्राई फ्रूट मार्केट, 5 साल में 25 प्रतिशत बढ़ी मेवों की खपत

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन की शुरुआत होते ही देश में ड्राई फ्रूट (मेवा) मार्केट भी सजने लगा है। धनतेरस से लेकर दिवाली तक और फिर शादी के सीजन में ड्राई फ्रूट्स की जमकर खरीदारी होती है। इसके साथ ही सेहत के प्रति लोगों की जागरूकता जैसे-जैसे बढ़ी है, वैसे-वैसे लोगों के खान-पान की शैली में भी बदलाव आया है और खान-पान में ड्राई फ्रूट्स ने मजबूती के साथ अपना स्थान बना लिया है। मार्केट एक्सपर्ट्स मुताबिक पिछले 5 साल की अवधि में भारत में ड्राई फ्रूट्स की खपत में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। खासकर पिछले 2 साल से देश में ड्राई फ्रूट्स का मार्केट सालाना 8 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रहा है। सेहत के प्रति जागरूकता और लोगों की आय में हुई बढ़ोतरी की वजह से भी ड्राई फ्रूट्स की मांग में तेजी आई है। मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक देश में ड्राई फ्रूट्स की घरेलू जरूरत को पूरा करने के लिए भी अंतरराष्ट्रीय बाजार से होने वाले आयात पर ही निर्भर करना पड़ता है। भारत फिलहाल दुनिया का सबसे बड़ा ड्राई फ्रूट इंपोर्टर है। ग्लोबल इंपोर्ट में भारत की हिस्सेदारी 11.2 प्रतिशत की है। फिलहाल भारत सबसे अधिक अमेरिका से ड्राई फ्रूट्स का आयात करता है। 2023-24 में भारत ने ड्राई फ्रूट्स का आयात करने के लिए ग्लोबली 2.85 बिलियन डॉलर का खर्च किया था। ये स्थिति भी तब है, जब भारत में खुद भी काजू और किशमिश जैसे ड्राई फ्रूट्स का भारी मात्रा में उत्पादन होता है। इसके साथ ही अखरोट और बदाम का भी देश के कुछ हिस्सों में उत्पादन होता है। ड्राई फ्रूट्स के इंपोर्ट में सबसे बड़ी हिस्सेदारी काजू की है। देश के कुल ड्राई फ्रूट इंपोर्ट में लगभग 50 प्रतिशत हिस्सेदारी काजू की है। 2023-24 में देश में भारत में उत्पादित काजू और आयातित काजू को मिला कर काजू का ही कुल 2.40 बिलियन डॉलर का कारोबार हुआ था।

पेट दर्द से परेशान था शख्स, डॉक्टर्स ने की जांच, तो आंत में दौड़ रहा था कॉकरोच ! जानें हैरान करने वाला मामला

दिल्ली के एक हॉस्पिटल से हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां एक शख्स के पेट में जिंदा कॉकरोच मिलने से डॉक्टर भी हैरान रह गए. इसके बाद एंडोस्कोपी के जरिए पेट से कॉकरोच को निकाला गया.

एक 23 साल का शख्स कुछ दिनों से पेट दर्द, इनडाइजेशन और ब्लोटिंग की समस्या से जूझ रहा था. जब समस्या बढ़ी, तो उसने हॉस्पिटल जाकर चेकअप कराने का फैसला किया. जब वह दिल्ली के वसंत कुंज स्थित फोर्टिस हॉस्पिटल पहुंचा, तो डॉक्टर्स को उसके पेट में हैरान करने वाली चीज नजर आई. स्कैन में पता चला कि शख्स की आंत में जिंदा कॉकरोच घूम रहा था, जिसकी वजह से परेशानी हो रही थी. कॉकरोच को देखकर डॉक्टर्स भी हैरान रह गए और उन्होंने तुरंत एंडोस्कोपी कर कॉकरोच को बाहर निकाल दिया. तब जाकर मरीज की जान बची.

दिल्ली के वसंत कुंज के फोर्टिस हॉस्पिटल में गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी डिपार्टमेंट के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. शुभम वत्स्य ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि 23 साल के एक युवक को दो-तीन दिनों से खाने के बाद अपच, पेट में दर्द और सूजन की समस्या हो रही थी और परेशानी बढ़ी, तो वह जांच के लिए हॉस्पिटल आया. जब उसके पेट का स्कैन किया गया, तो छोटी आंत में तीन सेंटीमीटर का एक कॉकरोच घूम रहा था. मरीज को यह पता ही नहीं चला कि कब कॉकरोच उसके पेट में पहुंच गया. डॉक्टर्स भी यह देखकर हैरान रह गए कि इतने दिनों तक कॉकरोच पेट में जिंदा कैसे रहा.

यह देखकर डॉक्टर्स ने आनन-फानने में एंडोस्कोपी का सहारा लिया और 10 मिनट के अंदर कॉकरोच को बाहर निकाल लिया. अपर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (GI) एंडोस्कोपी एक ऐसा प्रोसीजर है, जिसमें लढ्ढू ट्रैक्ट के ऊपरी हिस्से की जांच की जाती है. इस प्रक्रिया में एक एंडोस्कोप का उपयोग किया जाता है, जिसमें दो चैनल होते हैं. एक चैनल हवा और पानी डालने के लिए होता है, जबकि दूसरा चैनल हवा के द्वारा चीजों को बाहर निकालने के लिए होता है. डॉक्टर्स ने इसी प्रक्रिया से कॉकरोच को बाहर निकाला. जैसे ही कॉकरोच पेट से बाहर निकला, वैसे ही मरीज को राहत मिल गई.

डॉक्टर्स ने बताया कि अगर को छोटी आंत से कॉकरोच को जल्द से जल्द बाहर नहीं निकाला जाता, तो शख्स की कंडीशन सीरियस हो सकती थी. जिंदा कॉकरोच छोटी आंत में कई तरह की गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता था. इसलिए डॉक्टर्स ने पता लगते ही कॉकरोच को तुरंत बाहर निकालने का फैसला लिया और इससे युवक की जान बच गई. हालांकि युवक को यह पता नहीं है कि कॉकरोच उसके पेट में कैसे पहुंचा. यह मामला फिलहाल चर्चाओं का विषय बना हुआ है.

किसानी को महिलाएं ही बचा सकती हैं

मिट्टी की बड़ी कोठियों में, लकड़ी के पटाव पर, मिट्टी की हंडी में व ढोलकी में बीज रखे जाते थे। इसके अलावा, तूमा (लौकी की एक प्रजाति) बांस के खोल में बीजों का भंडारण किया जाता था। इसी प्रकार, बीजों को धूप में सुखा कर, कोठी या भंडारण के स्थान पर धुआं किया जाता था, जिससे पतंगे या घुन नहीं लगता। कीड़ों से बचाव के लिए लकड़ी या गोबर से जली राख या रेत भी बीजों में मिलाते हैं।

परंपरागत खेती-किसानी का अधिकांश कार्य महिलाओं पर निर्भर रहा है। वे खेत में बीज बोने से लेकर उनके संरक्षण, संवर्धन और भंडारण तक का काम बड़े जतन से करती हैं। पशुपालन से लेकर विविध तरह की हरी सब्जियां व फलदार वृक्ष लगाना व उनके परवरिश का काम करती हैं। जंगलों से फल-फूल, पत्ती के गुणों की पहचान करना व संग्रह करने में उनकी प्रमुख भूमिका रही है। वे जैव विविधता की संरक्षक रही हैं। आज इस कॉलम में खेती में उनके योगदान को याद करना चाहूंगा, जिससे अभूतपूर्व संकट के दौर से गुजर रही खेती को समझा जा सके, बचाया जा सके।मैंने पिछले कुछ बरसों से देश भर में घूम-घूमकर खेती को नजदीक से देखा-समझा है। किसानों के खेतों में गया हूं और उनसे मिलकर खेती के बारे में जाना है। महिला किसानों से भी चर्चा की है। इस आधार पर खेती में उनके योगदान पर कुछ बातें कही जा सकती हैं।कड़कड़ाती ठंड हो या मूसलाधार बारिश या फिर चिलचिलाती तेज धूप महिलाएं सभी परिस्थितियों में खेती का काम करती रही हैं। खेती के विकास में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, भोजन के लिए ईंधन जुटाना, खाना बनाना, मवेशियों को खेतों से घास लाना, खेतों में काम करने जाना और फिर खेत से आकर घर का काम करना आदि उनकी जिम्मेदारियों में शामिल है।निंदाई-गुड़ाई के दौरान विजातीय पौधे और खरपतवार को फसल से अलग करना भी उनके काम का हिस्सा हुआ करता था। जब पौधों में फूल आ जाते हैं तब वे ऐसे विजातीय पौधों को आसानी से पहचान कर अलग कर देती थीं। कुछ फसलों में निंदाई-गुड़ाई तीन-चार बार करनी पड़ती थी। यह काम भी वे करती थीं। लेकिन अब नींदानाशक आने से उनकी भूमिका कम हो गई है।

इसके अलावा, बीजों के चयन में उनकी खास भूमिका होती थी। पहले खेतों में ही बीजों का चयन हो जाता था, इसमें देखा जाता था कि सबसे अच्छे स्वस्थ पौधे कि खेत में हैं। किस खेत के हिस्से में अच्छी बालियां हैं। वहां किसी तरह के कमजोर और रोगी पौधे नहीं होने चाहिए। अगर ऐसे पौधे फसलों के बीच होते थे तो उन्हें हटा दिया जाता था। फिर अच्छी बालियों को छांटकर उन्हें साफ कर और सुखा लिया जाता था। इसके बाद बीजों का भंडारण किया जाता था। इन सब कामों में महिलाओं की प्रमुख भूमिका होती थी।बीज भंडारण, पारंपरिक खेती का एक अभिन्न हिस्सा है। अलग-अलग परिस्थिति और संस्कृति के अनुरूप किसानों ने बीजों की सुरक्षा के कई तरीके और विधियां विकसित की हैं। मक्का के बीज को घुन और खराब होने से बचाने के लिए चूल्हे के ऊपर छींके पर रखते हैं और सतपुड़ा अंचल में खुले में मक्के के भुट्टे को खंबे को छिलका समेत उल्टे लटका कर रखते हैं। छिलका बरसाती या छाते का काम करता है और बारिश का पानी भी उन्हें खराब नहीं कर पाता।

मिट्टी की बड़ी कोठियों में, लकड़ी के पटाव पर, मिट्टी की हंडी में व ढोलकी में बीज रखे जाते थे। इसके अलावा, तूमा (लौकी की एक प्रजाति) बांस के खोल में बीजों का भंडारण किया जाता था। इसी प्रकार, बीजों को धूप में सुखा कर, कोठी या भंडारण के स्थान पर धुआं किया जाता था, जिससे पतंगे या घुन नहीं लगता। कीड़ों से बचाव के लिए लकड़ी या गोबर से जली राख या रेत भी बीजों में मिलाते हैं।बीज के अभाव में बीजों का आदान-प्रदान हुआ करता था। कई बार महिलाएं उनके मायके से ससुराल बीज ले आती थीं। और कुछ हद तक यह सिलसिला अब भी जारी है। खासतौर से सब्जियों के बीज की अदला-बदली रिश्तेदार और परिवारजनों में होना आम बात थी।हाल ही में छत्तीसगढ़ में कुनकुरी के पास एक गांव में एक किसान से मिला था।

उन्होंने बताया कि उनके पास मक्का व बरबटी का बीज उनके पुरखों के जमाने का है। यह देसी बीज वे पीढ़ियों से इस्तेमाल करते हैं। हर साल बोते हैं और बीज के लिए बचाकर रखते हैं। यानी बीज उनके पुरखों की विरासत भी है, और उसके साथ उसे बोने से लेकर भंडारण तक का परंपरागत ज्ञान भी उनके पास है।धान रोपाई का काम तो महिलाएं करती हैं। जब वे रंग-बिरंगे कपड़ों में गीत गाते हुए धान रोपाई करती हैं तो देखते ही बनता है। इनमें कई स्कूली लड़कियां भी होती हैं। वे स्कूल में भी पढ़ती हैं और खेतों में भी काम करती हैं। लड़कियां कृषि में ज्ञान और कौशल सीखती हैं। सतपुड़ा अंचल में धान रोपाई को स्थानीय भाषा में लबोदा कहा जाता है।पहले हर घर में सब्जी बाड़ी (किचन गार्डन) हुआ करती थी, जिसे जैव विविधता का केन्द्र भी कहा जा सकता है। इसमें कई तरह की हरी सब्जियां, मौसमी फल और मोटे अनाज लगाए जाते थे। जैसे भटा, टमाटर, हरी मिर्च, अदरक, भिंडी, सेमी (बल्लर), मक्का, ज्वार आदि होते थे। मुनगा, नींबू, बेर, अमरूद आदि बच्चों के पोषण के स्रोत होते थे। इसमें न अलग से पानी देने की जरूरत थी और न खाद की। जो पानी रोजाना इस्तेमाल होता था उससे ही बाड़ी की सब्जियों की सिंचाई हो जाती थी। लेकिन इनमें कई कारणों से कमी आ रही है। ये सभी काम महिलाएं ही करती थीं। हालांकि, अब भी कई इलाकों में सब्जी बाड़ी की जाती हैं।सब्जी बाड़ी में अदरक, तुलसी, पुदीना, हल्दी जैसे औषधीय महत्व के पौधे भी होते थे, जो पारंपरिक चिकित्सा व नुस्खों में काम आते थे। इसके अलावा, जंगल में औषधीय पौधों, फलों व जड़ी-बूटियों की जानकारी भी महिलाओं को होती है। वे कई तरह के औषधीय पौधों के गुणधर्म जानती हैं, और कई छोटी-मोटी स्वास्थ्य समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान कर लेती हैं।जंगल क्षेत्र में रहने वाले लोगों की आजीविका जंगल पर ही निर्भर है। खेत और जंगल से उन्हें काफी अमौद्रिक चीजें मिलती हैं, जो पोषण के लिए निःशुल्क और प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होती हैं। ये सभी चीजें उन्हें अपने परिवेश और आस-पास से मिल जाती है। जैसे बेर, जामुन, अचार, आंवला, महुआ, मकोई, सीताफल, आम, शहद और कई तरह के फल-फूल, जंगली कंद और हरी पत्तीदार भाजियां सहज ही उपलब्ध हो जाती हैं। यानी खेती एक तरह की जीवन पद्धति है जिसमें जैव विविधता का संरक्षण होता है। मिट्टी, पानी और पर्यावरण का संरक्षण होता है और इन सबमें महिलाओं की भूमिका अहम है।कुछ समय पहले मैं उत्तराखंड गया था, वहां अधिकांश गांवों के लोग रोजगार की तलाश में शहरों में पलायन कर गए हैं। वहां महिलाओं ने घर में बच्चों की परवरिश के साथ खेती की जिम्मेदारी भी संभाली। बल्कि खेती ही उनकी आजीविका का प्रमुख स्रोत था, और बच्चों की परवरिश भी इसी कारण हो पा रही थी।

यहां अल्मोड़ा जिले में श्रमयोग संस्था ने महिलाओं को हल्दी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। सल्ट का क्षेत्र हल्दी व पीली मिर्ची के लिए प्रसिद्ध रहा है इसलिए यहां संस्था ने हल्दी, पीली मिर्च और अदरक की खेती पर जोर दिया। इसके अलावा, दालें, मसूर, उड़द, गहथ, भंगजीर, जख्या, काला भट्ट, धनजीरा की खेती भी की जाती है।सब्जियों में ओगल, मूली, राई, धनिया, पालक, बैंगन, भिंडी, छिमी, कद्दू, चिचिंडा, बिन इत्यादि। श्रमयोग संस्था ने महिला किसानों के उत्पाद को उचित दाम मिले, यह सुनिश्चित किया है। हल्दी के अलावा, मंडुवा, दालें, जख्या, इत्यादि को वैकल्पिक बाजार से जोड़ा है। स्थानीय बाजार के अलावा दिल्ली, मुम्बई, बेंगलुरू, देहरादून जैसे महानगरों में श्रम उत्पाद बेचे जाते हैं और अच्छा लाभ भी कमाया। इससे परिवारों की आमदनी भी बढ़ी और महिलाओं में आत्मविश्वास भी आया।

संपादकीय

महंगाई की फिक्र

ऐसे वक्त में जब भारतीय बाजार त्योहार की रंगत में रंगने लगे हैं और कारोबारियों को बेहतर कारोबार की उम्मीद है, भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को लेकर फिक्रमंद है। उसे चिंता है कि महंगाई बढ़ी तो त्योहार की रौनक प्रभावित हो सकती है। तभी मौद्रिक नीति की घोषणा करते वक्त केंद्रीय बैंक ने रेपो दर को यथावत बनाये रखा है। बहरहाल, ये आने वाला वक्त बताएगा कि रिजर्व बैंक किस हद तक महंगाई पर नियंत्रण रखने में सफल हो पाता है। दरअसल, केंद्रीय बैंक का लक्ष्य है कि महंगाई की दर को चार फीसदी से नीचे रखी जाए। चिंता जतायी जा रही है कि आने वाले दो वर्ष में यह दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। जब दो साल पहले खुदरा महंगाई की दर सात फीसदी के करीब पहुंच गई थी तो केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक उपायों से महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया। बैंक ने धीरे-धीरे रेपो दर में वृद्धि की थी। फिलहाल छह बार की बढ़ोतरी से फिलहाल इस दर में करीब ढाई फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। अब महंगाई बढ़ने की फिक्र में केंद्रीय बैंक ने दसवीं बार रेपो दर को यथावत रखा है। जो फिलहाल साढ़े छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि आने वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक यदि उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई की फिक्र में थमे कदम हैं। बैंक का आकलन है कि यदि हम महंगाई की दर को अपने लक्ष्य चार फीसदी से कम लाने में कामयाब हो जाते हैं तो देश की विकास दर के ऊंचे लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। इतना ही नहीं, विकास दर दो अंकों का आंकड़ा छू सकती है। वैसे जिस तरह कोविड संकट से उबरती दुनिया को रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिम एशिया के संकट से जूझना पड़ रहा है, भारत उससे अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है।

यह एक हकीकत है

कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश मंदी के संकट से जूझ रहे हैं, भारत मंदी के दुष्प्रभाव से अर्थव्यवस्था को बचा पाया है। निस्संदेह, हमारी मौद्रिक नीतियां आर्थिकी को स्थायित्व प्रदान करने में किसी हद तक सफल रही हैं। यही वजह है कि संवेदनशील आर्थिकी के वैश्विक परिदृश्य में केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीतियों में बदलाव से परहेज किया है। निस्संदेह, भारत इस समय दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। इस स्थिति को बनाए रखने के लिये खासी सावधानी भी जरूरी है। लेकिन ऊंची रेपो दर का नुकसान देश के उन उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है, जो घर-वाहन लोन की ईएमआई कम होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हालांकि, देश के बुजुर्गों को बचत खाते में अधिक ब्याज मिलने से लाभ जरूर हो रहा है। लेकिन महंगाई का प्रभाव तो समाज के हर वर्ग पर पड़ रहा है। वहीं थोक व फुटकर की महंगाई के आंकड़े भले ही इसके कम होने की बात कर रहे हों, लेकिन व्यवहार में फल-सब्जी व खाद्य पदार्थों की महंगाई उपभोक्ताओं के बजट को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर कर्ज लेने वाले लोगों को बढ़ी किस्तें भी परेशान कर रही हैं। कारोबारी और कामकाजी लोग काफी समय से आस लगाए बैठे थे कि यदि रिजर्व बैंक रेपो दरों में कुछ कमी करता है तो ऋण सस्ते होने से उनके कर्ज की किस्त कुछ हल्की हो जाएगी। लेकिन महंगाई की चिंता कर रहा केंद्रीय बैंक ऐसे किसी कदम को उठाने से परहेज कर रहा है। लेकिन एक बात तो तय है कि महंगाई दर में कमी के दावों का अहसास आम आदमी को भी होना चाहिए। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि महंगाई के आंकड़ों पर काबू पाने का वास्तविक लाभ आम उपभोक्ता को कैसे और कब मिलेगा। कोशिश की जानी चाहिए कि त्योहार के मौसम में आम आदमी को दैनिक उपभोग की वस्तुएं मसलन खाद्यान्न, सब्जी-फल, डेरी उत्पाद व खाद्य तेल वाजिब दामों में मिले। तभी महंगाई पर नियंत्रण के सरकारी दावे सिरे चढ़ सकेंगे।

रतन टाटा: दिखावे से दूर एक शालीन उद्योगपति

जेआरडी स्पष्ट रूप से करिश्माई थे लेकिन रतन टाटा अभी भी एक शालीन नेता के रूप में खड़े थे जिन्होंने आज की बड़बोली और तेजतर्रार व्यापारिक दुनिया में शिष्टता और समझदार तरीके को बनाए रखा था। एक ऐसे युग में जब व्यापारिक नेता सोशल मीडिया पर अनिवार्य रूप से बोलते हैं, अपनी भड़कीली रुचियों के बारे में बताते हैं या अपनी पहुंच और शक्ति का प्रदर्शन करते हैं, तो ऐसे मामलों में रतन टाटा अलग थे।पद्म विभूषण रतन नवल टाटा का निधन टाटा समूह और भारतीय व्यापार व उद्योग की व्यापक दुनिया के लिए एक युग का अंत है। टाटा समूह का उन्होंने दो दशकों से अधिक समय तक नेतृत्व किया। टाटा समूह के प्रमुख के रूप में रतन टाटा का कार्यकाल उदारीकरण के युग के साथ का सह-टर्मिनस था जिसने भारतीय व्यापार परिदृश्य को नाटकीय रूप से बदल दिया और उसे साहसिक दांव, गहरे बदलाव और नई दिशाओं में ले गया। इनमें से कुछ भी आसान नहीं था, विशेष रूप से यह देखते हुए कि रतन टाटा को उस समूह को स्थानांतरित करने का काम सौंपा गया था जो हिंदू विकास दर की भारतीय कहानी का इतर हिस्सा था। उन्होंने इसे तेजी से आगे बढ़ाने और उच्च स्तर पर देखने की जिम्मेदारी उठाई।

इसका मतलब था बदलाव करना। अर्थात रतन टाटा पहले टाटा कंपनी को पुराने नियंत्रण से मुक्त कर अपने पूर्ण नियंत्रण ले सकें और फिर संगठन को दायरे और आकार पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर सकें। दुनिया की सबसे सस्ती कार का निर्माण (या लोगों की कार, जैसा नैनो को कहा जाता था), सॉफ्टवेयर दिग्गज टीसीएस को सार्वजनिक करना, टेटली और जगुआर लैंड रोवर को खरीदना उनके करियर की कुछ झलकियां हैं जिन्होंने समूह को हिलाकर रख दिया लेकिन इसके बावजूद जहाज को स्थिर रखा।यह एक चुनौतीपूर्ण यात्रा थी। रतन टाटा शांति के साथ काम करना पसंद करते थे इसलिए इस यात्रा को इसके सभी विस्तार के साथ कभी भी पूरी तरह से नहीं बताया गया। अपने पूर्ववर्ती जेआरडी टाटा के आकर्षण और चुंबकत्व के बिल्कुल विपरीत रतन टाटा अपने पूरे जीवन में अंतर्मुखी बने रहे।जेआरडी स्पष्ट रूप से करिश्माई थे लेकिन रतन टाटा अभी भी एक शालीन नेता के रूप में खड़े थे जिन्होंने आज की बड़बोली और तेजतर्रार व्यापारिक दुनिया में शिष्टता और समझदार तरीके को बनाए रखा था। एक ऐसे युग में जब व्यापारिक नेता सोशल मीडिया पर अनिवार्य रूप से बोलते हैं, अपनी भड़कीली रुचियों के बारे में बताते हैं या अपनी पहुंच और शक्ति का प्रदर्शन करते हैं, तो ऐसे मामलों में रतन टाटा अलग थे। वे हमेशा सुर्खियों से दूर और अलग-थलग रहे। लगभग बंद दरवाजों के पीछे उन्होंने अपने जीवन के 86 साल बिताये।टाटा समूह के जाने-माने इतिहासकार स्वर्गीय रूसी एम लाला ने एक बार बातचीत में कहा था- %रतन टाटा के पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है,% और यह कि %जेआरडी को रतन पर गर्व होगा।% लाला ने कहा था, %कुछ अर्थों में यह हो सकता है या यह तर्क देना संभव है कि रतन ने जो हासिल किया है- बिना करिश्मे, व्यक्तित्व या जेआरडी के चुंबकत्व के- वह जेआरडी की उपलब्धि से अधिक है। हालांकि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जेआरडी लाइसेंस राज से बंधे थे जबकि रतन उदारीकृत युग के तहत प्रदर्शन करने के लिए अपेक्षाकृत स्वतंत्र थे।%टाटा समूह के अंदरूनी सूत्र के इस आकलन ने रतन टाटा की अनूठी उपलब्धियों के बारे में बहुत कुछ कहा। ये बातें उस समय कही गई थीं जब रतन टाटा ने अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा की थी और सायरस मिस्त्री को अध्यक्ष नामित किया गया था। उत्तराधिकार की यह कहानी जो अंततः समूह के लिए, सायरस मिस्त्री के लिए और व्यक्तिगत रूप से रतन टाटा के लिए बहुत गलत साबित हुई। फिर भी रतन टाटा इस झटके से भी उभरे और समूह को लगातार स्थिर रखा। उन्होंने 2017 में समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा सन्स के अध्यक्ष के रूप में टीसीएस के तत्कालीन अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन चंद्रशेखरन को नियुक्त किया और खुद चेयरमैन एमेरिटस का पद संभाला।चंद्रशेखरन ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा है- %टाटा समूह के लिए श्री टाटा एक चेयरपर्सन से कहीं अधिक थे। मेरे लिए वे एक संरक्षक, मार्गदर्शक और दोस्त थे। वे उदाहरण बनकर प्रेरित करते थे। टाटा समूह ने उनके नेतृत्व में उत्कृष्टता, सत्यनिष्ठा और नवाचार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ अपनी नैतिकता के प्रति हमेशा सचे रहते हुए अपने वैश्विक पदचिह्न का विस्तार किया।%चंद्रशेखरन का बयान इस मायने में महत्वपूर्ण है कि आज के भारत में भी नैतिक दिशा को बनाए रखते हुए विकास की कहानी लिखी जा सकती है। अगर हम कुछ संदेह की गुंजाइश देते हैं तो जिस तरह से सायरस मिस्त्री को हटाया गया या राडिया टेप की कहानी ने टाटा समूह की ओर ध्यान आकर्षित किया था, तो भी इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि टाटा समूह मूल्यों के साथ रहने, ईमानदारी के साथ काम करने और इन सबसे ऊपर- सही जगह पर दिल से काम करने के लिए खड़ा है।टाटा समूह की सकल संपत्ति के किसी भी मूल्यांकन के लिए वित्तीय पंडित इस महत्वपूर्ण मुद्दे को जोड़ सकते हैं। टाटा समूह के मामले में इस तरह की अप्रत्यक्ष संपत्ति किसी बड़ी प्रत्यक्ष संपत्ति से अधिक हो सकती है। आज के समय में विशेष रूप से शासन के मुद्दों से चिह्नित वातावरण में इस कहानी को इतने लंबे समय तक बनाए रखना अपने आप में एक उपलब्धि है।

कई साल पहले बॉम्बे हाउस में एक इन-कैमरा साक्षात्कार में उन्होंने इस लेखक से समूह के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में खुल कर कहा था-%हमारे सामने आने वाली चुनौतियां मूल रूप से एक बहुत अधिक खुले और कड़े प्रतिस्पर्धी बाजार की चुनौतियां हैं जो हमें अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने का कारण बनेंगी। चुनौतियां तो लगातार बढ़ती रहेंगी लेकिन शेयरधारक मूल्य को बढ़ाने और कंपनी के सभी हितधारकों के प्रति निष्पक्ष होते हुए हमें अपने उन मूल्यों और परंपराओं को ब6नाए रखते हुए बढ़ना जारी रखना है जो हमारे पास हैं%इंटरव्यू के दौरान रतन टाटा ने पानी पिलाने के लिए कहा। एक वर्दी वाला कर्मचारी आया। टाटा उनकी ओर मुड़े और उससे कहा धन्यवाद और फिर साक्षात्कार जारी रखा। यह कहा जा सकता है .

आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं।

ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शालाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बाया छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायी नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते है।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमशः चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते हैं। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।

एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

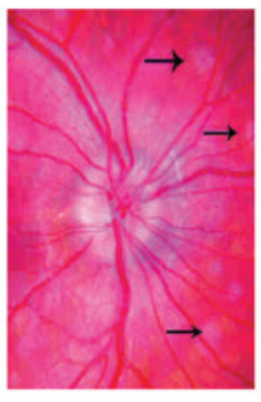

रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन हैं, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पतेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई-20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइस्मिक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूकटोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।

बच्चों के विकास में हो रही देरी को समझें और ले जाएं उन्हें सफलता के रास्ते पर

हर बच्चे को स्नेह, प्रोत्साहन और सहारे की जरूरत होती है। खासतौर से जिन बच्चों के विकास में थोड़ी देरी हो रही है, उनके लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस तरह के सकारात्मक सहयोग के जरिए ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि ऐसे बच्चे भी बड़े होकर आत्मविश्वास से भरपूर होंगे, उनके भीतर खुद की क्षमताओं को समझने की ताकत होगी और विषम परिस्थितियों के बाद भी उनके अंदर आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प होगा। बालपन की शुरुआत में ही बच्चे के बोलने, चलने, खुद का ख्याल रखने, खेलने जैसी कुछ क्रियात्मक बातों पर ध्यान देकर पैरेंट्स यह नोटिस कर सकते हैं कि बच्चे का विकास मानकों के अनुरूप हो रहा है कि नहीं। इसके अलावा इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी भी एक ऐसी स्थिति है, जिसकी शुरुआत बालपन में होती है और जिसमें बच्चे के सीखने ओर समझने की सीमित क्षमताओं को पहचाना जा सकता है। ज्यादा गंभीर स्थिति वाले मामलों की पहचान बच्चे के जन्म के पहले साल के अंदर ही हो जाती है। कम गंभीर मामलों में बच्चे के संज्ञानात्मक विकास पर पड़ रहे असर का पहला लक्षण स्कूल की शुरुआत में हो रही दिक्कतों के जरिए पहचाना जा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर बच्चे को पढ़ने में या गणित के सवालों को हल करने में दिक्कत हो रही है, तो इस बात को नोटिस किया जा सकता है। कुछ पैरेंट्स यह भी नोटिस कर सकते हैं कि उनके एक बच्चे का डिवेलपमेंट दूसरे बच्चे के मुकाबले धीमे हो रहा है। एक तरह से देखा जाए, तो पहले बच्चे के व्यवहार को देखकर यह पता चलता है कि उसका विकास सही तरीके से नहीं हो रहा है और फिर अंततः वह स्थिति आती है, जिसमें डॉक्टर की मदद लेनी पड़ती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बाद में बच्चे के विकास में और किस किस तरह की अड़चनें आ सकती है। पैरेंट्स होने के नाते आपको सबसे पहला काम यह पता लगाने का है कि आपका बच्चा किस तरीके से सबसे जल्दी और बेहतर ढंग से सीखता है।

विजुअल लर्नर

इसके जरिए यह पता लगाया जा सकता है कि क्या बच्चा चीजों को देखकर, पढ़कर या डाइग्राम, मैप्स, ड्रॉइंग आदि के जरिए पिक्चराइज करके चीजों को सीखता है और तब ज्यादा अच्छा काम करता है, जब मटीरियल उसके सामने रखा जाए और जिसे वह देखकर महसूस कर सके, न कि सुनकर।

ऑडिटरी लर्नर: इसमें बच्चा सुनकर ज्यादा बेहतर काम करता है, लेक्चर बेस्ड माहौल में जल्दी सीखता है। क्लासरूम डिस्कशन, मौखिक निर्देश और स्टडी ग्रुप्स के जरिए उसे फायदा मिलता है।

काइनेस्थैटिक लर्नर: इसमें बच्चा मूव करके ओर खुद से काम करके सीखता है, खुद अपने हाथों से की जाने वाली एक्टिविटीज, लैब क्लासेज, प्रॉप, स्किट्स और फील्ड ट्रिप्स से उसे लाभ मिलता है।

बच्चों को आगे बढ़ने में मदद

ऐसे में जल्द से जल्द हस्तक्षेप करने और सही समय पर बच्चे को स्कूल में दाखिल करवाने की जरुरत होती है, ताकि बच्चे के इंटेलेक्चुअल लेवल में सुधार हो और वह अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगे बढ़ सके। जिन बच्चों को जल्द सीखने में किसी तरह की दिक्कत आती है, ऐसे बच्चों को मजबूती से उभारने और उनके अंदर लचीलापन लाने के लिए उनकी मदद के रास्ते तलाशना जरूरी है। लर्निंग डिसेबलिटी से जुड़ी समस्याएं केवल अच्छे बर्ताव से हल नहीं होगी, लेकिन इससे आपके बच्चे के अंदर एक नई उम्मीद जगेगी और उसका भरोसा बढ़ेगा, जिससे उसे आगे बढ़ने में मदद मिलेगी और भविष्य में वह भी सफलता के पथ पर अग्रसर हो सकेगा। संज्ञानात्मक विकलांगता यानी कॉग्नेटिव डिसेबलिटी की वजह आमतौर पर प्रसव के पूर्व, प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद के कारकों पर निर्भर करती है। प्रसव पूर्व के कारणों में जेनेटिक विषमता, इन्फैक्शंस, सेंट्रल नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी, डाउन सिंड्रोम और ऐसे तत्वों के संपर्क में आना, जो बच्चे के जन्म पर प्रभाव डालते हैं, शामिल है। बच्चे के अंदर इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी पैदा होने के ये सबसे प्रमुख जेनेटिक कारण हैं। प्रसवकालीन कारणों में जानलेवा कुपोषण, प्रीमैच्योरिटी और ब्रेन में ऑक्सिजन की सप्लाई में कमी जैसी वजहें प्रमुख हैं,

कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने के लिए थैरेपीज

प्रसव बाद के कारणों में कई तरह के इन्फैक्शंस, घुटन, एक्सिडेंटल और नॉन एक्सिडेंटल ट्रॉमा, ब्रेन डैमेज, सीएनएस ट्यूमर आदि प्रमुख हैं। इन कारकों की वजह से बच्चे के अंदर पैदा हुई कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने में कई तरह की थैरेपीज और सर्विसेज मददगार साबित हो सकती हैं। इनमें नर्सिंग सर्विसेज, ऑक्यूपेशनल थैरेपी, फिजिकल थैरेपी, एडाप्टिव उपकरण, स्पीच और लैंग्वेज थैरेपी, न्यूट्रिशनल काउंसिलिंग, ऑडियोलॉजी सर्विसेज, साइकोलॉजिकल हस्तक्षेप, रीक्रिएशन थैरेपी और सोशल वर्क सर्विसेज जैसी थैरेपीज और सर्विसेज शामिल है। इनके अलावा स्पेशल एजुकेशन टीचर्स भी बच्चे को एजुकेशनल सर्विसेज मुहैया करा सकते हैं। कई बार सतर्कता में कमी, सीखने में दिक्कत, बोलने में दित या व्यापक विकासशील विकारों को इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी समझ लिया जाता है, जबकि केवल 5 पर्सेंट आबादी में ही संज्ञानात्मक कमी देखी जाती है और इनमें से ज्यादातर लोग माइल्ड रेंज डेफिसिट कैटिगरी यानी ऐसी कैटिगरी में आते हैं, जिनमें डिसेबिलिटी बेहद गंभीर नहीं होती।

डॉ. नूपुर गुप्ता, कंसलेट ऑब्स्टट्रिशन एंड गाइनोकोलॉजिस्ट

रेसिपी

अंजीर का हलवा

सामग्री

- सूखे अंजीर- 100 ग्राम
- घी- 2 चम्मच
- मिल्क पाउडर- 1 चम्मच
- चीनी- 2 चम्मच
- इलायची पाउडर- 1/4 चम्मच
- दूध- 1 कप

गार्निशिंग के लिए

- सूखे मेवे की कतरन और चांदी का वर्क

विधि

सबसे पहले अंजीर को दूध में भिगो दें फिर मिक्सी में पीस लें। अब नॉनस्टिक पैन को गर्म करके उसमें घी गर्म करें। अंजीर वाले मिश्रण को पैन में डालकर अच्छी तरह से भून लें। मिश्रण में अब मिल्क पाउडर और चीनी मिलाएं। जब चीनी घुल जाए तो इलायची पाउडर मिलाकर गैस बंद कर दें। तैयार हलवे को सर्विंग बाउल में निकालकर उसके ऊपर बादाम की कतरन डालेंऔर ऊपर से चांदी का वर्क लगाकर अंजीर का हलवा सर्व करें ।

सूजी बर्फी

सामग्री

- तिल - 150 ग्राम
- सूजी - 180 ग्राम
- चीनी - 225 ग्राम
- घी - 125 ग्राम
- पिस्ता - 1 टेबल स्पून
- बादाम - 1 टेबल स्पून
- घी - 2 टेबल स्पून
- इलायची पाउडर - 1 छोटी चम्मच

विधि

तिल सूजी की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले तिल भून लीजिए। इसके लिए पैन गरम कीजिए। इसमें तिल डालकर लगातार चलाते हुए तब तक तिल को भूनिए जब उसका रंग हल्का सा बदलने लगे और वह हल्का सा फूलने लगे। भुने तिल को प्लेट में निकाल लीजिए। अब कड़ाही में घी डालकर इसमें सूजी डाल दीजिए और सूजी को लगातार चलाते हुए धीमी से मध्यम आंच पर हल्की ब्राउन होने और अच्छी महक आने तक भून लीजिए। सूजी भुन जाने पर इसे भी प्लेट में निकाल लीजिए। पिस्तों को पतला-पतला काट लीजिए और बादाम को भी बारीक काटकर तैयार कर लीजिए।

चाशनी बनाएं : पैन में चीनी और कप पानी डालकर चीनी के पानी में घुलने के बाद 1 से 2 मिनिट तक पकाएं। जब चाशनी में से तार निकलने लगे तो समझ लीजिए चाशनी बनकर के तैयार है। इलायची पाउडर और बारीक कटे हुए बादाम डालकर अच्छे से मिक्स कीजिए। एक थाली को थोड़े से घी से चिकना कीजिए। मिश्रण को थाली में डालकर फैलाइए और बारीक कटे हुए पिस्तों से इसे सजा दीजिए। बर्फी को ठंडा होने के लिए रख दीजिए। मिश्रण के जम जाने पर इसे चाकू की सहायता से अपने मनपसंद आकार के टुकड़ों में काट सर्व करें

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्याधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन है। "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 2616

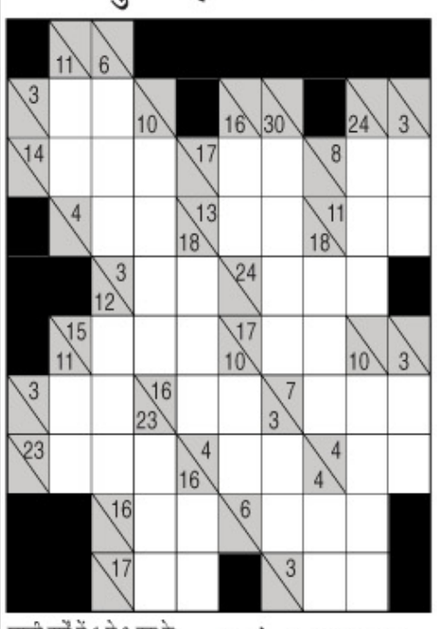

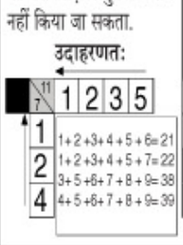

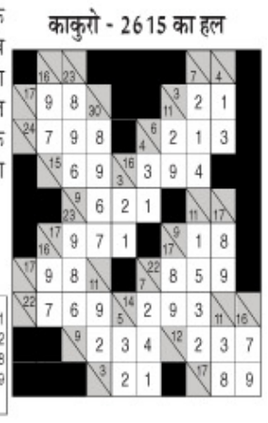

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2615 का हल

लॉफिंग ज़ोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

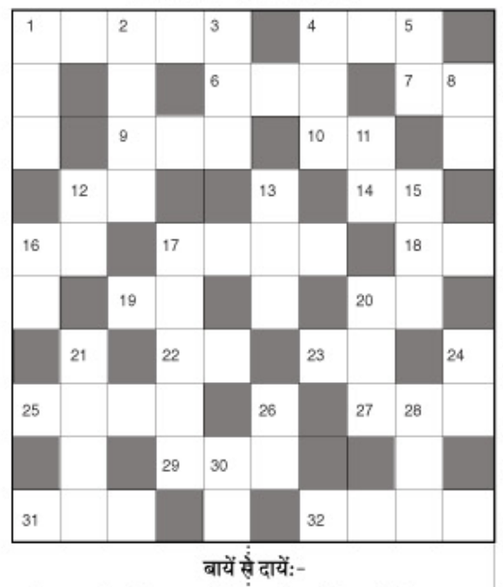

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चाा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली- 2616

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरुख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-2615

सूडोकु -2616

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 2617 का हल

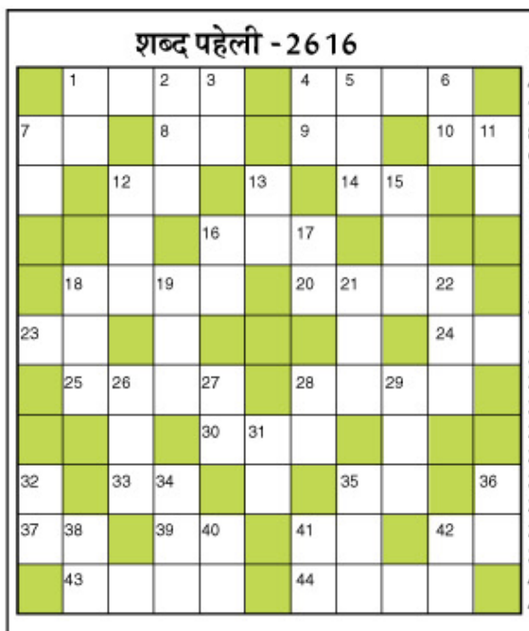

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली -2616

बाएँ से दाएँ

1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -2615 का हल

प्रधानमंत्री ने गुजरात में दुर्घटना पर दुख जताया, मुआवजे की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मेहसाणा में दीवार गिरने से हुई मौतों पर संवेदनाएं व्यक्त की और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि स्वीकृत की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पोस्ट में कहा, गुजरात के मेहसाणा में दीवार गिरने से हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। इसमें जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी शोक-संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहन करने का संबल प्रदान करे। इसके साथ ही मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव सहायता में जुटा है।एक अन्य पोस्ट में पीएमओ ने कहा कि गुजरात के मेहसाणा में हुई दुर्घटना में प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

महिलाएं अपनी शक्ति पहचानें और समाज में अपनी महत्ता स्थापित करें: साध्वी भारती

श्रीगंगानगर। केशव नगर प्रखंड में विश्व हिंदू परिषद द्वारा शस्त्र पूजन कार्यक्रम किया गया। इसमें विभाग संगठन मंत्री भूपेश वैष्णव के सानिध्य में साध्वी सोनिया भारती एवं रवनीत साध्वी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। साध्वी भारती ने अपने वक्तव्य में नारी शक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नारी केवल भोग की वस्तु नहीं है, अपितु वह योगस्वरूपा, नारायणी और दुर्गा है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे अपनी शक्ति को पहचानें और समाज में अपनी महत्ता को स्थापित करें। विभाग संयोजिका ज्योति ने दुर्गा वाहिनी के उद्देश्यों पर चर्चा करते हुए शस्त्र पूजन के महत्व और शस्त्र की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि शस्त्र केवल रक्षा का साधन ही नहीं, बल्कि संस्कृति की सुरक्षा का प्रतीक भी है। मातृशक्ति संयोजिका प्रियंका चौधरी ने मातृशक्ति से अपील की कि वे अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दें। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी सीखना बुरा नहीं है, परंतु पाश्चात्य संस्कृति को अपनाना हमारी संस्कृति का विनाश कर सकता है। यदि हमारी संस्कृति नष्ट होती है, तो देश और धर्म दोनों संकट में पड़ जाएंगे।

राजनाथ ने 75 परियोजनाएं कीं राष्ट्र को समर्पित, हिमाचल के पांच पुल भी शामिल

शिमला। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन द्वारा 2236 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 74 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। इसमें हिमाचल प्रदेश के पांच पुलों का निर्माण और उद्घाटन भी किया गया। श्री राजनाथ सिंह ने आज सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा 2236 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 74 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। ये परियोजनाएं हिमाचल प्रदेश सहित देश के आठ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में फैली हुई हैं। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल राजभवन शिमला से वर्चुअली कार्यक्रम में शामिल हुए। ये परियोजनाएं देश के 11 सीमावर्ती राज्यों शासित प्रदेशों में बनाई गई हैं। हिमाचल प्रदेश में पांच पुलों का निर्माण और उद्घाटन किया गया है। इसके साथ ही 2024 में बीआरओ ने रिकॉर्ड 111 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की हैं। 2023 में कुल 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की गई। सिक्किम में सीमा सड़क संगठन द्वारा आयोजित एक समारोह में रक्षा मंत्री ने 22 सड़कों, 51 पुलों और 02 अन्य विविध परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का निर्माण सबसे दुर्गम इलाकों में चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति में किया गया है। इन परियोजनाओं के उद्घाटन में हिमाचल प्रदेश में मुन्नी (40 मीटर), भागा (30 मीटर), डोगरी (65 मीटर), हबसर (50 मीटर) और शालखर-11 (45 मीटर) पर एनएच-3 (रोड मनाली-सरचू), एनएच-5 (रोड पोवारी-पूह-खाब-नामगिया-चुप्पन-शिपकिला) और एनएच-505 (रोड खाब-सुमडो-काजा-ग्रामफू) पर पांच पुलों का निर्माण शामिल है। उद्घाटन हाइब्रिड मोड में किया गया।

मर अब्दुल्ला 16 अक्टूबर को शपथ ले सकते हैं

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां)के उपाध्यक्ष और मनोनीत मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह संभवतः बुधवार को होगा। श्री उमर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पिछले छह साल से राष्ट्रपति शासन के अधीन है और सबसे पहले इसे हटाना होगा।उन्होंने कहा, 'यहां पिछले छह साल से राष्ट्रपति शासन है। अब राष्ट्रपति शासन हटाने के लिए एक कैबिनेट नोट बनाना होगा और उसे पहले राष्ट्रपति भवन और फिर वापस गृह मंत्रालय को भेजना होगा। बीच-बीच में छुट्टियाँ भी होती रहती हैं। आज दशहरा है, कल रविवार है और भगवान ने चाहा तो सोमवार तक प्रक्रिया पूरी हो जायेगी। श्री उमर ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) मैच देखने के बाद श्रीनगर में संवाददाताओं से कहा, हम मंगलवार को तैयारी शुरू करेंगे और भगवान ने चाहा तो बुधवार को शपथ ली जाएगी।

परिस्थितियां चुनौतियां देती हैं, हमें भविष्य के लिए तैयार होना है : मोहन भागवत

एजेंसी

नागपुर । नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा आयोजित उत्सव में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने संबोधन में विज्ञान, हिंदुओं पर होते हमलों, सनातन मूल्यों, हमास इजरायल समेत तमाम मुद्दों पर राय रखी। उन्होंने भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का मंत्र भी दिया।

मोहन भागवत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अहिल्याबाई होल्कर और दयानन्द सरस्वती द्वारा देश सेवा के लिए किए गए कार्यों का जिक्र किया। कहा कि आज के दिन अपने कार्य के सौ वर्ष में संघ पदार्पण कर रहा है। ये विशेष इसलिए भी है क्योंकि महारानी दुर्गावती, महारानी होल्कर और महर्षि दयानंद का भी 200वां जन्म जयंती वर्ष चल रहा है। इनकी याद करना इसलिए जरूरी है कि इन लोगों ने देश, समाज और संस्कृति के हित में काम किया। दयानन्द सरस्वती को याद करते हुए मोहन भागवत ने कहा, लंबी गुलामी

के बाद जो भारत का पुनरुत्थान शुरू हुआ, उसके पीछे दयानंद सरस्वती थे। अपने मूल को समझकर काल सुसंद आचरण करें। उन्होंने जनों की जागरूक करने का महा प्रयास किया है। उनकी वजह से ही आगे चलकर कई तरह के आंदोलन भी हुए। आज उनको याद करने का भी समय है। उन्होंने आगे कहा कि परिस्थितियां हमें चुनौतियां देती हैं, फिर चाहे वो दुनिया की हों या देश की। हमें भविष्य के लिए तैयार होना है, भविष्य इस तकनीक के कारण कई नई सुविधाएं लेकर आएगा, विज्ञान कई सुविधाएं लेकर भी आया है। इस सुखी मानव समाज में अपने स्वार्थ और अहंकार के कारण कैसे-कैसे संघर्ष चलते हैं। यह हम देखते रहते हैं। दुनिया में चल रहे संघर्ष को लेकर उन्होंने कहा कि इजरायल के साथ हमास के साथ युद्ध में कौन-कौन झुलसेगा और इससे कौन से संकट पैदा होंगे, इसकी चिंता सबको है। अपना देश आगे बढ़ रहा है। हम तकनीक के क्षेत्र में, शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे सब क्षेत्रों में भारत आगे बढ़ रहा है। समाज की समझदारी भी बढ़ रही है। जम्मू-कश्मीर में हुए चुनावों को लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, जम्मू-कश्मीर के चुनाव भी शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गए। इसका ही परिणाम हम देखते हैं कि सारी दुनिया में भारत की साख बढ़ी है। हमारा योग सारी दुनिया में एक फैशन बनता जा राह है।

खेलकूद गतिविधियों से युवाओं को जोड़ना महान कार्य : राठौड़

एजेंसी

चूरू। स्व. खींवकरण जी तंवर की प्रतिमा अनावरण के साथ न्यू हीरोज खेलकूद एवं सांस्कृतिक संस्थान की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय वॉलीबाल प्रतियोगिता आरंभ हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि यह संस्थान अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक विशेष पहचान रखता है, जहाँ पर गुरु शिष्य परम्परा आज भी विद्यमान है। उन्होंने बताया कि खींवकरण तंवर वालीबाल के आचार्य द्रोण के रूप में विख्यात थे। उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियां मनुष्य के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए और उसके बेहतर जीवन के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए खेल गतिविधियों से किसी भी व्यक्ति को जोड़ने का काम बहुत ही महान काम है। विशिष्ट अतिथि चूरू विधायक हरलाण सहारण ने कहा कि इस तरह के आयोजन एक स्वस्थ परम्परा के प्रेरणास्त्रोत एवं प्रकाशपुंज के रूप में अंकित हो जाते हैं। नगरपालिका चैयरमेन निकिता गुर्जर ने सम्बोधित करते हुए बताया कि इस क्लब का 62 वर्षों का एक लम्बा इतिहास रहा है, जिसमें अनेक खेलरत्न मंज कर तैयार हुए हैं। इस आयोजन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें सुरेश मिश्रा, सतवीर सिंह, महावीर सिंह, भगवान सिंह, रणजीत सिंह एवं जीवराज सिंह उपस्थित थे। इस अवसर पर क्लब के इतिहास को कवर करते हुए एक संग्रहणीय अंक 'रत्न श्री' स्मारिका का प्रकाशन व विमोचन किया गया है, जिसका सम्पादन प्रो. केसी सोनी एवं जगदीश पंवार ने किया है। इस आयोजन में रामकृष्ण तंवर, हरिकृष्ण ने आयोजकीय योगदान दिया। उद्घाटन के पश्चात महिला टीम हनुमानगढ व राजस्थान पुलिस के मध्य उद्घाटन मैच खेला गया।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने जखराना गांव में सेवा साधना आश्रम का किया शुभारंभ

एजेंसी

कोटपूतली-बहरोड़। बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र के जखराना गांव में केंद्रीय जलवायु और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सेवा साधना आश्रम का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने आश्रम में आयोजित यज्ञ में पूर्णाहुति देकर कार्यक्रम की शुरुआत की। अपने संबोधन में उन्होंने समाज के विकास में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज की प्रगति का आधार है और नई पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। मंत्री ने आश्रम में एक पुस्तकालय की स्थापना की इच्छा व्यक्त की, जहां सभी प्रकार की पुस्तकें उपलब्ध हों, ताकि समाज के सभी वर्गों को इसका लाभ मिल सके। मंत्री यादव ने अपने संबोधन में जलवायु परिवर्तन की वैश्विक समस्या पर भी गहनता से चर्चा की। उन्होंने इसे दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती बताया और कहा कि बिना ऊर्जा के जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती, लेकिन अब हमें पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की जगह रिन्यूएबल एनर्जी के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इस दिशा में युवाओं को आगे आकर स्टार्टअप्स के माध्यम से नए अवसरों को खोजना चाहिए। उन्होंने

पानी की कमी, खाद्य बर्बादी, और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के उपयोग पर अंकुश लगाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इस विशेष कार्यक्रम में स्थानीय लोगों की भारी भीड़ और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। सरपंच करण सिंह यादव ने केंद्रीय मंत्री का भव्य स्वागत किया और उन्हें चांदी का मुकुट पहनाकर, फूलमालाओं और साफे से सम्मानित किया। मंत्री ने आचार्य प्रद्युम्न महाराज के नेतृत्व में यज्ञ में भाग लिया और आश्रम परिसर में पंचवटी का उद्घाटन किया, जहां उन्होंने पांच पौधे लगाए, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम में जिला प्रमुख बलबीर छील्लर, पूर्व प्रधान रोहिताश यादव, युवा नेता मोहित यादव, डॉ. शानू यादव, बलवान यादव, प्रधान प्रतिनिधि बस्तीराम यादव, डीएसपी कृतिका, सदर थाना अधिकारी अमित कुमार समेत कई अन्य प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे। मंत्री ने आश्रम की गतिविधियों की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के संस्थान समाज की सेवा में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भाजपा की जहां-जहां सरकार है, वहां पिछड़ों पर अत्याचार होता है : मल्लिकार्जुन खड़गे

एजेंसी

कलबुर्गी । कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है, जो मॉब लिचिंग करती है। पहले प्रधानमंत्री चुप थे, लेकिन अब यह फिर से कांग्रेस पर हमलावर हो गए हैं, जो लोग बुद्धिजीवी हैं, उन्हें प्रधानमंत्री अर्बन नक्सल कहते हैं। इन लोगों को प्रगतिशील और बुद्धिजीवी पसंद नहीं आते हैं। इन लोगों को अपनी खामियों के बारे में पता नहीं होता है कि कैसे इन्होंने देश की जनता के हितों पर कुठाराघात किया है और दूसरों पर अंगुली उठाते हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, यह लोग हमेशा से ही ऐसे ही बोलते हुए आए हैं। प्रधानमंत्री की यह आदत हो चुकी है। भाजपा दहशतगर्द वाली पार्टी है और ऐसा करने वाले लोगों को ये उपस्थित रहे। मंत्री ने आश्रम की गतिविधियों की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के संस्थान समाज की सेवा में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समर्थन देते हैं। प्रधानमंत्री को कुछ भी बोलने का हक नहीं है। भाजपा की जहां-जहां सरकार है, वहां पिछड़ों पर अत्याचार होता है। उन्होंने कहा, इसके बावजूद भी ये लोग कहते हैं कि देखिए आपके ऊपर अत्याचार हो रहा है। मेरा सीधा-सा सवाल है कि सरकार किसकी है, आपकी है या हमारी, तो लोगों की रक्षा करने की

जवाबदेही किसकी होगी, आपकी या हमारी? ये लोग ऐसा बोलकर खुद को ही सवालों के कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। मुझे लगता है कि इन्हें खुद ही इस बात का एहसास नहीं हो पा रहा है कि ये लोग क्या बोलते हैं और क्या नहीं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री की आदत हो चुकी है, वो कुछ भी बोलते रहते हैं। इनकी ऐसी आदत हो चुकी है कि ये लोग देश के बारे में कम और अपने बारे में ज्यादा बोलते हैं, अपनी पार्टी के बारे में ज्यादा बोलते हैं। जिससे साफ जाहिर होता है कि इन लोगों को देश से कोई मतलब नहीं है, देश की जनता से कोई मतलब नहीं है, ये लोग सिर्फ और सिर्फ अपनी पार्टी की मार्केटिंग करते हैं, जिसे इस देश की जनता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण

एजेंसी

भरतपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने दो दिवसीय भरतपुर दौरे के दूसरे दिन सुबह केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण कर निरीक्षण किया। उन्होंने उद्यान के मुख्य द्वार से पक्षी व्यू प्वाइंट तक पैदल भ्रमण कर संपूर्ण क्षेत्र का अवलोकन किया तथा बारिश से लबालब हुई झीलों को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने यहां विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों को दूरबीन से निहारा।इस दौरान शर्मा ने शहर के प्रबुद्ध जनों एवं मीडिया कर्मियों से चाय पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भरतपुर के पर्यटन स्थलों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

पहचान दिलाने एवं प्रमोट करने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है, ताकि आगरा एवं जयपुर आने वाले पर्यटक भरतपुर में ठहराव करें तथा यहां की ऐतिहासिक विरासत एवं धार्मिक स्थलों को देख सकें। मुख्यमंत्री ने उद्यान के मुख्य द्वार से केवलादेव मंदिर जाने वाली सड़क के मरम्मत कार्य को गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घना में आने वाले पर्यटकों के लिए मुख्य द्वार से बैरियर पॉइंट तक ओपन टैंकर की व्यवस्था कर आवागमन की सुविधा प्रदान की जाए तथा इलेक्ट्रिक वाहन से पर्यटकों के लिए पिक एंड ड्रॉप का प्रावधान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को केवलादेव सहित भरतपुर जिले के सभी पर्यटन स्थलों की विस्तृत जानकारी की समावेशित ब्रोशर पुस्तिका तथा लघु फिल्म तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्यटन स्थलों के सौंदर्यीकरण कार्य को समय पर पूरा करने के भी निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलेक्टर डॉ अमित यादव तथा केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान के डीएफओ मानस सिंह सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी, मीडियाकर्मी एवं प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

केंद्र ने आंध्र प्रदेश और राजस्थान में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए 2255 करोड़ से अधिक की पहली किस्त जारी की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश और राजस्थान में ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पंद्रहवें वित्त आयोग अनुदान की पहली किस्त जारी की। पंचायती राज मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि आंध्र प्रदेश को 395.5091 करोड़ रुपये का अप्रयुक्त अनुदान और प्रयुक्त अनुदान सहित कुल 593.2639 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। यह निधि आंध्र प्रदेश में विधिवत चुने हुए 9 पात्र जिला पंचायतों, 615 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 12,853 पात्र ग्राम पंचायतों के लिए हैं। वहीं राजस्थान में विधिवत चुने हुए 22 पात्र जिला पंचायतों, 287 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 9,068 पात्र ग्राम पंचायतों के लिए 507.1177 करोड़ रुपये का अप्रयुक्त अनुदान और 760.6769 करोड़ रुपये का प्रयुक्त अनुदान जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग) के माध्यम से ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए राज्यों को वित्त आयोग अनुदान जारी करने की सिफारिश करता है, जिसे बाद में वित्त मंत्रालय जारी करता है। आवंटित अनुदान की अनुशंसा की जाती है और एक वित्त वर्ष में 2 किस्तों में जारी किया जाता है।

रसद विभाग की कार्रवाई में अवैध पेट्रोल-डीजल और घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

श्रीगंगानगर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा के निर्देश और जिला कलेक्टर डॉ. मंजू के निर्देशन में ग्राम अरायण में अवैध पेट्रोल एवं डीजल के बेचान के संबंध में कार्रवाई हेतु दुकानों की जांच की गई। मौके से अवैध पेट्रोल-डीजल और घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। कार्रवाई के दौरान अरायण में राजकुमार पुत्र भगवान दास अरोड़ा उर्फ राजू की चार दुकान, गोदाम पर 3002 लीटर पेट्रोल तथा 9990 लीटर डीजल जब्त किया गया। इसी प्रकार ग्राम अरायण में जितेंद्र कुमार सिंधी की दुकान से 380 लीटर पेट्रोल तथा 610 लीटर डीजल की अवैध बिक्री करते हुए पाए जाने पर जब्ती की कार्रवाई की गई। मौके पर इस कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली माप, हस्तचालित यंत्र भी जब्त किए गए। इसी तरह गंगानगर शहर में गैस सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग एवं व्यवसायिक दुरुपयोग के रोकने के संबंध में कार्रवाई करते हुए एसएसबी रोड की गली नंबर 9 में सुभाष चंद्र की दुकान पर चार घरेलू गैस सिलेंडर एवं एक व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त किया गया।

मादक पदार्थों की तस्करी के अंतर्राज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

एजेंसी

अनंतनाग। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक बड़े अंतर्राज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, जिन पर अवैध व्यापार में शामिल होने का आरोप है। एक आधिकारिक बयान में पुलिस ने कहा कि उन्होंने दिल्ली से श्रीनगर ले जाए जा रहे मादक पदार्थों की एक खेप के बारे में एक विश्वसनीय इनपुट पर कार्रवाई की और रास्ते में कई नाके स्थापित किए। जांच के दौरान दक्षिण कश्मीर के दूनीपोरा बिजबिहाडा में एक वाहन को रोका गया, जिसमें तीन लोग सवार थे। इनकी पहचान बुलंदशहर (यूपी) निवासी मोंटी सिंह तथा छतरपुर (दिल्ली) निवासी आशीष बर्दवाज और राहुल के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि तलाशी के दौरान उन्हें कार के दरवाजे के पैनल में छिपाकर रखी गई कोडीन फॉस्फेट (एनआरएक्स) की 413 बोतलें मिलीं। बरामदगी के

बाद तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें पुलिस स्टेशन बिजबिहाडा भेज दिया गया, जहां वे हिरासत में हैं। उन्होंने कहा कि आगे की जांच में पता चला कि यह खेप सोपोर और श्रीनगर में पहुंचाई जानी थी इसके बाद कई छापे मारे गए और सोपोर से एक स्थानीय तस्कर को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। इसके अलावा पुलिस ने बताया कि उन्होंने नई दिल्ली में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) से संपर्क किया, जिसके परिणामस्वरूप नोएडा के सेक्टर 135 में एक गोदाम पर छापा मारा गया, जहां से बड़ी मात्रा में कोडीन भी बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि रैकेट के पीछे मुख्य व्यक्तियों की पहचान फरीदाबाद निवासी सचिन राणा और अरुण राणा के रूप में हुई है, जिन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार इस ऑपरेशन ने मादक पदार्थों के अंतर्राज्यीय तस्करी नेटवर्क के आगे और पीछे दोनों तरह के संबंधों को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है और इस मामले में और गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद विपक्ष ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल, सीएम शिंदे बोले- दोषियों को बख्शेंगे नहीं

एजेंसी

मुंबई। एनसीपी अजित पवार गुट के नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद विपक्ष ने महाराष्ट्र सरकार और राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दोषियों को नहीं बख्शने की बात कही है। दूसरी ओर बाबा सिद्दीकी मौत के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों ने उनके निधन पर शोक जताया है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और मैंने डॉक्टरों और पुलिस से बात की है। दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। तीसरा आरोपी फरार है। आरोपित यूपी और हरियाणा के हैं। हमने मुंबई पुलिस को निर्देश दिए हैं कि कानून-व्यवस्था को हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। यकीन है कि मुंबई पुलिस जल्द ही तीसरे

आरोपित को गिरफ्तार कर लेगी। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी... महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि एनसीपी नेता, पूर्व मंत्री और लंबे समय से विधानमंडल में मेरे सहयोगी बाबा सिद्दीकी पर गोलीबारी की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण, निंदनीय और दर्दनाक है। मुझे यह जानकर झटका लगा कि इस घटना में उनका निधन हो गया है। मैंने अपना अच्छा सहयोगी और दोस्त खो दिया है। मैं इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करता हूं। मैं बाबा सिद्दीकी को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि बाबा सिद्दीकी पर फायरिंग की घटना की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं अभी अस्पताल से आया हूं। मैंने उनके परिवार से मुलाकात की। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने एक्स पर कहा, राज्य की ध्वस्त कानून व्यवस्था चिंता का विषय है। मुंबई में पूर्व राज्य मंत्री बाबा सिद्दीकी पर गोलीबारी दुखद है... इसकी न केवल जांच होनी चाहिए बल्कि जिम्मेदारी स्वीकार कर सरकार के पद से हटना भी चाहिए। बाबा सिद्दीकी को भावभीनी श्रद्धांजलि।

जबरन वसूली को रोकने के लिए मणिपुर पुलिस ने विशेष सेल का गठन किया

एजेंसी

इंफाल। पूरे मणिपुर में जबरन वसूली के मामलों में वृद्धि के बीच मणिपुर पुलिस ने एडीजीपी (कानून और व्यवस्था) के नेतृत्व में एक जबरन वसूली विरोधी सेल की स्थापना की है, जिसमें सभी जोनल आईजीपी सदस्य हैं। सेल को पूरे राज्य में जबरन वसूली विरोधी अभियानों की निगरानी का काम सौंपा गया है। इसमें पुलिस ने अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय में, जबरन वसूली गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जिलों में 15 विशेष क्रैक टीमें बनाई हैं। एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान आईजीपी (खुफिया) के. कबीब ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इन प्रयासों के बावजूद संगठित तरीके से जबरन वसूली राज्य में जारी है। उन्होंने इसे रोकने के लिए जनता की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि उग्रवादी पैसे की मांग करते हैं या किसी से मांगते देखते हैं तो वे आगे आकर पुलिस को इसकी जानकारी दें। उन्होंने आश्वासन दिया कि जानकारी देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि समुदायों को मोरल पुलिसिंग में शामिल होने से बचना चाहिए, क्योंकि खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि ये गतिविधियां अक्सर गुप्त जबरन वसूली के लिए कवर के रूप में काम करती हैं। इसके बजाय, निवासियों को कानून प्रवर्तन अधिकारियों को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। आईजीपी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले साल मई में संकट की शुरुआत के बाद से, विभिन्न भूमिगत समूह और आपराधिक गिरोह लगातार दान की आड़ में पैसे की मांग कर रहे हैं। जबरन वसूली राष्ट्रीय राजमार्गों, बाजारों, स्कूलों और स्थापित संस्थानों तक फैल गई है, जहां अवैध कर लगाए जा रहे हैं। जबरन वसूली के अलावा, ये समूह अपहरण, ग्रेनेड हमलों और फोन के माध्यम से धमकियां जारी करने में शामिल रहे हैं, जिससे आम नागरिक आर्थिक तंगी और व्यापक चिंता में डूब गए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में पुलिस ने उल्लेखनीय प्रगति की है। जबरन वसूली में सीधे तौर पर शामिल 121 व्यक्तियों और अवैध अभ्यास से जुड़े 250 से अधिक भूमिगत और गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया है। राष्ट्रीय राजमार्ग 2 पर आवश्यक वस्तुओं के सुरक्षित परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने सड़क खोलने वाली गश्त के लिए 16 केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कंपनियों को तैनात किया है।

क्वाड देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सहयोग मजबूत करने पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। क्वाड देशों की नौसेनाओं ने विशाखापट्टनम में चल रहे बहुपक्षीय समुद्री अभ्यास 'मालाबार' के बंदरगाह चरण में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आपसी समुद्री सहयोग मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की है। भारत की मेजबानी में ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के नौसेना प्रमुखों ने हिंद-प्रशांत और मालाबार के भविष्य के संस्करणों में आपसी नौसैनिक अंतर-संचालन और समुद्री सहयोग बढ़ाने पर मंथन करके समुद्री सहयोग बढ़ाने, आपसी सौहार्द का निर्माण करने और परिचालन तालमेल को बढ़ाने पर जोर दिया है।पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर, यूएस प्रशांत बेड़े के कमांडर एडमिरल स्टीफन कोहलर, जापान के सेल्फ डिफेंस फ्लीट के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल कात्सुशी ओमाची और ऑस्ट्रेलियाई बेड़े के कमांडर रियर एडमिरल क्रिस स्मिथ के नेतृत्व में कई गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका की नौसेनाएं विशाखापट्टनम में विभिन्न सहयोगी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल हैं। इन गतिविधियों में प्रमुख नेतृत्व सहभागिता (केएलई), विषय वस्तु विशेषज्ञ आदान-प्रदान (एसएमईई), क्रॉस-डेक दौरे, खेल कार्यक्रम और नौकायन से पहले की चर्चाएं शामिल हैं, जिनका उद्देश्य समुद्री सहयोग को बढ़ाना, सौहार्द का निर्माण करना और परिचालन तालमेल को बढ़ावा देना है।

जब बच्चे बाथ टब में नहाते हैं तो सभी को अच्छा लगता है। आप भी अपने बच्चो को बाथ टब में नहलाइये फिर देखिए कितना आनंद आता है।

बाथ टब में नहाओ

बच्चों को अगर पानी मिल जाए तो बात ही क्या है। ऐसा कोई बच्चा नहीं होता जिसे पानी में छई-छप-छई करना अच्छा नहीं लगता। समय के अभाव में हम सभी को रोज-रोज बच्चों को वॉटर पार्क ले जाने का भी समय नहीं निकलता। ऐसे में बच्चों के फेवरेट कार्टून कैरेक्टर में अगर पानी के बड़े-बड़े टब मिल जाएं तो क्या कहने। इससे खेलने का खेलना भी हो जाता है और बाहर भी नहीं निकलना पड़ता। यह बाथिंग टब आपको कहीं भी मिल जाएंगे। इन दिनों बच्चों के रंगीन बाथिंग टब को आप सड़क किनारे कहीं भी देख सकते हैं। इन रंगीन टब को देखते ही बच्चों के चेहरे खिल जाते हैं।

बाथ टब के फायदे

बाथ टब में नहाने से एक तो बच्चों को पानी में छपा-छई करने का मौका मिलता है वहीं दूसरी ओर अपने फेवरेट कार्टून केरेक्टर के साथ खेलने का भी। एक तरह से यह मिनी स्विमिंग पुल होता है। बाथ टब में नहाकर छोटे बच्चे घर में ही वॉटरपार्क का लुत्फ उठा सकते हैं। बाजार में आपको बाथ टब 400 रुपए के शुरुआती दाम से 1500 रुपए तक की कीमत में आसानी से मिल जाएगा। घर में यह टब होने से आपके बच्चे मनभर कर पानी खेल सकते हैं। इन टब को आप अपने घर के स्पेस के अनुसार खरीद सकते हैं। साथ ही फोल्डेबल होने पर इन्हें आप उठा कर रख भी सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

मधुमक्खी के एक छत्ते में 20,000 से 80,000 तक मधुमक्खियां हो सकती हैं।

चंदबरदाई को हिन्दी का पहला कवि और उनकी रचना पृथ्वीराज रासो को हिन्दी की पहली रचना होने का गौरव प्राप्त है।

दुनिया में चीनी का वार्षिक उत्पादन 13.4 मीट्रिक टन होता है जब कि नमक का 21 करोड़ टन, यानी चीनी से डेढ़ गुना ज्यादा।

नील नदी की लंबाई (650 किलोमीटर) पृथ्वी की त्रिज्या (6400 किलोमीटर) से भी अधिक है। अभी नए अनुसंधानों से पता लगा है कि आमेजन इससे भी ज्यादा लंबी नदी है।

भारतीय मसालों के लोकप्रिय निर्माता और निर्यातक प्रतिष्ठान एमडीएच का पूरा नाम महाशियां दी हट्टी है।

संयुक्त अरब अमीरात की जनसंख्या में प्रवासी नागरिकों का प्रतिशत 85 है, जिनमें 40 प्रतिशत लोग भारतीय हैं।

कर्नाटक के हरिहर नगर स्थित हरिहरेश्वर मंदिर की प्रतिमा आधी विष्णु और आधी शिव के रूप में हैं।

तेनाली राम के किस्से

जासूस सेवक

राजा कृष्णदेव की सेना ने कई राज्यों को अपने अधीन कर लिया था। उनके वर्चस्व से घबराकर बीजापुर के सुल्तान ने अपने एक सेवक को जासूस बनाकर विजयनगर भेजा। उस जासूस की योजना थी कि राजमहल में ही राजा की हत्या कर दी जाए। इसके लिए ब्राह्मण का भेष धरा। राजमहल में दरबार लगा था। तिलकधारी ब्राह्मण धारा-प्रवाह संस्कृत के श्लोकों से सभी को प्रभावित कर रहा था। कृष्णदेव तो इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने ब्राह्मण को अपने महल में ही ठहरने का स्थान दे दिया। तेनाली को यह सब उचित नहीं लगा। वे उस समय तो कुछ नहीं बोला मगर उस ब्राह्मण पर नजर रखने लगा। कुछ ही दिनों में तेनाली को ऐसा संकेत मिल गया कि वह ब्राह्मण राजा के विषय में व्यक्तिगत जानकारियां ले रहा है। तेनाली ने राजा को सचेत किया। एक बार ब्राह्मण की अनुपस्थिति में उसके कमरे की सफाई करते समय तेनाली भी वहां मौजूद था। उसने देखा और पूरा विश्वास हो गया कि यह ब्राह्मण के भेष में कोई जासूस है। तेनाली ने राजा से कहा-महाराज! ब्राह्मण, ब्राह्मण नहीं है।' राजा ने पूछा-'क्या मतलब?' 'यही कि महाराज यह कोई अन्य धर्म का मानने वाला है। यह आपसे छल कर रहा है,' तेनाली बोला। 'यदि तुम यह सिद्ध कर दो तो तुम्हें पुरस्कार मिलेगा', राजा ने कहा। उसी दिन तेनाली और राजा ने रात के समय उस ब्राह्मण के कमरे में प्रवेश किया। एक सैनिक भी उनके साथ था जिसके हाथ में गरम पानी की बाल्टी थी। तेनाली के आदेश पर सैनिक ने गरम पानी की बाल्टी को ब्राह्मण पर उड़ेल दिया। वह लगा उछलने और 'अल्लाह-अल्लाह' चिल्लाने लगा। राजा समझ गए यह बीजापुर के सुल्तान का जासूस है जो भेष बदलकर यहां छिपा हुआ था। राजा को देखते ही जासूस ने उन पर वार किया जिसे राजा के सैनिक ने अपनी तलवार पर रोक लिया। राजा ने एक ही वार से जासूस का वध कर दिया। अगली प्रातः पूरे नगर में चर्चा थी कि तेनाली के कारण राजा की जान बच गयी।

मिक्की और डोनाल्ड सिखाएंगे अंग्रेजी

डिजनी के फेमस कार्टून कैरेक्टर मिक्की माउस और डोनाल्ड डक अब सिर्फ बच्चों का मनोरंजन ही नहीं करेंगे, बल्कि उन्हें शिक्षा भी देंगे। मिक्की माउस और डोनाल्ड डक को चीन के बच्चों को अंग्रेजी सीखाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। फेवरेट कार्टून कैरेक्टर के जरिए हर साल तकरीबन डेढ़ लाख बच्चों को अंग्रेजी सिखाने का लक्ष्य रखा गया है। डिजनी पब्लिशिंग वर्ल्डवाइड के रसेल हैम्पटन ने बताया कि कार्टून कैरेक्टर से अंग्रेजी सिखाने का फंडा काफी लाभदायक साबित हो रहा है। दुनिया भर में चीन में सबसे अधिक अंग्रेजी शिक्षण के प्राइवेट सेक्टर खुल रहे हैं। इसलिए प्रारंभिक तौर पर चीन के बच्चों को कार्टून कैरेक्टर के माध्यम से अंग्रेजी सिखाने का प्रोजक्ट शुरू किया गया है। अंग्रेजी के बढ़ते चलन के कारण बच्चों को इसका ज्ञान देना पैरेंट्स के लिए जरूरी हो गया। आमतौर पर अंग्रेजी के ट्यूशन पर काफी खर्चा आता है और इसके साथ ही बच्चों को घर से बाहर भी जाना पड़ता है, लेकिन अब कार्टून कैरेक्टर के जरिए बच्चे बिना किसी खर्च के घर बैठे अंग्रेजी सीख पाएंगे। इससे बच्चों और उनके पैरेंट्स दोनों को काफी सहूलियत होगी।

इन बातों का रखो ध्यान

तुम किसी के भी घर जाते हो तो सबसे पहले वहां के लोग तुम्हारी एक्टिविटीज से तुम्हारे बेसिक मैनर्स को समझ जाते हैं। तभी तो कई लोगों को तुमने कहते सुना होगा कि वह बच्चा कितना समझदार है, उसके पेरेंट्स ने उसे कितने अच्छे मैनर्स सिखाएं हैं। इसलिए यह जरूरी है कि तुम्हें भी सभी बेसिक मैनर्स आएं, जिससे सब तुम्हारी और तुम्हारे मम्मी-पापा की तारीफ करें। तो कहीं भी जाओ, इन बातों का ध्यान रखो-

अगर किसी के कमरे का दरवाजा बंद है तो पहले दरवाजे पर नॉक करो और जवाब आने का इंतजार करो, फिर ही कमरे में घुसो।

अगर तुम्हें किसी से कुछ लेना है तो पहले सामने वाले से पूछो। खुद से उस वस्तु को मत उठा लो। हां, उसे वह चीज वापस करने का वादा भी करो। इस बात का भी ध्यान रखना कि टाइम पर चीज को वापस कर दो।

किसी की परमिशन के बिना उसकी पर्सनल चीजों को मत छेड़ो या खोलकर देखो। ये बहुत ही बुरी आदत मानी जाती है।

किसी की डायरी या खत मत पढ़ो।

घर की बातों को घर में ही रखो। अगर मम्मी-पापा के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई है या घर का बिजनेस ठीक नहीं चल रहा है या आपका भाई पढ़ने में अच्छा नहीं है, इस तरह की बातों को दूसरे के सामने मत बोलो।

सबसे जरूरी है कि अपना काम खुद ही करो। बाथरूम, टॉयलेट, किचन और टीवी रूम से निकलने से पहले उसे पहले की तरह साफ करके निकलो। पूरे घर में जूठे बर्तन मत फैलाओ। अपनी भीगी तौलिया खुद धूप में डालो।

पब्लिक प्लेस पर किसी का मजाक मत उड़ाओ। इससे सामने वाले को बहुत दुख होता है। मजाक उड़ाने से पहले ये जरूर सोचो कि अगर कोई तुम्हारा मजाक बनाएगा तो तुम्हें कैसा लगेगा।

कृत्रिम पत्ती बनाएगी बिजली

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के दल ने सिलिकॉन, इलेक्ट्रॉनिक्स, निकल और कोबाल्ट जैसे विभिन्न उत्प्रेरकों की सहायता से एक ऐसी कृत्रिम पत्ती का निर्माण किया है, जो सूरज की रोशनी और पानी से ऊर्जा पैदा करती है।

दरअसल, यह पत्ती सूरज की रोशनी का इस्तेमाल करके पानी को उसके घटकों हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़ देती है, जिनका इस्तेमाल बिजली पैदा करने में किया जा सकता है। इन पत्तियों की सहायता से भारत जैसे विकासशील देश में एक घर की प्राथमिकता जरूरत भर की बिजली पैदा की जा सकती है।

जरूरत की बिजली

इस दल का लक्ष्य अब कम से कम कीमत वाला एक ऐसा उपकरण बनाने का है, जिसे कोई भी अपने घर की छत पर या आसपास लगाकर प्राथमिक जरूरत की बिजली प्राप्त कर सके। जापान में सुनामी आने के बाद जिस तरह परमाणु विकिरण फैला, उससे सभी देशों में परमाणु संयंत्रों के खतरे को लेकर चीख पुकार मची हुई है और जर्मनी जैसे देशों ने तो परमाणु संयंत्रों की स्थापना को लेकर अपने कान पकड़ लिए है। इस पृष्ठभूमि में नई खोज एक वरदान की तरह सामने आई है।

खतरा भी ज्यादा

कोयले के भंडारों के कम होने और जल विद्युत के उत्पादन से होने वाले नुकसान, बल्कि पर्यावरणीय खतरे को ध्यान में रखते हुए दुनिया परमाणु ऊर्जा के विकल्प की ओर गई है, जो अपेक्षा स्वच्छ मानी जाती है, लेकिन इसका खतरा सभी तरह से ऊर्जा के मुकाबले कही ज्यादा है। ऐसे में सौर ऊर्जा ओर पवन ऊर्जा जैसे वैकल्पिक स्त्रोतों पर दुनिया भर में ध्यान दिया जा रहा है।

बदल जाएगी किस्मत

कृत्रिम पत्ती के जरिए इस तरह वैकल्पिक ऊर्जा तैयार करने से दुनिया की किस्मत बदल जाएगी और तेज गति से आर्थिक विकास कर रहे भारत और चीन को तो सुदूर बसे अपने गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से खास फायदा होगा। तब गांव-कस्बे के हर घर का अपना पावर-हाउस होगा। आकाश में बिजली के तड़कने से ही इतनी बिजली पैदा होती है कि दुनिया को उसका संरक्षण करना आ जाए तो वर्षों तक बिजली की कमी नहीं रहेगी।

मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है, शतकीय पारी के बाद बोले संजू सैमसन

एजेंसी

हैदराबाद। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष स्तर की क्रिकेट में दबाव और असफलताओं के साथ जीना सीख लिया है तथा उन्होंने टीम प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया जिसने उन्हें विषम परिस्थितियों से बाहर निकलने और खुद को साबित करने के लिए एक और मौका दिया। सैमसन ने मैच के बाद कहा, 'श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता नहीं खोलने के बाद मुझे अगली श्रृंखला में मौका मिलने को लेकर थोड़ा संदेह था। लेकिन उन्होंने (कोचिंग स्टाफ और कप्तान) मुझ पर भरोसा बनाए रखा। वे कहते रहे कि वे समर्थन करना जारी रखेंगे।' इस 29 वर्ष के खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि भारत की तरफ से खेलते हुए आप दबाव से मुक्त नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मानसिक रूप से आप बहुत कुछ झेलते हैं, खासकर इस प्रारूप (टी20) में। लेकिन मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है। मुझे लगता है कि इसका काफी श्रेय ड्रेसिंग रूम, नेतृत्व समूह, कप्तान और कोच को जाना चाहिए जिन्होंने मेरा समर्थन करना जारी रखा।' सैमसन ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें बांग्लादेश श्रृंखला के दौरान सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने के टीम प्रबंधन के फैसले के बारे में पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा, 'मैं भाग्यशाली था कि गौतम भाई, सूर्यकुमार (यादव) और अभिषेक नायर (सहायक कोच) ने तीन सप्ताह पहले ही मुझे सूचित कर दिया था कि बांग्लादेश के खिलाफ मैं पारी की शुरुआत करूंगा। इससे मुझे उचित तैयारी करने में मदद मिली।

पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा जामनगर राजगद्दी के उत्तराधिकारी घोषित, 53 की उम्र में बने नए जाम साहब

जामनगर। भूतपूर्व रियासत जामनगर के महाराजा और पूर्व क्रिकेटर शत्रुशल्यसिंह जडेजा ने अपने भतीजे और पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा को राजगद्दी का उत्तराधिकारी घोषित किया। 53 वर्षीय जडेजा अब जामनगर के नए जाम साहब यानी नाममात्र के मुखिया होंगे। क्रिकेट के दिग्गजों के परिवार के रूप में जाने जाने वाले जडेजा के परदादा रंजीतसिंह और परदादा दुलीपसिंह जो दोनों पूर्व जाम साहब थे, के नाम पर ट्रॉफी रखी गई हैं। पूर्व नवानगर राज्य के नाममात्र के मुखिया शत्रुशल्यसिंह ने एक बयान में कहा, यह जामनगर के लिए सौभाग्य की बात है कि अजय जडेजा ने मेरा उत्तराधिकारी बनना स्वीकार किया है। अजय जडेजा को पिछले साल अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का मेंटर नियुक्त किया गया था। अपनी खुशी की तुलना महाभारत के पांडवों से करते हुए शत्रुशल्यसिंह ने कहा, मैं भी उतना ही खुश हूं (जितना कि वे) क्योंकि मैं एक दुविधा से मुक्त हो गया हूं और इसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति अजय जडेजा हैं।

प्लेयर ऑफ द सीरीज बने हार्दिक पांड्या, बताया- कौन सा शॉट रहा सबसे बढ़िया

हैदराबाद। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को तीसरे टी20 में 133 रन से हराकर तीन टी20 मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। रिकॉर्ड्स भरे मैच में भारतीय टीम ने कई रिकॉर्ड बनाए। इस दौरान भारतीय ऑलराऊंडर हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। हार्दिक पांड्या ने सीरीज के तीन मैच में 118 रन तो बनाए ही साथ ही साथ अहम मौकों पर किफायती गेंदबाजी भी की। प्लेयर ऑफ द सीरीज बनने के बाद हार्दिक पंड्या ने कहा कि कप्तान और कोच ने जिस तरह की आजादी दी है, वह शानदार है। यह खेल, यदि आप आनंद ले सकते हैं तो इसी तरह आप इसका अधिकतम लाभ उठा सकते हैं। शरीर शानदार है, भगवान मेरी मदद करने के लिए दयालु रहे हैं। वहीं, मैच में अपने फेवरेट शॉट का पूछे जाने पर हार्दिक ने कहा कि आज कवर के ऊपर जब मैंने शॉट लगाया तो यह मेरा सबसे फेवरेट रहा। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि हमने एक टीम के रूप में बहुत कुछ हासिल किया। मैं निस्वार्थ क्रिकेटर चाहता हूं। हम एक-दूसरे की सफलता का आनंद लेना चाहते हैं। हम कुछ मजा कर रहे हैं। टीम से बड़ा कोई नहीं। हमें बहुत लचीला होना होगा। हर किसी को योगदान देना होगा। जिस तरह से उन्होंने इस श्रृंखला में दिखाया, वह सराहनीय है। बस अच्छी आदतें बनाए रखें और वैसे ही बने रहें।

रवि बिश्नोई के 50 टी20 विकेट पूरे

हैदराबाद। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम मैच के दौरान रवि बिश्नोई 50 टी20ई विकेट लेने वाले संयुक्त तौर पर तीसरे सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बन गए। बिश्नोई ने अपने दूसरे ओवर में लिटन दास को आउट कर अपनी 33वीं पारी में मील का पत्थर हासिल किया। उन्होंने अर्शदीप सिंह के रिकॉर्ड की बराबरी की। मैच के छठे ओवर में बिश्नोई ने नजमुल हुसैन शान्तो का भी विकेट लिया और बांग्लादेश की लक्ष्य का पीछा करने की तमाम संभावनाओं को चकनाचूर कर दिया। उन्होंने एक मेडन ओवर भी फेंका। किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज 50 टी20ई विकेट लेने का रिकॉर्ड कुलदीप यादव के नाम है, जिन्होंने 30 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। युजवेंद्र चहल 34 पारियों में यह उपलब्धि हासिल कर इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। 50 टी20ई विकेट लेने के बाद रवि बिश्नोई ने कहा कि इस रिकॉर्ड को बनाने पर बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। जब आपकी टीम में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो तो दबाव अच्छा होता है। मैं इस मौके का भरपूर फायदा उठाना चाहता था। खेल को बाहर से देखना भी अच्छा लगता है। आपको खुद पर काम करने और उसके अनुसार चीजों पर काम करने की जरूरत है। मुझे कुछ दिनों का ब्रेक मिला था, इसलिए मैंने इसका भरपूर फायदा उठाने की कोशिश की।

छक्कों की बारिश में बह गया बांग्लादेश

133 रन से जीता तीसरा टी20 मैच,टी20 सीरीज में भी सफाया

एजेंसी

हैदराबाद। संजू सैमसन (111) और सूर्य कुमार यादव (75) की आतिशी बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के कातिलाना प्रदर्शन की बदौलत भारत ने यहां तीसरे टी20 मैच को एकतरफा अंदाज में 133 रन से जीत कर बांग्लादेश का सीरीज में सफाया कर दिया हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 297 रन बनाये जिसके जवाब में बांग्लादेश सात विकेट पर 164 रन ही बना सका। इसके साथ ही भारत ने पड़ोसी मुल्क के खिलाफ श्रृखंला 3-0 से जीत ली है। इससे पहले दो टेस्ट मैचों की सीरीज में भी भारत ने क्लीन स्वीप किया था। भारत और बांग्लादेश के बीच तीसरे टी20 मुकाबले से पहले हल्की बरसात ने उमस में इजाफा किया था मगर बाद में भारतीय खिलाड़ियों के बल्ले से रनों की ऐसी बरसात हुयी जिससे स्टेडियम में बैठे हजारों दर्शक भावनाओं के ज्वार में गोते लगाने लगे। संजू सैमसन और सूर्य कुमार यादव के बाद भी भारतीयों के आक्रामक अंदाज में तनिक भी कमी नजर नहीं आयी और हार्दिक पांड्या (47) और रियान पराग (34) ने भी बांग्लादेशी गेंदबाजों की बेरहमी से पिटाई की।

बल्लेबाजी करने उतरे बांग्लादेश का पहला विकेट मयंक यादव ने अपने पहले ओवर की पहली गेंद पर लिया जिसके बाद पूरे मैच में बांग्लादेश के बल्लेबाज कहीं से भी लक्ष्य का पीछा करने का हौसला जुटाते नजर नहीं आये। मो. तौहीद हृदोय (63 नाबाद) और लिटन दास (42) ही भारतीय आक्रमण का जवाब देने में दिलचस्पी जताते दिखायी दिये जबकि तंजिद हसन (15) और नजमुल शान्तो (14) अपने निजी स्कोर को दहाई तक ले जाने वाले अन्य दो खिलाड़ी रहे। मंयक (32 रन पर दो विकेट) ने एक बार फिर अपनी रफ्तार से बांग्लादेशी बल्लेबाजों में आतंक पैदा किया वहीं अनुभवी रवि बिश्नोई (30 रन पर तीन विकेट) की फिरकी का जवाब बांग्लादेश के पास नहीं था। वशिंगटन सुंदर को केवल एक ओवर डालने का मौका मिला जिसे सार्थक करते हुये उन्होने तंजिद हसन को चलता किया।नीतिश रेड्डी भी एक विकेट झटकने में सफल रहे। भारतीय पारी में कुल 22 छक्के लगे जो अब तक का एक रिकार्ड है। संजू सैमसन ने अपनी आतिशी बल्लेबाजी से न सिर्फ चयनकर्ताओं और कोच को आकर्षित किया बल्कि अपने डांवाडोल करियर को भी सहारा दिया। संजू का बल्ला आज आग उगल रहा था। उन्होने पारी के दसवें ओवर में दिलशाद हुसैन को अपना निशाना बनाया और एक के बाद एक पांच छक्के जड़ कर स्टेडियम में जोश भर दिया। दूसरे छोर पर कप्तान सूर्य कुमार यादव अपने चिरपरिचित अंदाज में बांग्लादेशी आक्रमण की बखिया उधेडने में लगे थे। इस बीच संजू ने अपने करियर का पहला शतक मात्र 40 गेंदों पर पूरा किया। इसके साथ ही वह भारत की ओर से सबसे तेज टी20 शतक लगाने वाले दूसरे शूरवीर बने। इससे पहले रोहित शर्मा ने वर्ष 2017 में श्रीलंका के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था। माथे पर पसीने की अगिनत बूंदे समेटे संजू शतक लगाने के बाद आत्मविश्वास से परिपूर्ण नजर आ रहे थे। कप्तान सूर्या ने आगे बढ़कर अपने साथी बल्लेबाज से गले लग कर उनका हौसला बढ़ाया। उधर, बांग्लादेश के अनुभवी मुस्तफिजुर रहमान ने गति में चतुराई से परिवर्तन करते हुये संजू को गेंद दी जिसे पुल करने के प्रयास में वह डीप स्कावयर लेग पर खड़े खिलाड़ी को कैच थमा बैठे। संजू के आउट होने के बाद सूर्या का भी आत्मविश्वास डगमगाया और वह अगले ही ओवर में महमुदल्लाह का शिकार बन पैवलियन लौट गये। संजू और सूर्या के बीच दूसरे विकेट के लिये 173 रन की तेज भागीदारी हुयी। सूर्या के 75 रन मात्र 35 गेंदों पर आये जिसमें उनके आठ चौके और पांच छक्के शामिल थे वहीं संजू ने अपनी शतकीय पारी के दौरान 11 चौके और आठ छक्के जड़े।

दोनो खिलाड़ियों के आउट होने के बावजूद भारतीयों की आक्रामकता पर कोई खास असर नहीं पड़ा। रियान पराग ने मात्र 13 गेंदों में चार छक्कों की मदद से 34 रन की पारी खेली तो दूसरे छोर पर हार्दिक पांड्या 18 गेंदों की संक्षिप्त पारी में चार चौके और इतने ही छक्के की सहायता से 47 रन बनाकर विदा हुये। आज के मैच में नीतिश कुमार रेड्डी (0) और अभिषेक शर्मा (4) का बल्ला नहीं चला। बांग्लादेश की ओर से तनज़ीम हसन साकिब ने 66 रन देकर तीन भारतीय बल्लेबाजों के विकेट गिराये जबकि तसकीन अहमद,महमुदल्लाह और मुस्तफिकुर रहमान को एक एक विकेट मिला।

इमर्जिंग टी20 एशिया कप में भारत के कप्तान बने तिलक वर्मा

नई दिल्ली। एसीसी ने घोषणा की है कि भारतीय अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज तिलक वर्मा एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) मेन्स इमर्जिंग टीम टी20 एशिया कप के दौरान खिलाड़ियों के स्टार-स्टडेड समूह का नेतृत्व करेंगे। टीम में अभिषेक शर्मा, राहुल चाहर और साई किशोर जैसे खिलाड़ी भी हैं, जिन्होंने सीनियर पुरुष भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया है।टीम में कुछ अन्य खिलाड़ियों में आयुष बडोनी, रमनदीप सिंह, अनुज रावत, नेहल वढेरा और रसिख सलाम जैसे युवा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सितारे शामिल हैं, जिन्होंने आईपीएल में पिछले दो-तीन वर्षों के दौरान कुछ प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

प्रतियोगिता के लिए 15 सदस्यीय दल ओमान की यात्रा करेगा जो 18 और 27 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। भारत के साथ, ओमान, पाकिस्तान और यूएई ग्रुप बी बनाएंगे जबकि ग्रुप ए में अफगानिस्तान, हांगकांग, श्रीलंका और बांग्लादेश शामिल हैं। यह टूर्नामेंट का छठा संस्करण है, जिसमें पाकिस्तान गत चैंपियन है, जिसने पिछले साल फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत को हराया था। भारत ने एक बार 2013 में यह टूर्नामेंट जीता था।

हिमाचल के अंकित कलसी का नाबाद दोहरा शतक, तीन विकेट में 663 रनों पर पारी घोषित

एजेंसी

धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में हिमाचल और उत्तराखंड के बीच खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी के इलीट ग्रुप बी मैच में हिमाचल ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। मैच के दूसरे दिन भी मेजबान हिमाचल के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन जारी रहा जिसके चलते पहली पारी तीन विकेट पर 663 रनों के स्कोर पर घोषित कर दी। वहीं दूसरी ओर बड़े स्कोर का पीछा करते हुए बल्लेबाजी के लिए उतरे उत्तराखंड ने 50 रनों के स्कोर पर अपना एक विकेट खो दिया है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक उत्तराखंड की ओर से ओपनर अवनीश सुधा 24 और वैभव भट्ट

एक रन पर नाबाद हैं। इससे पहले ओपनर रविकुमार समर्थ ने 21 रन बनाए वैभव अरोड़ा के शिकार बने। उधर इससे पूर्व आज हिमाचल की ओर से अंकित कलसी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद दोहरा शतक जड़ा। कलसी ने नाबाद 205 रन बनाए जबकि दूसरे ओपनर प्रशांत चोपड़ा ने 171 रनों का योगदान दिया। वहीं उनके आउट होने के बाद चौथे नम्बर पर बल्लेबाजी के लिए आए एकांत सेन ने भी शतक लगाते हुए 101 रन बनाए। इनके आउट होने के बाद आए बल्लेबाज मयंक डागर ने महज 32 गेंदों पर 56 रनों की नाबाद पारी खेली। इसव पूर्व हिमाचल ने आज सुबह एक विकेट पर 300 रनों के स्कोर के आगे खेलना शुरू किया तथा शानदार बल्लेबाजी के दम पर तीन विकेट में ही 663 रनों के बड़े स्कोर के बाद पारी घोषित कर दी।

उत्तराखंड की गेंदबाजी की बात करें तो मयंक मिश्रा, स्वप्निल सिंह और युवराज चौधरी ने एक-एक विकेट लिए। उधर हिमाचल की ओर से उत्तराखंड का एकमात्र विकेट गेंदबाज वैभव अरोड़ा को मिला।

रोनाल्डो ने पुर्तगाल की जीत में फिर दागा गोल, पोलैंड पर 3-1 से दर्ज की जीत

बार्सिलोना। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपना रिकार्ड 133वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागकर पुर्तगाल को नेशंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में पोलैंड पर 3-1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई जबकि एक अन्य मैच में स्पेन ने डेनमार्क को 1-0 से हराया। रोनाल्डो ने 37वें मिनट में राफेल लेओ के शॉट के पोस्ट से टकराने के बाद रिबाउंड पर गोल किया। इससे पहले बर्नार्डो सिल्वा ने 26वें मिनट में पुर्तगाल की तरफ से पहला गोल किया था। रोनाल्डो इस साल के शुरू में यूरोपीय चैंपियनशिप में पुर्तगाल की तरफ से पांच मैचों में एक भी गोल नहीं कर पाए थे लेकिन नेशंस लीग में उन्होंने अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उन सभी में वह गोल करने में सफल रहे। इनमें क्रोएशिया के खिलाफ किया गया गोल भी शामिल है जो उनके करियर का 900वां गोल था। पोलैंड की तरफ से एकमात्र गोल मिडफील्डर पियोत्र जिलिंस्की ने 78वें मिनट में किया लेकिन डिफेंडर जान बेडनारेक ने खेल समाप्त होने से दो मिनट पहले आत्मघाती गोल करके पुर्तगाल की बड़ी जीत सुनिश्चित की। पुर्तगाल ग्रुप ए1 में तीन मैचों में 9 अंकों के साथ शीर्ष पर है। क्रोएशिया के छह अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है। उसने जगरेब में खेले गए मैच में स्कॉटलैंड को 2-1 से हराया। स्पेन ने नेशंस लीग के एक अन्य मैच में मार्टिन जुबिमेन्डी के 79वें मिनट में किए गए गोल की मदद से डेनमार्क को 1-0 से हराया।

हांगकांग क्रिकेट सक्सेस टूर्नामेंट: रॉबिन उथप्पा करेंगे भारतीय टीम का नेतृत्व

एजेंसी

नई दिल्ली। रॉबिन उथप्पा 1 से 3 नवंबर तक होने वाले हांगकांग क्रिकेट सिक्सेस टूर्नामेंट में सात सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। टीम के बाकी खिलाड़ियों में भरत चिपली, केदार जाधव, मनोज तिवारी, शाहबाज नदीम, श्रीवत्स गोस्वामी और स्टुअर्ट बिन्नी शामिल हैं। हांगकांग क्रिकेट सिक्सेज़ टूर्नामेंट 2017 के बाद पहली बार लौट रहा है और टिन क्वांग रोड क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। इस आयोजन में 12 देश शामिल होंगे, जो सिक्स-ए-साइड मैचों में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

12 टीमों को तीन-तीन के चार पूल में विभाजित किया जाएगा, जो राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। जबकि क्वार्टर फ़ाइनल के

विजेता कप सेमीफ़ाइनल में प्रवेश करेंगे, क्वार्टर फ़ाइनल के हारने वाले प्लेट सेमीफ़ाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक पूल में सबसे निचले स्थान पर रहने वाली टीम बाउल प्रतियोगिता खेलेगी। तीन दिवसीय टूर्नामेंट में कुल 29 मैच खेले जायेंगे। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए टूर्नामेंट के अंतिम दिन एक महिला प्रदर्शनी मैच भी आयोजित किया जाएगा।

सिनेर और जोकोविच के बीच होगा शंघाई मास्टर्स की जंग

एजेंसी

शंघाई। शंघाई मास्टर्स टेनिस के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर का मुकाबला नोवाक जोकोविच से होगा । सिनेर ने चेक गणराज्य के थॉमस माचाक को 6-4, 7-5 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया वहीं जोकोविच ने सातवीं रैंकिंग वाले टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 7- 6 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी।

सिनेर ने जीत के साथ ही एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रहना तय कर लिया है। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह इटली के पहले खिलाड़ी होंगे । इससे पहले दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज के 12 मैचों के विजय अभियान पर रोक लगाते हुए माचाक ने क्वार्टर फाइनल

में उन्हें 7-6, 7-5 से हरा दिया था। पिछले सप्ताह अल्काराज ने चीन ओपन के फाइनल में सिनेर को हराया था । सिनेर ने क्वार्टर फाइनल में रूस से दानिल मेदवेदेव को 6-1, 6-4 से हराया था।

हॉकी इंडिया लीग पुरुष नीलामी: 550 से अधिक खिलाड़ियों की लगेगी बोली

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया लीग का बहुप्रतीक्षित 2024 संस्करण नई दिल्ली में पुरुषों की नीलामी के साथ शुरू होने वाला है। इस साल के अंत में राउरकेला में हॉकी इंडिया लीग शुरू होने पर आठ पुरुष टीमों में से एक में शामिल होने का मौका पाने के लिए 400 घरेलू और 150 से अधिक विदेशी पुरुष खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है।

प्रत्येक टीम के पास खिलाड़ियों को चुनने के लिए 4 करोड़ का पर्स होगा, जिन्हें अगले दो दिनों में तीन बेस प्राइस स्लैब 2 लाख, 5 लाख और 10 लाख के तहत वर्गीकृत किया गया है। नीलामी में हरमनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह मनदीप सिंह, संजय, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजंत सिंह, अभिषेक, कृष्ण बी पाठक, सुमित, विवेक सागर प्रसाद जैसे सितारे शामिल होंगे। इनके अलावा रूपिंदर पाल

सिंह, बीरेंद्र लाकड़ा और धर्मवीर सिंह जैसे पूर्व भारतीय हॉकी दिग्गजों ने भी पंजीकरण कराया है।

एसजी स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व वाली दिल्ली स्थित टीम का नाम एसजी पाइपर्स रखा गया है। एसजी स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ महेश भूपति, हॉकी निदेशक पीआर श्रीजेश, मुख्य कोच ग्राहम रीड और सहायक कोच शिवेंद्र सिंह के साथ नीलामी में टीम का नेतृत्व करेंगे। एम एंड सी प्रॉपर्टी डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व वाली तमिलनाडु स्थित टीम को तमिलनाडु ड्रैगन्स कहा जाएगा। सीएमडी श्री जोस चार्ल्स मार्टिन, श्री जोसेफ सेलवन, श्री रीन वान ईजक और श्री चार्ल्स डिक्सन के साथ टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

श्राची स्पोर्ट्स एंडेवर प्राइवेट लिमिटेड ने कोलकाता स्थित टीम का नाम श्राची रारह बंगाल टाइगर्स रखा है। श्राची स्पोर्ट्स एंडेवर प्राइवेट लिमिटेड के नीरज ठाकुर और सौरव सिकदर के साथ जगराज सिंह, रोमेश पठानिया, अभिषेक शर्मा, दीपक ठाकुर और एड्रियन डिसूजा भी होंगे। हैदराबाद स्थित टीम, जिसका स्वामित्व रेसोल्यूट स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास है। लिमिटेड, को हैदराबाद तूफ़ान कहा जाएगा।

एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2024: अयहिका-सुतीर्था की जोड़ी ने पदक किया पक्का; मानुष, मानव अंतिम 16वें

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पैडलर अयहिका मुखर्जी और सुतीर्था मुखर्जी ने कजाकिस्तान के अस्ताना में चल रहे एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में महिला युगल के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है, इसी के साथ भारत का टूर्नामेंट में पदक पक्का हो गया है।हांग्जो एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने वाली अयहिका और सुतीर्था की भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में. दक्षिण कोरिया की किम नायॉन्ग और ली यून्हे को 3-1 (10-12, 11-7, 11-9, 11-8) से हराया।

यह एशियाई चैंपियनशिप में पोडियम पर पहुंचने वाली पहली अखिल भारतीय महिला युगल जोड़ी होगी। इससे पहले गूल नासिकवाला ने जापान की योशिको तनाका के साथ मिलकर महिला युगल में स्वर्ण पदक जीता था, जब तत्कालीन टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ एशिया ने 1952 में सिंगापुर में पहली बार इस प्रतियोगिता का

आयोजन किया था। वर्ल्ड नंबर 15 अयहिका-सुतीर्था की जोड़ी रविवार को सेमीफाइनल में जापान की मिवा हरिमोटो और मियु किहारा से भिड़ेगी। पुरुष एकल में, मानुष शाह और मानव ठक्कर ने उच्च रैंकिंग वाले दक्षिण कोरियाई विरोधियों को चौंका दिया और 16वें राउंड में पहुंच गए। वर्ल्ड नंबर 115 शाह ने वर्ल्ड नंबर 23 और पूर्व विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एन जेह्युन को 3-0 (11-9, 11-5, 11-6) से हराया।

दूसरी ओर, वर्ल्ड नंबर 60 ठक्कर ने वर्ल्ड नंबर 14 और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जांग वूजिन के खिलाफ 3-2 (5-11, 11-9, 5-11, 11-9, 11-7) से जीत दर्ज की। दिन के अंतिम 16वें राउंड में शाह का सामना चीनी ताइपे के लिन युन-जू से होगा, जबकि ठक्कर का मुकाबला हांगकांग के चान बाल्डविन से होगा।

हालाँकि, हरमीत देसाई अपने राउंड ऑफ़ 32 मैच में विश्व के 30वें नंबर के दक्षिण कोरिया के लिम जोंगहून से 0-3 (12-14, 7-11, 7-11) से हार गए। महिला एकल में मनिका बत्रा प्रतियोगिता में बची एकमात्र भारतीय हैं। वह दिन के अंतिम 16वें दौर में हारिमोटो से भिड़ेंगी।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को आठ विकेट से हराया

एजेंसी

शारजाह। सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर (53) के शानदार अर्द्धशतक एवं एमेलिया कर के नाबाद 34 रनों की बदौलत न्यूजीलैंड ने यहां खेले गए आईसीसी महिला विश्वकप के 15वें मैच श्रीलंका को आठ विकेट से हरा दिया। श्रीलंका के 115 रनों के स्कोर के जवाब में न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 118 रन बनाकर मैच आठ विकेट से जीत लिया। न्यूजीलैंड की सलामी बल्लेबाजों सूजी बेट्स एवं जॉर्जिया प्लिमर ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 49 रनों की साझेदारी की। आठवें ओवर में सचिनी निसांसला ने सूजी बेट्स (17) को बोल्ड आउट कर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई।इसके बाद प्लिमर एवं एमेलिया कर ने टीम के स्कोर को 95 रनों तक पहुंचा कर टीम की जीत तय कर दी। 15वें ओवर में श्रीलंका की कप्तान अट्टापट्टू ने प्लिमर को (53) पर आउट कर न्यूजीलैंड को दूसरा झटका दिया। बाद में एमेलिया कर नाबाद (34) एवं कप्तान सोफ़ी डिवाइन (13) ने नाबाद रहते हुए टीम को आठ विकेट से जीत दिला दी। श्रीलंका की ओर से सचिनी निसांसला एवं चमरी अट्टापट्टू ने एक एक विकेट लिया। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका का पहला विकेट 26 रन के स्कोर पर ही गिर गया जब कार्सन ने सलामी बल्लेबाज विष्मी गुणारत्ने को बोल्ड आउट कर दिया। दूसरे विकेट के लिए कप्तान चमरी अट्टापट्टू और हर्षिता समाविक्रमा ने टीम का स्कोर 14वें ओवर में 74 रनों तक पहुंचा दिया। इसी ओवर में एमेलिया कर ने कप्तान चमरी (35) को बोल्ड कर श्रीलंका को दूसरा झटका दे दिया। स्कोर में दो रन और जुड़ते ही कैस्पेरेक ने हर्षिता (18) को हाथों कैच आउट करा न्यूजीलैंड को तीसरी सफलता दिला दी। इसके बाद कविशा दिलहारी (10) को कर ने पगबाधा आउट कर श्रीलंका का चौथा झटका दे दिया। श्रीलंका का पांचवा विकेट अनुष्का संजीवनी (पांच) के रुप में गिरा। अनुष्का को कैस्परेक ने डिवाइन के हाथों कैच आउट कराया। नीलाक्षी डिसिल्वा (14) एवं अमा कंचना (10) रन पर नाबाद रही। इस तरह श्रीलंका की टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 115 रन बनाए।

खराब फॉर्म में चल रहे बाबर आजम को एक और झटका, इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर : रिपोर्ट

एजेंसी

मुल्तान। मुल्तान में पहले टेस्ट में इंग्लैंड के हाथों पाकिस्तान की शर्मनाक हार के बाद पूर्व कप्तान बाबर आजम को टीम से बाहर कर दिया गया है, एक रिपोर्ट ने इसकी पुष्टि की है। पिछले कुछ महीनों में बाबर सभी प्रारूपों में बेहद खराब फॉर्म में हैं। पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ दो पारियों में उन्होंने केवल 30 और 5 रन बनाए जबकि पिच बल्लेबाजों के लिए बिल्कुल अनुकूल थी। मुल्तान टेस्ट में पाकिस्तान की हार के कुछ घंटों बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक नई चयन समिति का गठन किया, जिसने कथित तौर पर बाबर को दूसरे टेस्ट की टीम से बाहर करने का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अलीम डार, आकिब जावेद और अजहर अली वाली चयन समिति ने बल्ले से खराब प्रदर्शन के कारण पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर को टीम से बाहर करने का फैसला किया है। कथित तौर पर चयन समिति ने पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के साथ-साथ पीसीबी द्वारा तीन साल के अनुबंध पर नियुक्त किए गए पांच सलाहकारों से मुलाकात की और टीम को अंतिम रूप दिया।

जब टूट गई

ऐश्वर्या राय

और रानी मुखर्जी की दोस्ती, कड़वाहट से भर गया रिश्ता, नहीं हुई आज तक सुलह

फिल्मी सितारों के बीच रिश्तों का बनना और बिगड़ा आम सी बात है. यहां सितारों के बीच दोस्ती तो होती है, लेकिन वो कितनी लंबी चलेगी इसकी कोई गारंटी नहीं होती. बॉलीवुड के गलियारों में ऐसे कई किस्से हैं, जहां एक्ट्रेसेस और एक्टर की दोस्ती पूरी तरह से खत्म होते देर नहीं लगी. ऐसा ही एक किस्सा ऐश्वर्या राय और रानी मुखर्जी की दोस्ती का भी है. दोनों एक वक्त पर काफी अच्छी दोस्त हुआ करती थीं, लेकिन फिर कुछ ऐसा हुआ कि दोनों की दोस्ती में खटास आ गई.शाहरुख खान और सलमान खान की दोस्ती में भी दरार आ गई थी, लेकिन वक्त के साथ दोनों फिर से अच्छे दोस्त बन गए. लेकिन ऐश्वर्या राय और रानी मुखर्जी की आज तक सुलह नहीं हो पाई है. रानी और ऐश्वर्या के लिए कहा जाता है कि दोनों हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़ी नजर आती थीं. दोनों को अक्सर साथ भी देखा जाता था. फिर एक ऐसी घटना घटी कि दोनों की दोस्ती हमेशा-हमेशा के लिए टूट गई.

शाहरुख-सलमान थे बड़ी वजह

एक रिपोर्ट की मानें तो ऐश्वर्या और रानी की दोस्ती में आई दरार की एक बड़ी वजह सलमान खान और शाहरुख खान को भी माना जाता है. दरअसल ये वो दौर था जब सलमान और ऐश्वर्या के रिश्ते ठीक नहीं चल रहे थे. उस वक्त शाहरुख खान के साथ ऐश्वर्या फिल्म चलते-चलते की शूटिंग कर रही थीं. सलमान अक्सर फिल्म की शूटिंग पर पहुंचकर काफी तमाशा करते थे. शाहरुख ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो सलमान ने उन्हें भी काफी कुछ बोल दिया.

रानी के एक फैसले से टूट गया ऐश का दिल

शाहरुख खान भी सलमान और उनकी हरकत को बर्दाश्त नहीं कर पाए. उन्होंने फिल्म से ऐश्वर्या राय को हटाने का फैसला किया. माना जाता है कि शाहरुख के कहने पर ही ऐश को फिल्म से बाहर कर दिया गया. इसके बाद ये फिल्म काजोल को ऑफर की गई, लेकिन उन्होंने इसे करने से इनकार कर दिया. काजोल के बाद मेकर्स ने रानी मुखर्जी को अप्रोच किया और रानी बिना देर किए फिल्म के लिए हामी भर दी. रानी के इस फैसले से ऐश्वर्या काफी नाराज हो गईं. ऐश्वर्या ने रानी को अपनी शादी तक में नहीं बुलाया था.

बिग बॉस 18: विवियन डीसेना की पत्नी ने क्यों कहा- सिद्धार्थ शुक्ला से तुलना बंद कर दें

'बिग बॉस 18' शुरू हुए अभी एक हफ्ता हुआ है और विवियन डीसेना शो में खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं. लोग बिग बॉस में विवियन डीसेना की तुलना दिवंगत एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला से कर रहे हैं. सलमान खान ने शो के प्रीमियर में विवियन डीसेना को 'बिग बॉस 18' का फाइनलिस्ट तक बताया था. हालांकि, सिद्धार्थ शुक्ला से कम्पेरिजन विवियन डीसेना की पत्नी नूरन अली को पसंद नहीं आया. उन्होंने विवियन डीसेना की सिद्धार्थ शुक्ला से तुलना पर रिएक्शन दिया है.हाल ही में बिग बॉस के कंटेस्टेंट रहे राजीव अदातिया ने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था कि Vivian Dsena को देखकर सिद्धार्थ शुक्ला की याद आती है. इसके बाद फैन्स भी कहने लगे कि विवियन डीसेना बिग बॉस 13 के विनर सिद्धार्थ शुक्ला की वाइब दे रहे हैं. अब इसी को लेकर विवियन डीसेना की पत्नी ने सिद्धार्थ शुक्ला से विवियन की तुलना न करने की रिक्वेस्ट की है.

Vivian Dsena की पत्नी ने की ये रिक्वेस्ट

विवियन डीसेना की पत्नी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सिद्धार्थ और विवियन की साथ वाली फोटो स्टोरी पर शेयर की और लिखा – "मैं विवियन डीसेना के सभी फैन्स, सपोर्टर और फॉलोअर्स से रिक्वेस्ट करती हूं कि वो दोनों की तुलना करना बंद कर दें. इन दोनों ने अपनी जर्नी लगभग एक साथ शुरू की थी और उनके बीच हमेशा एक हेल्दी कॉम्पिटिशन रहा था. दोनों में से किसी ने भी कभी दूसरे के लिए बुरा शब्द नहीं कहा और ना ही एक-दूसरे से झगड़ा या बहस की.

विवियन और सिद्धार्थ थे अच्छे दोस्त

उनकी पत्नी ने आगे लिखा- असल में विवियन और सिद्धार्थ अच्छे दोस्त थे और उनका बॉन्ड बहुत स्पेशल था. दोनों का करियर ग्राफ भी अच्छा रहा है और दोनों ने हिट शो दिए हैं. भले ही उनके कैरेक्टर में थोड़ी सिमिलेरिटीज हों, लेकिन उन्हें शांति से रहने दें, जो अब हमारे बीच नहीं हैं.

हार्दिक पांड्या के बर्थडे पर नताशा ने दिया खास सरप्राइज, एल्विश संग आंखों में आंखें डाल शेयर किया

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आज यानी 11 अक्टूबर को अपना 31वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस खास मौके पर हार्दिक के फैंस और फ्रेंड्स ने उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी बधाई दी। ऐसे में हार्दिक के बर्थडे के दिन उनकी एक्स वाइफ नताशा स्टेनकोविक का एक वीडियो सुर्खियों में बना है। इस वीडियो में एक्ट्रेस बिग बॉस विनर एल्विश यादव के साथ रील बनाती नजर आ रही हैं। ये वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।

नताशा ने एल्विश के साथ शेयर किया वीडियो

नताशा स्टेनकोविक ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना एक नया वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में नताशा बिग बॉस ओटीटी 2 विनर एल्विश यादव के साथ नजर आ रही हैं। दरअसल, हाल ही में नताशा स्टेनकोविक का एक म्यूजिक वीडियो रिलीज हुआ है। जो इस वक्त काफी ट्रेंडिंग है। ऐसे में

नताशा ने अपने इसी गाने पर एल्विश के साथ रील बनाया है। इस वीडियो में नताशा एल्विश के साथ बीच किनारे वॉक करती नजर आ रही हैं। दोनों एक-दूसरे की आंखों में आंख डालकर रोमांटिक अंदाज में देखते नजर आ रहे हैं। इस दौरान नताशा बेहद शॉर्ट वनपीस ड्रेस में बेहद हॉट नजर आ रही हैं। वहीं, एल्विश भी काफी जच रहे हैं।

वीडियो पर नेटिजन्स के आए ऐसे रिएक्शन

नताशा और एल्विश यादव का ये वीडियो इंटरनेट पर आग लगा रहा है। इस वीडियो के सामने आते ही नेटिजन्स के कमेंट की बाढ़ आ गई है। इस पर कमेंट कर एक यूजर ने लिखा, हार्दिक का बेस्ट बर्थडे सरप्राइज। एक दूसरा लिखता है, सिस्टम हिलाकर रख दिया। एक ने लिखा, भाई बर्थडे के दिन नहीं करना था। एक लिखता है, बर्थडे गिफ्ट दे दिया भाई ने हार्दिक भाई को। ऐसे कई और कमेंट्स इस वीडियो पर आ रहे हैं।

आलिया भट्ट

की बेटी राहा के नाम रामचरण ने गोद लिया हाथी, गिफ्ट में भेजा घर, एक्ट्रेस बोलीं-मैं बिल्डिंग के ....

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट इन दिनों अपनी फिल्म जिगरा को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। आलिया की ये फिल्म कल यानी 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म में आलिया की दमदार एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है। मूवी की कहानी दर्शकों और क्रिटिक्स को काफी पसंद आई है। आलिया और फिल्म की टीम ने जिगरा के प्रमोशन में कोई कसर नहीं छोड़ा। ऐसे में आलिया ने खुलासा किया है उनके एक को-स्टार ने उनकी बेटी राहा के नाम पर एक हाथी गोद लिया है।

आलिया ने रामचरण संग बॉन्ड पर की खुलकर बात

ये सुपरस्टार कोई और नहीं, बल्कि साउथ के जाने माने एक्टर रामचरण हैं। आरआरआरके दौरान आलिया भट्ट का रामचरण संग एक खास बॉन्ड बन गया था। ऐसे में अब आलिया ने एक प्रमोशनल इंटरव्यू में एंकर सुमा से बात करते हुए बताया कि रामचरण और जूनियर एनटीआर ने उन्हें बताया था कि उनके पास राहा के लिए एक खास तोहफा है।

रामचरण ने बेटी राहा के नाम पर कुछ ऐसा किया जिसने आलिया का दिल छू लिया। उन्होंने बताया कि रामचरण ने राहा के नाम पर एक हाथी गोद लिया है। आलिया ने बताया, तारक, राम चरण और मैं, हम अलग-अलग शेड्यूल के कारण आरआरआर के सेट पर एक साथ ज्यादा समय नहीं बिता सके, लेकिन प्रमोशन के दौरान, हम बहुत करीब आ गए।

राहा के लिए भेजा खास तोहफा

आलिया ने एक मजेदार किस्सा बताते हुए कहा, एक दिन मैं राहा के जन्म के करीब एक महीने के बाद अपनी बिल्डिंग के नीचे टहलने के लिए उतरी, तभी किसी ने आकर मुझे कहा, मैम, रामचरण सर ने एक हाथी भेजा है।ये सुनकर मैं हैरान थी, क्योंकि कुछ भी हो सकता है। हो सकता है कि मैं अभी बिल्डिंग के नीचे हूं और मेरे सामने एक विशाल हाथी घूम रहा हो।